वर्ष 17 अंक 296
पृष्ठ 12
नई दिल्ली, रविवार
3 अगस्त 2025
मूल्य: 4 रुपये

नेशनल एक्सप्रेस

हर खबर समय पर

nationalexpressindia | nationalexpressindia | www.nationalexpress.co.in

DELHIN/2015/65411
डाक पंजीयन सं. -DL(S)-17/3531/2018-20

03 दिल्ली के वसंत विहार में महिला को गोली मारी गई, दो गिरफ्तार | 06 ट्रंप का शेखचिल्लीपन !- ऋषभदेव शर्मा | 11 जायसवाल के शतक से दूसरी पारी में भारत का स्कोर 300 रन के पार

पहलगाम हमले का बदला लेने का मेरा वादा भगवान शिव के आशीर्वाद से पूरा हुआ: मोदी

वाराणसी, (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिये पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने का उनका वादा भगवान शिव के आशीर्वाद से पूरा हुआ।

प्रधानमंत्री ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ कार्रवाई का वर्णन करने के लिए भगवान शिव के प्रचंड 'रुद्र' रूप का जिक्र किया और कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने दुनिया को देश की ताकत दिखाई है और एक स्पष्ट संदेश दिया है - जो कोई भी भारत पर हमला करने की हिम्मत करेगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा, यहाँ तक कि 'पाताल लोक' में भी नहीं। मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वाले 26 लोगों के लिए मेरा दिल दुख से भर गया है।'' उन्होंने कहा, ''महादेव के आशीर्वाद से हमारी बेटियों के 'सिंदूर' का बदला लेने का मेरा वादा पूरा हुआ।' उन्होंने कहा, 'मैं ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को महादेव के चरणों में समर्पित करता हूँ।''

प्रधानमंत्री ने वाराणसी में 2200 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की शुरुआत की

प्रधानमंत्री ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि ''140 करोड़ देशवासियों की एकता'' ही ''ऑपरेशन सिंदूर की ताकत'' बनी। अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, मोदी ने कहा, ''शिव का अर्थ कल्याणकारी होता है, लेकिन जब आतंकवाद बढ़ता है, तो महादेव अपना रुद्र रूप धारण कर लेते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, दुनिया ने भारत के इसी रूप को देखा।'' विपक्ष पर निशाना साधते हुए, मोदी ने आरोप लगाया कि जब देश 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का जश्न मना रहा था, 'हमारे अपने देश में कुछ लोग इससे परेशान थे।'' उन्होंने कहा, ''कांग्रेस और उसके सहयोगी इस बात को पचा नहीं पा रहे हैं कि भारत ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया।''

मोदी ने भीड़ से सीधा सवाल किया: ''क्या आपको ऑपरेशन सिंदूर पर गर्व नहीं है? क्या आपको इस बात पर गर्व नहीं है कि भारत ने आतंकवादी ठिकानों को नष्ट कर दिया?'' उन्होंने आगे कहा, ''आप सभी ने देखा होगा कि कैसे हमारे ड्रोन और मिसाइलों ने सटीक हमले किए और आतंकवादी ठिकानों को मलबे में बदल दिया। पाकिस्तान में कई हवाई अड्डे अभी भी आईसीयू में हैं (सदमे से जूझ रहे हैं)। पाकिस्तान की पीड़ा समझ में आती है, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता भी इससे निपट नहीं पा रहे हैं।''

प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस बार-बार सशस्त्र बलों के शौर्य का अपमान कर रही है और उसने 'ऑपरेशन सिंदूर' को एक ''तमाशा'' तक कह दिया था। उन्होंने कहा, ''क्या 'सिंदूर' कभी मज़ाक हो सकता है? उन्होंने हमारी बहनों के पवित्र चिह्न और हमारे सैनिकों के शौर्य का अपमान करने का साहस किया।''

मोदी ने हमले के समय पर सवाल उठाने के लिए समाजवादी पार्टी पर भी हमला बोला। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में पूछा, ''उनके एक नेता ने संसद में कहा था, 'पहलगाम में आतंकवादी अभी क्यों मारे गए?' क्या मुझे सपा नेताओं को बुलाकर पूछना चाहिए कि अभी हमला करना है या बाद में? क्या हमें इंतज़ार करना चाहिए और आतंकवादियों को भागने देना चाहिए?'' मोदी ने दावा किया, ''ये वही लोग हैं, जिन्होंने उत्तर प्रदेश में अपने शासन के दौरान आतंकवादियों को क्लीन चिट दी थी और बम विस्फोटों में शामिल लोगों के खिलाफ मामले वापस ले लिए थे।' उन्होंने आगे कहा कि ऐसी पार्टियाँ अब आतंकवादियों के खात्मे से परेशान हैं।

राजनाथ ने राहुल को निर्वाचन आयोग के खिलाफ 'सबूतों का एटम बम' फोड़ने की चुनौती दी

पटना, (भाषा) रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने निर्वाचन आयोग पर बिहार में ''वोट चोरी'' का आरोप लगाने के लिए शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना की।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दावा किया है कि निर्वाचन आयोग बिहार में 'वोट चोरी' में शामिल है और इस बारे में उनके पास ऐसा पुख्ता सबूत है, जो 'एटम बम' की तरह है, जिसके फटने पर आयोग को कहीं छिपने की जगह नहीं मिलेगी। पटना में एक मीडिया संस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंह ने आगामी विधानसभा चुनावों की तुलना एक चौराहे से की, जिसमें ''एक रास्ता (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के तहत) आगे की प्रगति की ओर ले जाता है और दूसरा ('इंडिया' गठबंधन के तहत) बिहार को अराजकता और जाति संघर्ष के पुराने दौर में वापस ले जाता है।'सिंह ने कटाक्ष करते हुए कहा, ''राहुल गांधी कहते हैं कि उनके पास एटम बम है। अगर ऐसा है, तो उन्हें तुरंत उसे फोड़ देना चाहिए।

लोकसभा चुनाव में करीब 100 सीट पर हुई धांधली: राहुल गांधी

नयी दिल्ली, (भाषा) कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को दावा किया पिछले लोकसभा चुनाव में करीब 100 सीट पर धांधली हुई है और अगर इनमें से 15 सीट पर भी धांधली नहीं हुई होती, तो नरेन्द्र मोदी आज देश के प्रधानमंत्री नहीं होते।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कांग्रेस के विधि, मानवाधिकार और आरटीआई विभाग द्वारा आयोजित वार्षिक विधिक सम्मेलन में इस बात को फिर से दोहराया कि कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूची में हेरफेर के जो सबूत मिले हैं, वो 'एटम बम' की तरह हैं। उन्होंने कहा कि अगले कुछ दिनों में इसका सबूत दिया जाएगा कि कैसे लोकसभा चुनाव में धांधली हुई। निर्वाचन आयोग ने कर्नाटक में मतदाता सूची से जुड़े राहुल गांधी के दावे को शुक्रवार को निराधार बताया था।

राहुल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'आज (नरेन्द्र मोदी) प्रधानमंत्री पद पर बहुत ही साधारण बहुमत के साथ हैं। हमारा मानना है कि (लोकसभा चुनाव में) 70, 80 या 100 सीट तक पर धांधली हुई है। यदि 15 सीट पर भी धांधली नहीं हुई होती, तो वह (मोदी) भारत के प्रधानमंत्री नहीं होते।'' उन्होंने कहा, ''हम अगले कुछ दिन में यह साबित करने जा रहे हैं कि एक लोकसभा चुनाव में कैसे धांधली हो सकती है और कैसे की गई।' लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, '2014 से ही मुझे चुनाव प्रणाली पर संदेह है। (भाजपा की) प्रचंड जीत हासिल करने की क्षमता आश्चर्यजनक है। महाराष्ट्र में जो हुआ, उसने मुझे इस मुद्दे को गंभीरता से लेने पर मजबूर कर दिया।' राहुल गांधी ने कहा, ''मैं बिना सबूत के कुछ नहीं बोल सकता था, लेकिन अब मैं बिना किसी संदेह के कहता हूं कि हमारे पास सबूत हैं।'' उन्होंने कहा कि इन सबूत के आधार पर देश को दिखा दिया जाएगा कि निर्वाचन आयोग की संस्था उस तरह काम नहीं करती, जैसा उसे करना चाहिए तथा यह समझौते का शिकार हो चुकी है।

कांग्रेस के शीर्ष नेता ने शुक्रवार को दावा किया था कि निर्वाचन आयोग 'वोट चोरी' में शामिल है और इस बारे में उनके पास ऐसा पुख्ता सबूत है, जो 'एटम बम' की तरह है, जिसके फटने पर आयोग को कहीं छिपने की जगह नहीं मिलेगी।

क्या हमें जीवन की पुनः अभियांत्रिकी के जरिये जलवायु परिवर्तन से लड़ना चाहिए?

सिडनी, (द कन्वरसेशन) अरबों वर्षों में जीवन ने हमारी दुनिया को बदल दिया है, एक मृत चट्टान को उस हरे-भरे, उपजाऊ ग्रह में बदल दिया है जिसे हम आज जानते हैं। लेकिन मानवीय गतिविधियां वर्तमान में पृथ्वी को फिर से बदल रही हैं, इस बार हरित गैसों को छोड़कर जो हमारी जलवायु में नाटकीय परिवर्तन ला रही हैं।

क्या होगा अगर हम जलवायु परिवर्तन पर लगाम लगाने के लिए जीवों की शक्ति का उपयोग कर सकें? विशिष्ट समस्याओं के समाधान के लिए जैविक उपकरणों को तैयार करने के वास्ते आनुवांशिक तकनीक का उपयोग करने वाला "अभियांत्रिकी जीवविज्ञान" का क्षेत्र इसमें मदद कर सकता है।

शायद इस उभरते क्षेत्र की अब तक की सबसे नाटकीय सफलता एमआरएनए टीके हैं, जिन्होंने कोविड महामारी से निपटने में हमारी मदद की। लेकिन अभियांत्रिकी जीवविज्ञान में न केवल जलवायु परिवर्तन के अनुकूल ढलने में हमारी मदद करने की अपार क्षमता है, बल्कि तापमान वृद्धि को सीमित करने की भी क्षमता है।

'नेचर कम्युनिकेशंस' में प्रकाशित हमारे नवीनतम शोधपत्र में, हमने उन अनेक तरीकों की समीक्षा की है जिनसे जीव विज्ञान में अभियांत्रिकी जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध लड़ाई में सहायक हो सकती है - तथा यह भी कि किस प्रकार सरकारें और नीति निर्माता यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि मानवता इस प्रौद्योगिकी का लाभ उठा सके।

क्या अभियांत्रिकी जीवविज्ञान जलवायु परिवर्तन से लड़ने में मदद कर सकता है ?हमने चार तरीकों की पहचान की है जिनसे अभियांत्रिकी जीवविज्ञान जलवायु परिवर्तन को कम करने में मदद कर सकता है।

पहला, कृत्रिम ईंधन बनाने के बेहतर तरीके खोजना जो सीधे जीवाश्म ईंधन का स्थान ले सकें। कुछ अभियांत्रिकी जीवविज्ञान अनुसंधान कृषि अपशिष्ट से सिंथेटिक ईंधन बनाने के तरीकों की खोज कर रहे हैं। ये ईंधन सस्ते और पर्यावरण-अनुकूल हो सकते हैं, और इसलिए कार्बन-मुक्ति में तेजी लाने में मदद कर सकते हैं।

दूसरा, हरित उत्सर्जन (औद्योगिक सुविधाओं, निर्माण और कृषि से) पर लगाम लगाने के लिए लागत प्रभावी तरीके विकसित करना और फिर इस अपशिष्ट का उपयोग मूल्यवान उत्पादों (जैसे औद्योगिक रसायन या जैव ईंधन) के "जैव विनिर्माण" के लिए करना है।

तीसरा तरीका है उत्सर्जन-प्रधान उत्पादन विधियों को बदलना। उदाहरण के लिए, कई कंपनियां पहले से ही सिंथेटिक दूध बनाने के लिए "प्रिसिज़न फ़र्मेंटेशन" का इस्तेमाल कर रही हैं जिससे डेरी उद्योग के मीथेन उत्सर्जन से बचा जा सकता है। अन्य कंपनियों ने ऐसे सूक्ष्मजीवों का उत्पादन किया है जो मिट्टी में नाइट्रोजन को स्थिर करने का वादा करते हैं, और इस प्रकार जीवाश्म ईंधन से उत्पादित उर्वरकों के उपयोग को कम करने में मदद करते हैं। अंत में, चौथा तरीका है हवा से हरित गैसों को सीधे अवशोषित करना। वायुमंडलीय कार्बन को अवशोषित करने के लिए विकसित बैक्टीरिया, या अपनी जड़ों में अधिक कार्बन को अवशोषित करने के लिए विकसित पौधे, सैद्धांतिक रूप से वायुमंडल में हरित गैसों के स्तर को कम करने में मदद कर सकते हैं।

भारत बना सकता है साइबर सुरक्षा में अगली दिग्गज कंपनी: प्रयांक स्वरूप, एक्सेल

नयी दिल्ली, (भाषा) एक्सेल के पार्टनर प्रयांक स्वरूप का कहना है कि भारत साइबर सुरक्षा क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है और मौजूदा वक्त वैश्विक सुरक्षा कंपनियों की अगली पीढ़ी को परिभाषित कर सकता है।

बेंगलुरु में एक्सेल के साइबर सुरक्षा शिखर सम्मेलन में पीटीआई-भाषा से बात करते हुए स्वरूप ने भारतीय संस्थापकों से इस संबंध में कार्रवाई करने का स्पष्ट आह्वान किया। उन्होंने कहा, "भारत में 1,400 से ज़्यादा साइबर सुरक्षा स्टार्टअप हैं, लेकिन केवल 235 को ही वित्तपोषण मिला है और केवल छह ही सार्वजनिक हुए हैं। हम अभी शुरुआत ही कर रहे हैं।"

उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर, यह अगले तीन वर्षों में 377 अरब डॉलर का अवसर है। भारतीय संस्थापकों के पास इस दिशा में निर्माण करने का एक वास्तविक मौका है।"एक्सेल क्राउडस्ट्राइक के शुरुआती निवेशकों में से एक है। क्राउडस्ट्राइक का मूल्यांकन अब 116 अरब डॉलर से अधिक है।

स्वरूप ने कहा, "हमने क्राउडस्ट्राइक का तब समर्थन किया था जब इसका राजस्व 50 लाख डॉलर से कम था। इसके आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले हमने तीन दौर का नेतृत्व किया था। महान साइबर सुरक्षा कंपनियों को समय लगता है, लेकिन जब वे स्थापित होती हैं, तो वे उद्योग को नया रूप देती हैं।" स्वरूप का मानना है कि जेन-एआई (सृजन से जुड़ी कृत्रिम मेधा) अगली लहर को परिभाषित करेगी। उन्होंने कहा, "एआई रणनीति को नए सिरे से लिख रहा है। यह पहचान को धुंधला कर रहा है, सोशल इंजीनियरिंग को बढ़ा रहा है। यह कोई क्रमिक बदलाव नहीं है। यह आधारभूत बदलाव है।"

सुभाष चोपड़ा का भव्य सम्मान समारोह: पत्रकारिता और राजनीति के दो महान स्तंभों की अभूतपूर्व भेंट

नई दिल्ली। राजधानी की राजनीतिक और सामाजिक चेतना का एक विलक्षण दृश्य उस समय साकार हुआ जब दिल्ली विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और जनसेवक सुभाष चोपड़ा का सम्मान उनके निवास पर एक गरिमामयी समारोह में किया गया। यह आयोजन राष्ट्र टाइम्स के 45वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में संपन्न हुआ, जिसमें राष्ट्र टाइम्स के प्रधान संपादक श्री विजय शंकर चतुर्वेदी ने उन्हें शॉल, प्रतीक चिन्ह और एक विशेष स्मृति ग्रंथ भेंट कर लोकतंत्र की दो प्रमुख धारणाओं — पत्रकारिता और राजनीति — के इस दुर्लभ संगम को चिरस्मरणीय बना दिया।यह महज़ एक सम्मान नहीं था, बल्कि यह उस मूल्य-परंपरा का उत्सव था जिसे दोनों महान हस्तियों ने अपने अपने क्षेत्र में न केवल जिया, बल्कि स्थापित भी किया।

श्री सुभाष चोपड़ा ने जहां राजनीति में पारदर्शिता, संवेदनशीलता और ज़मीनी जुड़ाव की मिसाल कायम की, वहीं श्री विजय शंकर चतुर्वेदी ने पत्रकारिता के क्षेत्र में निर्भीकता, निष्पक्षता और समाजिक सरोकारों की ऊँचाइयों को छुआ। समारोह के दौरान श्री चोपड़ा ने श्री चतुर्वेदी के पत्रकारिता जीवन की विशेष रूप से प्रशंसा करते हुए उन्हें लोकतंत्र की असली आवाज़ बताया। उन्होंने कहा कि जब मीडिया का एक बड़ा हिस्सा भ्रम और दबाव के बीच डगमगा रहा हो, ऐसे समय में राष्ट्र टाइम्स और उसके जैसे संपादकों की निष्पक्षता, पत्रकारिता की असली ताकत बनकर उभरती है।श्री विजय शंकर चतुर्वेदी का पत्रकारिता सफर 52 वर्षों से अधिक का रहा है, जो केवल खबरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जनता के प्रश्नों, दर्द और संघर्ष को देश के समक्ष रखने का माध्यम भी बना। उन्होंने अपनी लेखनी को सत्ता के सामने कभी झुकने नहीं दिया, बल्कि उसे सच का आइना बनाकर जनजागरण का माध्यम बनाया। उनकी पत्रकारिता ने उन आवाज़ों को स्थान दिया जिन्हें अक्सर मुख्यधारा अनसुना कर देती है।इसी क्रम में श्री चतुर्वेदी ने श्री सुभाष चोपड़ा के जीवन और कार्यों की गहराई से सराहना करते हुए कहा कि वे केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि हृदय से जनसेवक हैं।

चालू सत्र में खरीफ फसलों की बुवाई पिछले साल से अधिक होने का अनुमान: इक्रा

कोलकाता, (भाषा) शोध फर्म इक्रा के मुताबिक चालू सत्र में खरीफ फसलों की बुवाई पिछले साल के स्तर से पर्याप्त अधिक हो सकती है। इक्रा ने अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा कि अनुकूल मानसून की मदद से, सामान्य बुवाई क्षेत्र के 76 प्रतिशत पर खरीफ की बुवाई पूरी हो चुकी है और जुलाई 2025 तक इसमें सालाना आधार पर चार प्रतिशत की वृद्धि होगी। जून और जुलाई के बरसात के महीनों में बोई जाने वाली खरीफ फसलें मुख्य रूप से मूंग, चावल और मक्का हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि अगस्त और सितंबर के दौरान सामान्य से अधिक बारिश का मौसम विभाग का पूर्वानुमान खरीफ फसलों की निरंतर बुवाई के लिए अच्छा संकेत है, और जलाशयों के भर जाने से अक्टूबर से मार्च तक रबी सत्र के दौरान भी बुवाई को बढ़ावा मिलेगा।

इक्रा की रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई 2025 के दौरान भारत में सामान्य से अधिक बारिश हुई है।

'हमारे किसान, हमारे लघु उद्योग, हमारे नौजवानों के रोजगार, इनका हित हमारे लिये सबसे ऊपर'

वाराणसी, (भाषा) विश्व की अस्थिर अर्थव्यवस्था के प्रति चिंता जताते हुये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि हमारे किसान, हमारे लघु उदयोग, हमारे नौजवानों के रोजगार, इनका हित हमारे लिये सबसे ऊपर है।

उन्होंने आगे कहा, ''इसलिए अब हम उन वस्तुओं को खरीदेंगे, जिसे बनाने में किसी न किसी भारतीय का पसीना बहा है।''प्रधानमंत्री ने करीब 53 मिनट के अपने भाषण के अंतिम छह मिनट में भारत की अर्थव्यवस्था और स्वदेशी का उल्लेख किया।

मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''आज जब हम आर्थिक प्रगति की बात कर रहे है, तो मैं आपका ध्यान वैश्विक हालात पर ले जाना चाहता हूं। आज दुनिया की अर्थव्यवस्था कई आशंकाओं से गुजर रही हैं। अस्थिरता का माहौल है।ऐसे में दुनिया के देश अपने-अपने हितों पर ध्यान दे रहे है।''मोदी ने कहा, ''भारत भी दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। इसलिये भारत को भी अपने आर्थिक हितों को लेकर सजग रहना ही है।

हमारे किसान, हमारे लघु उदयोग, हमारे नौजवानों के रोजगार, इनका हित हमारे लिए सर्वोपरि हैं। सरकार इस दिशा में हर प्रयास कर रही है। लेकिन देश के नागरिक के रूप में भी हमारे कुछ दायित्व है। यह बात सिर्फ मोदी नहीं, हिंदुस्तान के हर व्यक्ति को दिन में हर पल बोलते रहना चाहियें।''उन्होंने कहा, ''कोई भी राजनीतिक दल हो, कोईं भी राजनेता हो, उसे अपने संकोच को छोड़कर के देशहित में देशवासियों के अंदर स्वदेशी के संकल्प का भाव जगाना होगा।''

प्रधानमंत्री ने कहा, ''हम उन वस्तुओं को खरीदेंगे, जिसे बनाने में किसी न किसी भारतीय का पसीना बहा है। वह वस्तु भारत के लोगों ने बनाई है, भारत के लोगों के कौशल से बनी है। भारत के लोगों के पसीने से बनी है। हमें 'वोकल फार लोकल' मंत्र को अपनाना होगा।''

मोदी ने कहा, ''हमारे घर में जो भी नया सामान आयेगा, वह स्वदेशी ही होगा। यह जिम्मेदारी हर देशवासी को लेनी होगी।'' उन्होंने व्यापारियों से स्वदेशी माल ही बेचने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, ''स्वदेशी माल बेचने का संकल्प भी देश की सच्ची सेवा है। त्योहारों के महीने आने वाले हैं। उसके बाद शादियों का सीजन है। इस दौरान स्वदेशी वस्तुओं को ही खरीदना चाहिए।''

अमेरिका के ताजा वित्तीय आंकड़े पेश कर रहे हैं चिंताजनक तस्वीर

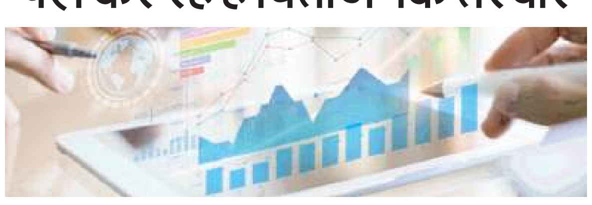

वाशिंगटन, (एपी) अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड अपने देश में ''स्वर्ण युग'' लाने का दावा कर रहे हैं, लेकिन इस सप्ताह आए कमजोर आर्थिक आंकड़े चिंता पैदा कर रहे हैं, क्योंकि उनकी नीतियों के प्रभाव अब स्पष्ट होते जा रहे हैं। इन आंकड़ों के मुताबिक नौकरियों में वृद्धि कम हो रही है, महंगाई बढ़ रही है और पिछले साल की तुलना में वृद्धि दर धीमी हो गई है। ट्रंप ने अब तक अपने छह महीने से कुछ ज्यादा कार्यकाल के दौरान शुल्क में बढ़ोतरी की। उनके नए कर एवं व्यय विधेयक ने अमेरिका की व्यापार, विनिर्माण, ऊर्जा और कर प्रणालियों को नया रूप दिया है। वह किसी भी अच्छी खबर का श्रेय लेने के लिए उत्सुक रहते हैं और अगर वित्तीय स्थिति बिगड़ती है तो किसी और को दोष देने की कोशिश करते हैं।

फिलहाल अमेरिकी अर्थव्यवस्था उस तेजी से नहीं बढ़ रही, जिसका रिपब्लिकन राष्ट्रपति ने वादा किया था। शुक्रवार की रोजगार रिपोर्ट बेहद निराशाजनक थी, लेकिन ट्रंप ने आंकड़ों में दी गई चेतावनियों को नजरअंदाज कर दिया और मासिक रोजगार के आंकड़े जारी करने वाली एजेंसी के प्रमुख को बर्खास्त कर दिया। जानकार मान रहे हैं कि ट्रंप की आर्थिक नीतियां एक राजनीतिक जुआ हैं, अगर वह मध्य वर्ग की समृद्धि सुनिश्चित करने में विफल रहते हैं, तो शुल्क, खर्च में कटौती और कर संहिता में बदलावों जैसे उपाय एक बड़ा राजनीतिक जोखिम पैदा कर सकते हैं।फायरहाउस स्ट्रैटेजीज के रिपब्लिकन रणनीतिकार एलेक्स कॉनेंट ने कहा, ''हालांकि हम ट्रंप के कार्यकाल की शुरुआत में ही हैं, लेकिन उनका अर्थव्यवस्था पर प्रभाव असामान्य रूप से बहुत ज्यादा है।''उन्होंने कहा कि शुल्कों का महंगाई पर पूरा प्रभाव 2026 तक महसूस होगा। दुर्भाग्य से रिपब्लिकन के लिए यह चुनावी वर्ष भी है। एसोसिएटेड प्रेस-एनओआरसी सेंटर फॉर पब्लिक अफेयर्स ने जुलाई में एक सर्वेक्षण किया, जिसमें केवल 38 प्रतिशत वयस्क ही ट्रंप के अर्थव्यवस्था प्रबंधन से सहमत थे। यह संख्या ट्रंप के पहले कार्यकाल के अंत से कम है, जब आधे वयस्कों ने उनके आर्थिक नेतृत्व को स्वीकार किया था।

वास्तविक क्रांति अध्यात्म के बिना हो ही नहीं सकती : बाबा विनोबा भावे

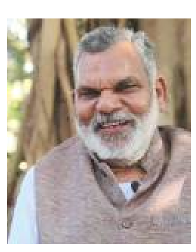

बाबा विनोबा कहते थे कि छोटे छोटे कार्यकर्ता आंदोलनों में काम तो करते हैं लेकिन उनकी उपेक्षा हद दर्जे की होती है। आज देश में उनके त्याग की अत्यधिक उपेक्षा है। तंत्र मुक्ति तथा निधि मुक्ति करने के बाद भी हमने कर्तव्य तय नहीं किया।आखिर कब तक? छोटे छोटे कार्यकर्ता अपना अपना देख लेंगे। यह कहना ठीक नहीं हुआ। बाबा की यह पीड़ा थी कि छोटे कार्यकर्ता समाज में टिकें,ऐसा हमने नहीं किया।बाबा यह भी नहीं चाहता कि खराब को हम पोषण दें। पर जो अच्छे हैं,वे तो टिके रहें। बाबा को आश्चर्य होता था कि ऐसा होने के बाबजूद भी इतनी बड़ी मात्रा में कार्यकर्ता टिके हुए है,यह आंदोलन की ही विशेषता मानी जा सकती है। बाबा बहुत दफा कहते थे कि स्वराज्य प्राप्ति के बाद ,जबकि बहुत सारे जो बुद्धिमान लोग हैं,सरकार में नौकर हो जायेंगे,तब आंदोलन में वे ही टिकेंगे ,जिनमें वैराग्य होगा, और क्रांति की भावना होगी। दोनों में से एक भी नहीं होगा तो टिकेंगे नहीं। क्रांति की भावना है और वैराग्य नहीं ,तो भी वे नौकरी में ही जाएंगे। वे मायापाश को छोड़ नहीं सकते। इसके उल्टे वैराग्य होगा और क्रांति की भावना नहीं होगी तो जंगल में चला जाएगा वहां ध्यान मनन में लग जाएगा। क्रांति की भावना नहीं वैराग्य है,उसका रास्ता उल्टा होगा। बाबा का तो जोर देकर यही कहना था कि क्रांति की भावना और वैराग्य इक्ट्ठा होंगे, वहां हमारे कार्यकर्ता टिक सकते है, और यही हमारा पाथेय है,यही संबल है। आध्यात्मिक वृत्ति के बिना क्रांति की भावना रखनेवाले भी बाबा के काम में नहीं टिकेंगे। ठीक उसी प्रकार आध्यात्मिक वृत्तिवाले भी क्रांति की भावना के बिना इस काम में नहीं टिकेंगे। दोनों भावनाएं जिसमें होंगी वही यहां टिकेगा। क्रांति की वृत्ति और आध्यात्मिक वृत्ति इसकी जो हम विश्लेषणात्मक भाषा बोलते हैं वह ठीक नहीं होती। समझने की बात तो यह है कि वास्तविक क्रांति अध्यात्म के बिना हो ही नहीं सकती। वास्तविक अध्यात्म छुट पुट सामाजिक सुधार से संतुष्ट ही नहीं हो सकता। वह तो समूची क्रांति की बात ही सोच सकता है। दोनों भावनाएं होने पर ही जड़मूल से क्रांति हो सकती है। भारत में ऊंचे ऊंचे पहाड़ हो गए।बहुत ऊंचे एवरेस्ट हो गए। बहुत ऊंचे मनुष्य भी हो गए लेकिन जनता का लेवल नीचे ही रहा। बाबा को पहाड़ जैसा ऊंचा होने में सुख नहीं दिखा,बल्कि मेरी मिट्टी आसपास की जमीन पर फैल जाए,बाबा को इसी में आनंद है। इसीलिए बाबा निरंतर कहते थे कि आगे आने वाला युग नेतृत्व का न होकर गणसेवकत्व का है। इसलिए समाज में एक ऊंचा मनुष्य हो और बाकी सब लोग नीचे हों,उस मनुष्य की ही जय जयकार चले और उसके कारण और लोगों का उत्थान न हो, यह समाज के लिए न तो पर्याप्त है और न उचित। उचित तो यही होगा कि सारे समाज को ऊपर उठाना होगा। भले ही सब उतना न उठ पाएं लेकिन फिर भी उनकी शक्ति बढ़ेगी। बाबा बहुत बार कहते थे कि दुनिया में शब्द ही काम करता है।शब्द मनुष्य को प्रेरणा देते हैं और उनसे काम करवा लेते है ।जैसे क्विट इंडिया_ एक शब्द चल पड़ा,और काम हो गया। हर युग का शब्द मनुष्य को मिलता है। जिससे पूरी मानवता प्रेरित होती है। बाबा कहते थे इसी प्रकार का एक शब्द गणसेवकत्व भी है। वह शब्द अर्थबहुल है,अर्थघन है। पुराने जमाने में एक से बढ़कर एक नेता हो गए। भारत में उच्च कोटि के नेता हो गए। आखिरी नेता पंडित नेहरू माने जाए और फिर यह खाता समाप्त किया जाए। बाबा ने कहा कि ! नेतृत्व_ खाता समाप्तम! इसके आगे महापुरुष नहीं होंगे , ऐसी बात बिल्कुल नहीं। बल्कि बाबा का मानना है कि उससे ज्यादा महान पुरुष हो सकते हैं। लेकिन बाबा ने स्थितप्रज्ञ दर्शन में लिख रखा है कि इस जमाने के स्थितप्रज्ञ पुराने जमाने के स्थितप्रज्ञ से आगे होंगे। बाबा तो यही कहना चाहता है कि अब नेतृत्व के दिन समाप्त हुए। अब हम और आप कंधे से कंधा मिलाकर, भाई भाई के नाते, मित्र मित्र के नाते मिलकर काम करें। आपस में खूब प्रेम हो,स्नेह हो,हर एक के पास जो सत्य है ,उस सत्य का अंश ग्रहण किया जाए। हम सारे सेवक हैं और हम सारे गुण दोष से भरे हुए हैं,लेकिन हम लोगों में एक सूत्र है,एक स्नेह सूत्र पिरोया हुआ है। ऐसा होना चाहिए। दिमाग अनेक हों तो हर्ज नहीं,लेकिन दिल एक होना चाहिए। यही गण सेवकत्व की कसौटी है। किसी एक व्यक्ति के हृदय में विशेष विचारों का दर्शन ईश्वरीय योजना के अनुसार होता है वह आगे भी होता रहेगा।लेकिन एक दर्शन के साथ कोई एक नेतृत्व भी होना चाहिए। अभी तक यह परंपरा रही लेकिन अब परंपरा को बदलकर बाबा मित्र समाज बनाना चाहते हैं।इसलिए नेतृत्व की आवश्यकता समाप्त करने की प्रक्रिया बाबा खोज रहे हैं। क्योंकि नेतृत्व निरसन के बिना स्वतंत्र बुद्धि पनपेगी नहीं। बाबा कहते थे अंत तक जो लोग स्थूल कार्य में फंसे रहते हैं,उनकी बहुत बुरी दशा होती है। देश में स्वतंत्र बुद्धि पनपती ही नहीं।बाबा इसीलिए जाहिर सभा में अब नहीं बोलता। व्यक्तिगत बातचीत करता है वह भी बहुत सीमित किया है। पत्र_ व्यवहार भी बंद किया है। बाबा के कहने का मतलब यह है कि अंतिम उम्र में स्थूल सार्वजनिक कार्य से भी हांथ खींच लेना चाहिए।

मेदवेदेव के बयानों के बाद ट्रंप ने अमेरिकी परमाणु पनडुब्बियों की जगह बदलने का आदेश दिया

वाशिंगटन, (एपी) अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव के 'बेहद भड़काऊ बयानों' के बीच दो अमेरिकी परमाणु पनडुब्बियों को स्थानांतरित करने का आदेश दिया है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच पर एक पोस्ट में कहा कि मेदवेदेव के 'बेहद भड़काऊ बयानों' के आधार पर उन्होंने उचित क्षेत्रों में दो परमाणु पनडुब्बियों को तैनात करने का आदेश दिया है।राष्ट्रपति ने कहा, ''बयान बहुत महत्वपूर्ण होते हैं और कभी-कभी यह अनचाहे दुष्परिणामों की ओर ले जाते हैं, मैं आशा करता हूं कि मेदवेदेव के बयानों से ऐसा न हो।''दरअसल ट्रंप ने बृहस्पतिवार तड़के एक पोस्ट में मेदवेदेव को ''रूस का नाकाम पूर्व राष्ट्रपति'' बताया था। इसके कुछ घंटे बाद मेदवेदेव ने जवाब देते हुए कहा, ''रूस हर मामले में सही है और अपने रास्ते पर चलता रहेगा।''दोनों देशों के बीच जुबानी जंग की शुरुआत इस हफ्ते हुई थी, जब मेदवेदेव ने लिखा, "ट्रंप रूस के साथ अल्टीमेटम गेम खेल रहे हैं। उन्हें दो बातें याद रखनी चाहिए: 1. रूस इजराइल या ईरान नहीं है। 2. हर नया अल्टीमेटम एक खतरा है और युद्ध की ओर ले जाने वाला एक कदम है। रूस और यूक्रेन के बीच नहीं, बल्कि उनके अपने देश (अमेरिका) के साथ।"

ट्रंप व्हाइट हाउस से रवाना हो रहे थे, तब उनसे पूछा गया कि पनडुब्बियों का स्थान कहां बदला गया है तो उन्होंने कोई जानकारी नहीं दी। ट्रंप ने कहा, "हमें ऐसा करना ही था। हमें बस सावधान रहना होगा। धमकी दी गई थी। हमें लगा कि यह उचित नहीं है, इसलिए मुझे बहुत सावधान रहना होगा।" ट्रंप ने यह भी कहा, "मैं ऐसा अपने लोगों की सुरक्षा के लिए कर रहा हूं। हम पूरी तरह से तैयार हैं।" व्लादिमीर पुतिन पर तीसरी बार चुनाव लड़ने पर रोक लगने के बाद मेदवेदेव 2008 से 2012 तक रूस के राष्ट्रपति रहे थे।

सीसीआई ने गूगल के खिलाफ एडीआईएफ की शिकायत स्वीकार की, व्यापक जांच के आदेश दिए

नयी दिल्ली,(भाषा) निष्पक्ष व्यापार नियामक भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने अलायंस ऑफ डिजिटल इंडिया फाउंडेशन (एडीआईएफ) द्वारा दायर एक शिकायत पर ऑनलाइन डिस्प्ले विज्ञापन बाजार में गूगल के आचरण की विस्तृत जांच का आदेश दिया है। इस शिकायत को इसी तरह के मामलों में चल रही जांच के साथ जोड़ने का फैसला किया है।

रजनीकांत बोरेले का शक्कर तोल और सत्कार समारोह भव्य रूप से संपन्न

पांढरकवड़ा (सेवानगर, जरंग) — नागपंचमी के पावन अवसर पर नागदेवता तीर्थक्षेत्र मंदिर में स्वतंत्र संचालक, समाजसेवी और व्हिसल ब्लोअर रजनीकांत डालूरामजी बोरेले के सम्मान में आयोजित शक्कर तोल और सत्कार समारोह अत्यंत भव्य और उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। यह आयोजन 29 जुलाई 2025 को मंदिर संस्थान की ओर से किया गया, जिसमें क्षेत्र भर से सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु, गणमान्य नागरिक और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित हुए।समारोह की शुरुआत पारंपरिक भजन-कीर्तन और बैंड-बाजों की मंगल ध्वनि के साथ हुई।

उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच एक विशेष ऊर्जा और उत्साह का संचार देखा गया। इस शुभ अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष विठ्ठल राऊत ने रजनीकांत बोरेले का विधिवत स्वागत किया। उन्हें सम्मानस्वरूप वस्त्र, टोपी, फूलमाला और श्रीफल भेंट कर सत्कार किया गया।

इसके साथ ही दत्ताजी महाराज लेनगुरे (आळंदिकर), पूर्व सैनिक अनिल पोले, राजू काका बोरेले, रामू चौधरी और अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष जान मोहम्मद जीवानी का भी सम्मान किया गया।कार्यक्रम में बोलते हुए पूर्व सैनिक अनिल पोले और कीर्तनकार दत्ताजी लेनगुरे ने बोरेले के सामाजिक और धार्मिक योगदान की प्रशंसा करते हुए उन्हें वर्तमान समय का प्रेरणास्रोत बताया। रजनीकांत बोरेले ने अपने भावनात्मक संबोधन में अपने संघर्ष, समाज सेवा, नागदेवता मंदिर की सांस्कृतिक विरासत और भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलनों की चर्चा की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, "गुड़ तुला, लड्डू तुला और अब शक्कर तुला — यह मेरे जीवन की साधना का प्रतीक है। यह सम्मान मेरे कार्य की स्वीकार्यता और समाज का प्रेम दर्शाता है।"इसके पश्चात समारोह का सबसे प्रतीक्षित क्षण आया, जब रजनीकांत बोरेले का 79 किलोग्राम वजन तुला गया, जिसके लिए कुल 100 किलोग्राम शक्कर लाई गई थी। तुला के बाद यह शक्कर आधा-आधा किलो की पोटलियों में बाँटी गई।

सबसे पहले पाँच महिलाओं को उनके पुत्र सर्वम बोरेले के हाथों यह शक्कर ससम्मान दी गई, इसके बाद करीब 600 नागरिकों को शक्कर पोटली के साथ पुरी-भाजी, रवा शिरा और चने का विशेष भोजन परोसा गया।इस आयोजन के दौरान कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी, जिसे घाटंजी पुलिस स्टेशन की टीम ने ठाणेदार ठाकरे के निर्देशन में संभाला।

मंदिर समिति ने इस सहयोग के लिए पुलिस विभाग का विशेष आभार प्रकट किया। उल्लेखनीय है कि हाल ही में संपन्न हुए कृषि उपज बाजार समिति के चुनाव में रजनीकांत बोरेले ने भाजपा और कांग्रेस दोनों के प्रत्याशियों को पराजित कर स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में ऐतिहासिक जीत हासिल की थी।

उसी विजय की खुशियाँ अब विभिन्न स्वरूपों में व्यक्त की जा रही हैं — कभी लड्डू तुला, कभी शक्कर तुला।जब कार्यक्रम अपने चरम पर था, तब उपस्थित लोगों के बीच यह चर्चा जोर पकड़ रही थी कि "अब अगला तुला किस चीज़ में और कब होगा?" इस चर्चा ने यह स्पष्ट कर दिया कि रजनीकांत बोरेले समाज में एक ऐसे जननायक के रूप में स्थापित हो चुके हैं, जिनका सम्मान किसी दल की सीमा में नहीं बँधा है।समारोह के आयोजन में विठ्ठल राऊत, वासुदेव राठोड़, संजय जाधव, अनिल पोले, तुकाराम गमे, गजानन भोगेकर, नागोराव राठोड़, मुकेश राठोड़, संतोष राऊत, नंदू चौधरी, भास्कर खुरसाने, दिनेश राठोड़, रावी चौधरी, सुनील परखी समेत अनेक स्वयंसेवकों का योगदान उल्लेखनीय रहा।

साथ ही नीताबहन मडावी (बोरेले), शुभम और शिवम लक्ष्मीकांत बोरेले, स्मित झाझरिया, शुभम केलापुरे तथा सर्वम बोरेले की उपस्थिति ने आयोजन को और भी गरिमा प्रदान की।यह कार्यक्रम न केवल एक व्यक्ति के सत्कार का प्रतीक था, बल्कि सामाजिक एकजुटता, परंपरा और सार्वजनिक सम्मान की मिसाल भी बन गया। इस आयोजन ने यह सिद्ध कर दिया कि जब सेवा और संघर्ष को समाज पहचानता है, तो सम्मान भी जन-जन की भावना बन जाता है।

एसआईआर के दौरान आयोग के निर्देशों का पालन नहीं किया गया, मुद्दे को लेकर सड़क पर उतरेंगे : संजय यादव

नयी दिल्ली, (भाषा) राष्ट्रीय जनता दल के राज्यसभा सदस्य संजय यादव ने कहा कि बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से नहीं की गई और निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पालन नहीं किया गया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि राष्ट्रीय जनता दल और अन्य विपक्षी दल इस मुद्दे को लेकर सड़क पर उतरेंगे।

यादव ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि इस मुद्दे पर उनकी पार्टी को जनता का समर्थन प्राप्त है और विपक्षी दल इस प्रक्रिया के खिलाफ अपनी लड़ाई में पीछे नहीं हटेंगे।

यादव ने कहा, ''अगर निर्वाचन आयोग हमारी बात नहीं सुनता है, तो हम जनता के पास जायेंगे। अगर आप लोगों को लोकतंत्र से हटा देंगे, तो क्या बचेगा।''

राजद नेता ने आरोप लगाया, ''ज़मीनी स्तर से हमें जो जानकारी मिली है, वह यह है कि एसआईआर प्रक्रिया में कोई पारदर्शिता नहीं थी, और निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पालन नहीं किया गया।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''पहले 20 दिनों तक बूथ पर कोई बूथ-स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) नहीं थे, बीएलओ द्वारा बहुत कम प्रत्यक्ष दौरे किए गए और बहुत कम सत्यापन किए गए। उन्होंने केवल मतदाता सूची डाउनलोड की और बिना किसी दस्तावेज के झूठे और फर्जी हस्ताक्षर वाले फॉर्म अपलोड किए।''

यादव ने आयोग द्वारा दिए गए मृत्यु के आंकड़ों पर भी सवाल उठाया।

राजद नेता ने कहा, ''अक्टूबर से जनवरी तक संक्षिप्त संशोधन हुआ, उस दौरान भी 4.5 लाख नाम हटाए गए। कुछ लोग ऐसे भी थे, जो मर गए या स्थानांतरित हो गए।'' उन्होंने कहा, ''अब पाँच महीने बाद, वे कह रहे हैं कि 25 लाख और लोग मृत पाए गए हैं, इतने सारे लोग स्थानांतरित हो गए हैं... हमें प्रक्रिया से कोई समस्या नहीं है, लेकिन क्या ये आंकड़े रिकॉर्ड से मेल खाते हैं।''

सांसद ने कहा, ''क्या बिहार के जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रार ने कहा है कि पिछले पांच-छह महीनों में इतने लोगों की मृत्यु हुई है।'' उन्होंने कहा कि मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) में यह प्रावधान था कि बीएलओ मतदाताओं के घर तीन बार जायेंगे।

उन्होंने कहा, ''क्या बीएलओ ने मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार घर का दौरा किया? क्या आपने नाम हटाने से पहले व्यक्ति को सूचना दी थी। हमारे मन में कुछ शंकायें, चिंता और सुझाव थे।''' उन्होंने निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य में बीएलओ द्वारा विदेशी नागरिकों को ढूंढ़ने के दावों पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा, ''निर्वाचन आयोग ने उच्चतम न्यायालय में 700 से ज़्यादा पन्नों का हलफ़नामा दिया है। उन्होंने एक भी जगह किसी बांग्लादेशी या रोहिंग्या का ज़िक्र नहीं किया है।'' उन्होंने कहा, ''अगर कोई है भी, तो आप पिछले 20 वर्षों से बिहार में और 11 वर्षों से केंद्र में सत्ता में हैं। आप इसके लिए ज़िम्मेदार हैं।''

यादव ने यह भी कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव समेत पिछले सभी चुनाव इसी मतदाता सूची के आधार पर हुए थे। उन्होंने कहा, ''पिछले 20 वर्षों में सभी चुनाव इसी मतदाता सूची के आधार पर हुए हैं, इसलिए अगर कोई ज़िम्मेदार है, तो वह सरकार है।'' उन्होंने कहा, ''अगर कोई विदेशी नागरिक हमारे देश में मतदाता बनता है, तो यह राज्य और केंद्र सरकार की पूरी तरह से विफलता है। यह आपके शासन की पूरी तरह से विफलता और पतन है, विपक्ष की नहीं।''

दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में दुकानदार को गोली मारी

नयी दिल्ली, दो अगस्त (भाषा) दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में कुछ लोगों द्वारा कथित तौर पर की गई गोलीबारी में एक दुकान का मालिक गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, निजामुद्दीन पुलिस थाने को शुक्रवार रात 10 बजकर आठ मिनट पर पीसीआर कॉल के माध्यम से गोलीबारी की सूचना मिली। यह घटना किबला परफ्यूम्स नामक एक दुकान के बाहर हुई जिसे पीड़ित फुरकान और उसके दो भाई वसीम (33) और अब्दुल खालिद (30) चलाते हैं। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया कि रात करीब 10 बजे उनका पूर्व किरायेदार एहसान कुछ लोगों के साथ दुकान पर आया और वसीम से झगड़ा करने लगा। इसी दौरान, उनमें से एक ने पिस्तौल निकालकर तीन गोलियां चलाईं जिनमें से एक गोली फुरकान के पैर में लगी। उसे तुरंत एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया जहां उसका इलाज किया जा रहा है।

दिल्ली के वसंत विहार में महिला को गोली मारी गई, दो गिरफ्तार

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली के वसंत विहार इलाके में एक महिला को गोली मारने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों के अनुसार, पीड़िता ने वर्ष 2024 में एक आपराधिक मामला दर्ज कराया था। उस मामले में शामिल व्यक्ति, महिला को गोली मारने वालों में से एक है।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान अबुजैर साफी (30) और अमन शुक्ला के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि यह घटना 30 जुलाई को हुई, जब महिला ऑटो-रिक्शा में यात्रा करते समय फोन पर बात कर रही थी।

पुलिस के अनुसार, काले रंग की मोटरसाइकिल पर सवार दो युवक पीछे से आए और ''अबुजैर ने कथित रूप से गोली चलाई, जो महिला के सीने में लगी।''

पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और वहां एक ऑटो-रिक्शा खड़ा मिला।

ऑटो-चालक रंजीत यादव ने बताया कि एक महिला यात्री को गोली लगी है। महिला को पीसीआर वैन से एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया।

पीड़िता बसंत लोक में एक सैलून में मुख्य प्रबंधक के पद पर कार्यरत है और उसका इलाज किया जा रहा है। महिला के बयान के आधार पर वसंत विहार थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 109(1) (हत्या की कोशिश) और 3(5) (साझा मंशा) तथा शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि साफी 2024 में दर्ज एक आपराधिक मामले में संलिप्त है, जिसकी शिकायत पीड़िता ने की थी।

पुलिस ने बताया कि तकनीकी निगरानी, सीसीटीवी फुटेज की जांच और सोशल मीडिया के जरिए पुलिस ने पहले 31 जुलाई को अमन शुक्ला को गिरफ्तार किया और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की।

अधिकारी ने बताया कि इसके बाद, एक अगस्त को मुख्य आरोपी अबुजैर साफी को गिरफ्तार किया गया और अपराध में प्रयुक्त हथियार भी बरामद कर लिया गया। मामले की आगे की जांच जारी है।

न्यायमूर्ति मनमोहन ने दिव्यांग लोगों के अधिकारों को लेकर जागरूकता फैलाने का आह्वान किया

नयी दिल्ली, (भाषा) उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश मनमोहन ने दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों के बारे में संवेदनशीलता और जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता पर शनिवार को प्रकाश डाला।

न्यायमूर्ति मनमोहन ने कहा कि अदालतों ने दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकारों से संबंधित मुद्दों पर निर्णय दिये हैं और आगे भी देंगे, लेकिन राज्य के अन्य अंगों को भी इस मुद्दे पर आगे आना होगा।

न्यायमूर्ति मनमोहन 'जजिंग एंड लायरिंग एट द मार्जिंस डिसेबिलिटी राइट्स एंड बियॉन्ड' विषय पर यहां आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। यह सम्मेलन न्यायमूर्ति सुनंदा भंडारे फाउंडेशन द्वारा काबल के सहयोग से आयोजित किया गया।

निर्णयों के क्रियान्वयन से संबंधित मुद्दे के बारे में पूछे जाने पर न्यायमूर्ति मनमोहन ने कहा, ''समय की मांग संवेदनशीलता और जागरूकता पैदा करने की है। मेरा मानना है कि अधिनियम के बारे में, उपलब्ध अधिकारों के बारे में जितनी अधिक जागरूकता होगी, उतना ही अधिक समाज समझेगा, उतना ही अधिक अदालतें समझेंगी और इससे अधिक अनुपालन सुनिश्चित होगा।''

उन्होंने अदालती फैसलों के अनुपालन के लिए अदालत द्वारा निरंतर निगरानी के मुद्दे पर भी बात की।

न्यायमूर्ति मनमोहन ने कहा, ''अदालतों के पास जो मामलों की सूचियां हैं वह पहले से ही भरी हुई हैं और यह कहना कि अदालत इस मुद्दे को उठाएगी और इसे पूर्ण प्राथमिकता देगी -यह वास्तव में संभव नहीं है, क्योंकि अदालतें हर दिन कई जटिल मामलों से निपट रही हैं।''

उन्होंने कहा कि इन बाधाओं को ध्यान में रखते हुए यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि राज्य के अन्य अंग भी आगे आएं और अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार पाने से अभिभूत हूं: शाहरुख खान

नयी दिल्ली, (भाषा) अभिनेता शाहरुख खान ने कहा है कि 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता चुने जाने के बाद वह 'कृतज्ञता, गर्व और विनम्रता महसूस कर रहे' हैं। तीन दशक से ज्यादा के करियर में पहली बार उन्हें यह पुरस्कार मिला है। शुक्रवार को 'इंस्टाग्राम' पर एक वीडियो संदेश में शाहरुख (59) ने कहा कि राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार उन्हें याद दिलाता है कि उनका काम मायने रखता है और 'आगे बढ़ते रहने, कड़ी मेहनत करने, कुछ नया करते रहने और सिनेमा की सेवा' के लिए प्रोत्साहित करता है। शाहरुख को फिल्म निर्माता एटली की फिल्म 'जवान' (2023) में उनके प्रदर्शन के लिए '12वीं फेल' के अभिनेता विक्रांत मैसी के साथ यह पुरस्कार दिया गया है। दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस पर 1,100 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई करने वाली फिल्म 'जवान' में शाहरुख ने सैन्य अधिकारी विक्रम राठौर व उनके बेटे आजाद की दोहरी भूमिका निभाई थी।

न्यायालय ने दाम्पत्य जीवन फिर से शुरू करने की शर्त पर अग्रिम जमानत संबंधी आदेश को खारिज किया

नयी दिल्ली, (भाषा) उच्चतम न्यायालय ने झारखंड उच्च न्यायालय के उस आदेश को खारिज कर दिया है जिसमें एक व्यक्ति को इस शर्त पर अग्रिम जमानत दी गई थी कि वह अपनी पत्नी के साथ दाम्पत्य जीवन जारी रखेगा तथा उसका सम्मान और गरिमा के साथ भरण-पोषण करेगा।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा कि वह व्यक्ति तत्कालीन भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं और दहेज निषेध अधिनियम, 1961 के तहत दर्ज मामले में आरोपी है।

पीठ ने 29 जुलाई के अपने आदेश में कहा, ''अपीलकर्ता की गिरफ्तारी-पूर्व जमानत के आवेदन पर विचार करते समय, न्यायालय को यह आकलन करना चाहिए था कि क्या अपीलकर्ता द्वारा गिरफ्तारी-पूर्व जमानत के लिए मांगी गई राहत तय मापदंडों के भीतर दी जानी चाहिए... लेकिन इस न्यायालय के कई निर्णयों के मद्देनजर हमारे समक्ष रखी गई शर्त नहीं लगाई जानी चाहिए थी।''

इसने कहा कि उच्च न्यायालय को गिरफ्तारी-पूर्व जमानत के अनुरोध पर पूरी तरह से उसके गुण-दोष के आधार पर विचार करना चाहिए था, न कि कोई शर्त लगानी चाहिए थी, जो पूर्ववर्ती दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 438(2) से संबद्ध नहीं है।

उच्चतम न्यायालय ने यह आदेश उच्च न्यायालय के फरवरी 2025 के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर पारित किया, जिसमें इस शर्त पर गिरफ्तारी पूर्व जमानत का अनुरोध स्वीकार किया गया था कि व्यक्ति अपनी पत्नी के साथ दाम्पत्य जीवन फिर से शुरू करेगा और उसे अपनी पत्नी के रूप में सम्मान देगा।

उच्चतम न्यायालय में सुनवाई के दौरान महिला की ओर से पेश वकील ने कहा कि पुरुष ने महिला के साथ मिलकर उच्च न्यायालय में संयुक्त रूप से कहा था कि वह अपना दाम्पत्य जीवन फिर से शुरू करने को तैयार है।

पीठ ने कहा कि वकील इस मायने में आंशिक रूप से सही थे कि व्यक्ति वास्तव में दाम्पत्य जीवन फिर से शुरू करने के लिए सहमत हो गया था।

न्यायालय ने कहा कि यदि इस आधार पर जमानत रद्द करने के लिए आवेदन किया जाता है कि ऐसी शर्त का पालन नहीं किया गया है, तो बाद में आवेदन करने पर व्यक्ति की ओर से विरोध किया जाएगा और इससे उच्च न्यायालय को और अधिक कठिनाई हो सकती है।

पीठ ने कहा, ''तदनुसार, निर्णय और आदेश रद्द किया जाता है। अपील स्वीकार की जाती है।''

इसने अग्रिम जमानत याचिका को उच्च न्यायालय की फाइल पर बहाल कर दिया और उसे यथाशीघ्र, इसके गुण-दोष के आधार पर नए सिरे से निर्णय लेने को कहा।

पीठ ने कहा कि जब तक उच्च न्यायालय द्वारा मामले पर अंतिम निर्णय नहीं हो जाता, तब तक शीर्ष अदालत द्वारा व्यक्ति को दिया गया अंतरिम संरक्षण जारी रहेगा।

इससे पहले पारित अपने अंतरिम निर्देश में उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि मामले के संबंध में व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा, बशर्ते कि जांच अधिकारी द्वारा बुलाए जाने पर वह जांच में शामिल हो।

नामी कंपनियों की नकली जींस बनाने और बेचने के आरोप में तीन गिरफ्तार

नयी दिल्ली, (भाषा) बाहरी दिल्ली के सुल्तानपुरी इलाके में कई प्रतिष्ठित ब्रांड की नकली जींस बनाने और बेचने के आरोप में तीन दुकानदारों को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि आरोपियों की पहचान शरीफ (29), जावेद (35) और सलमान (29) के रूप में हुई है। पुलिस उपायुक्त (बाहरी), सचिन शर्मा ने एक आधिकारिक बयान में कहा, ''यह कार्रवाई 30 जुलाई को 'मेसर्स नेत्रिका कंसल्टिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड' के एक प्रतिनिधि द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत पर की गई। यह कंपनी 'लेवी स्ट्रॉस एंड कंपनी', 'डीकेएच रिटेल लिमिटेड' (सुपरड्राई), 'केल्विन क्लेन', 'ह्यूगो बॉस' और 'जारा' की अधिकृत प्रतिनिधि है।''

उन्होंने बताया कि शिकायत में आरोप लगाया गया था कि किराड़ी सुलेमान नगर और उसके आसपास के इलाकों में इन ब्रांड्स के लोगो और ट्रेडमार्क वाली नकली जींस तैयार की जा रही थी और बेची जा रही थी

शर्मा ने बताया कि पुलिस ने तीन परिसरों - ए-135 हरि एन्क्लेव, किराड़ी सुलेमान नगर में मुन्नी वाली गली और किराड़ी सुलेमान नगर में बी-ब्लॉक संपत्ति की पहली मंजिल पर लगातार छापे मारे।

उन्होंने कहा, ''बाहरी जिले की जिला जांच इकाई (डीआईयू) द्वारा की गई समन्वित छापेमारी के दौरान तीन अलग-अलग स्थानों से कुल 684 नकली जींस, 350 लेवाइस के लेबल और अवैध संचालन में इस्तेमाल की जाने वाली तीन सिलाई मशीनें जब्त की गईं।''

तीनों आरोपी अपने-अपने ठिकानों पर मौजूद थे और ब्रांडेड उत्पादों के वैध दस्तावेज दिखाने में नाकाम रहे।

पुलिस ने बताया कि सुल्तानपुरी थाने में ट्रेडमार्क अधिनियम की धारा 103 और 104 के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और जब्त सामग्री को आगे की जांच के लिए भेज दिया गया है।

निजी विद्यालयों में फीस वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए विधेयक पेश करेगी दिल्ली सरकार: रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कहा कि सरकार निजी विद्यालयों में फीस वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए विधानसभा के आगामी मानसून सत्र में एक विधेयक पेश करेगी।

29 अप्रैल को जारी कैबिनेट अनुमोदित अध्यादेश के अनुसार विधेयक में मनमाने ढंग से फीस बढ़ाने वाले विद्यालयों पर कठोर दंड लगाने का प्रावधान है।

पहली बार उल्लंघन पर विद्यालयों पर एक लाख रुपये से लेकर पांच लाख रुपये और उसके बाद के उल्लंघन पर दो लाख रुपये से लेकर 10 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके अनुसार यदि स्कूल निर्धारित समय सीमा के अंदर पैसे वापस नहीं करता है, तो 20 दिन बाद जुर्माना दोगुना, 40 दिन बाद तिगुना और हर 20 दिन की देरी के साथ बढ़ता रहेगा।

अध्यादेश के अनुसार बार-बार उल्लंघन पर स्कूल प्रबंधन में आधिकारिक पद धारण करने पर प्रतिबंध लग सकता है और भविष्य में शुल्क संशोधन का प्रस्ताव देने का अधिकार भी छिन सकता है।

गुप्ता ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, ''दिल्ली सरकार चार अगस्त से शुरू हो रहे विधानसभा के मानसून सत्र में निजी विद्यानयों में फीस वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए शिक्षा विधेयक पेश करेगी।''

उन्होंने अन्य नीतिगत कदमों पर प्रकाश डालते हुए घोषणा की कि दिल्ली विधानसभा अब कागज रहित ई-विधानसभा के तौर पर काम करेगी। उन्होंने कहा, ''खुशी की बात है कि दिल्ली विधानसभा अब कागज रहित होगी। हमने विधानसभा को एक आदर्श विधानसभा के रूप में भी विकसित किया है, क्योंकि अब यह पूरी तरह से सौर ऊर्जा पर निर्भर है।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के व्यापक डिजिटल और सतत शासन एजेंडे के तहत, दिल्ली सचिवालय को कागज रहित बनाने के प्रयास भी जारी हैं। उन्होंने कहा, ''हम दिल्ली को विकसित बनाने के लिए नीतिगत निर्णय ले रहे हैं।''

रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली सरकार के तहत यह मानसून सत्र दिल्ली विधानसभा का तीसरा सत्र होगा।

पूर्व प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने सरकारी आवास खाली किया

नयी दिल्ली, (भाषा) भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने राष्ट्रीय राजधानी स्थित न्यायपालिका के प्रमुख का आधिकारिक आवास खाली कर दिया है।

भारत के 50वें प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ आठ नवंबर, 2024 को सेवानिवृत्त हो गए थे। हाल में, नयी दिल्ली के 5, कृष्ण मेनन मार्ग स्थित प्रधान न्यायाधीश के आधिकारिक आवास पर उनके निर्धारित समय से अधिक वक्त तक रहने को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया था।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने सात जुलाई को 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा था कि सामान बांध लिया गया है और वह अपनी पत्नी व बच्चों के साथ जल्द ही किराये पर सरकारी आवास में चले जाएंगे। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़, उनकी पत्नी कल्पना और बेटियां प्रियंका और माही पांच कृष्ण मेनन मार्ग, नयी दिल्ली स्थित प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) के आधिकारिक आवास में रह रहे थे। प्रियंका और माही दोनों दिव्यांग हैं।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने बंगले में निर्धारित समय से अधिक वक्त तक रहने के कारणों को विस्तार से बताते हुए कहा था, ''हमने वास्तव में अपना सामान बांध लिया है। हमारा सामान पहले ही पूरी तरह बांधा जा चुका है। कुछ सामान पहले ही नए घर में भेज दिया गया है और कुछ यहां भंडार कक्ष में रखा हुआ है।''

वह सरकारी बंगले में कथित तौर पर निर्धारित अवधि से अधिक समय तक रहने के संबंध में उच्चतम न्यायालय प्रशासन द्वारा केन्द्र सरकार को भेजे गए पत्र का जवाब दे रहे थे।

पूर्व प्रधान न्यायाधीश ने विवाद पर दुख जताया था और अपनी बेटियों की चिकित्सा स्थिति का हवाला दिया था, जिन्हें 'व्हीलचेयर' अनुकूल घर की आवश्यकता थी।

घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा था कि सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना से बात की थी, जो उनके उत्तराधिकारी बने थे, और उन्हें बताया था कि उन्हें 14, तुगलक रोड स्थित बंगले में लौटना है, जहां वह प्रधान न्यायाधीश बनने से पहले रहते थे।

न्यायमूर्ति खन्ना ने हालांकि न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ को प्रधान न्यायाधीश के बंगले में ही रहने को कहा था, क्योंकि न्यायमूर्ति खन्ना आधिकारिक आवास में नहीं रहना चाहते थे।

उच्चतम न्यायालय प्रशासन ने एक जुलाई को केंद्र को पत्र लिखकर कहा था कि न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ सीजेआई बंगले में अनुमति प्राप्त अवधि से अधिक समय तक रहे हैं और उसने संपत्ति खाली कराने की मांग की थी।

बिजली क्षेत्र में उत्सर्जन से निपटने की योजना पर चर्चा के लिए हितधारक एक मंच पर आएं : न्यायालय

नयी दिल्ली, (भाषा) उच्चतम न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया है कि बिजली उत्पादन से उत्पन्न कार्बन उत्सर्जन के मुद्दे पर विचार-विमर्श करने, योजना बनाने और उसे लागू करने के लिए सभी हितधारकों को एक ही मंच पर आना चाहिए।

शीर्ष अदालत ने विद्युत मंत्रालय को निर्देश दिया कि वह विद्युत उत्पादन क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के संबंध में कार्ययोजना पर चर्चा करने के लिए केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण और केंद्रीय विद्युत विनियामक आयोग के साथ एक संयुक्त बैठक बुलाए।

न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर की पीठ ने कहा कि यह सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है कि नीति निर्माता जमीनी हकीकत और नियामक एवं कार्यान्वयन तंत्र की कठिनाइयों से अवगत हों।

पीठ ने 22 जुलाई के अपने आदेश में कहा, ''बिजली उत्पादन से उत्पन्न कार्बन उत्सर्जन के मुद्दे को हल करने के लिए, हम यह आवश्यक समझते हैं कि सभी हितधारकों को अल्पकालिक व दीर्घकालिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के वास्ते व्यवस्थित एवं सुसंगत तरीके से योजना पर चर्चा और कार्यान्वयन के लिए एक ही मंच पर होना चाहिए।''

न्यायालय ने यह आदेश राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के एक आदेश से उत्पन्न याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया।

एनजीटी ने यह आदेश उस आवेदन पर दिया जिसमें पर्यावरणीय मंजूरी प्रदान करने के लिए परियोजनाओं का मूल्यांकन करते समय जलवायु संबंधी मुद्दों का आकलन करने के निर्देश देने का अनुरोध किया गया था।

अपने आदेश में, उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण और केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग को मामले में प्रतिवादी के रूप में पक्षकार बनाने के बाद नोटिस जारी किए।

निर्वाचन आयोग ने बूथ स्तर के अधिकारियों का वार्षिक पारिश्रमिक दोगुना कर 12,000 रुपये किया

नयी दिल्ली, (भाषा) निर्वाचन आयोग ने शनिवार को कहा कि उसने मतदाता सूची तैयार करने में मदद करने वाले बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) का वार्षिक पारिश्रमिक दोगुना कर दिया है।

बूथ स्तर पर मतदाता सूची तैयार करने और उसे अद्यतन करने में निर्वाचन आयोग की मदद करने वाले बीएलओ को 2015 से उनके काम के लिए 6,000 रुपये सालाना मिल रहे थे। अब यह राशि 12,000 रुपये सालाना की गई है।

बीएलओ ज्यादातर शिक्षक या राज्य सरकार के अन्य कर्मचारी होते हैं जो अपने संबंधित बूथ में मतदाताओं के नाम जोड़ने या हटाने का काम करते हैं।

निर्वाचन आयोग के नए नियमों के अनुसार, एक बूथ पर 1,200 से ज़्यादा मतदाता नहीं होंगे। इसके अलावा, आयोग ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के लिए बीएलओ को 6,000 रुपये की विशेष प्रोत्साहन राशि देने को भी मंजूरी दी है। इसकी शुरुआत बिहार से होगी, जहां यह कवायद जारी है।

निर्वाचन आयोग ने कहा कि उसने बीएलओ पर्यवेक्षकों का पारिश्रमिक भी वर्तमान 12,000 रुपये प्रति वर्ष से बढ़ाकर 18,000 रुपये प्रति वर्ष कर दिया है।

अब निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) और सहायक ईआरओ (एईआरओ) को भी क्रमशः 30,000 रुपये और 25,000 रुपये प्रति वर्ष मानदेय दिया जाएगा।

मण्डलायुक्त ने सुनी समाधान दिवस में फरियादियों की फरियाद

तहसील सदर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का हुआ आयोजन

सम्बंधित अधिकारियों को शासन की मंशानुरुप शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर संज्ञान लेते हुए ससमय गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के दिए निर्देश

नेशनल एक्सप्रेस / दुष्येंद्र कुमार

बरेली,। मण्डलायुक्त सौम्या अग्रवाल की उपस्थिति में आज जनपद बरेली की तहसील सदर स्थित सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ।

मण्डलायुक्त ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में अधिकारियों की उपस्थिति को जांचते हुए बिना अनुमति गैरहाजिर होने वाले अधिकारियों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तहसील से अनुमति प्राप्त होने के उपरांत ही अपने प्रतिस्थानी अधिकारी को ही सम्पूर्ण समाधान दिवस में सम्मिलित होने के लिए भेजें। तहसील दिवस में आपूर्ति विभाग, विद्युत विभाग, कृषि विभाग, पुलिस विभाग जमीन विवाद आदि से सम्बंधित कुल 47 शिकायतें प्राप्त हुई। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को शासन की मंशानुरुप शिकायतों को प्राथमिकता स्तर पर संज्ञान लेते हुए ससमय गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में मण्डलायुक्त ने समस्त अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिस शिकायतकर्ता की शिकायत का निस्तारण किया जाये उससे दूरभाष पर वार्ता कर शिकायतकर्ता निस्तारण से संतुष्ट है या नहीं की जानकारी के उपरांत ही रिपोर्ट लगाई जाये। उन्होंने कहा कि तहसील दिवस में जो भी शिकायतकर्ता आये उसके शिकायत पत्र पर मोहर तथा पर्ची अवश्य लगायी जाये।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपजिलाधिकारी सदर प्रमोद कुमार, तहसीलदार सदर सहित सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

चोरी की अफवाहों से अचानक क्राइम ग्राफ में वृद्धि, प्रशासन परेशान

- 70 वर्षीय वृद्ध महिला से बंदूक की नोक पर चैन की लूट, पुलिस जनता द्वारा ड्रोन चोर की अफवाहों मे व्यस्त वास्तविक चोर लुटेरे हुए सक्रिय

नेशनल एक्सप्रेस

बरेली । अचानक जनपद के क्राइम ग्राफ में वृद्धि जनता द्वारा ड्रोन चोर की अफवाहों का परिचायक है जो प्रशासन के लिए भी सर दर्द साबित हो रही है।शुक्रवार सुबह पूजा करने जा रही एक बुजुर्ग महिला से दो बदमाशों ने रिवॉल्वर दिखाकर सोने की चेन लूट ली। वारदात मंदिर से महज 30 मीटर की दूरी पर हुई और पूरी घटना पास लगे उउळ्श कैमरे में कैद हो गई। बदमाश बाइक से मौके से फरार हो गए। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

क्या है पूरा मामला आपको बताते चलें।इज्जतनगर थाना क्षेत्र की शास्त्रीनगर निवासी 70 वर्षीय पुष्पा सक्सेना रोज की तरह थाना प्रेमनगर क्षेत्र के सोमनाथ मंदिर पूजा के लिए जा रही थीं। तभी मंदिर से करीब 30 मीटर पहले अचानक एक युवक उनके सामने आया, जिसने हाथ में काले रंग का रिवॉल्वर था। उसने हथियार दिखाकर पुष्पा सक्सेना की सोने की चेन लूट ली। चेन लूटने के बाद वह युवक अपने साथी के साथ, जो पहले से ही काले रंग की स्प्लेंडर बाइक पर मौजूद था, उस पर बैठकर किट्स वाली कॉलोनी की ओर भाग निकला। पीड़ित पक्ष ने बताया कि बदमाशों के चेहरे, बाइक और कपड़े सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहे हैं। पहला आरोपी नीली और सफेद चेक शर्ट, नीली जींस और स्लेटी रंग के स्पोर्ट्स शूज में। दूसरा बाइक सवार हल्की नीली जींस, लाल चप्पल और हल्के पीले रंग की हाफ टी-शर्ट पहने था, जिसके पीछे अंग्रेजी में ह्ळळ्ङ्ढ८ २ङ्क्षी ग्रीीशील्लश्ह्व लिखा था। अनुज कुमार सक्सेना ने थाना प्रेमनगर में दी गई तहरीर के साथ सीसीटीवी फोटो और वीडियो भी संलग्न किए हैं, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। प्रेमनगर पुलिस ने तहरीर के आधार पर लूट का मुकदमा दर्ज कर लिया है। थानाध्यक्ष आशुतोष रघुवंशी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। इलाके में लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

बिना अनुमति प्रदर्शन कर सड़क जाम, अटेवा पर 6 महीने का प्रतिबंध

- एम्बुलेंस फंसी, मरीजों को हुई भारी दिक्कत कानून व्यवस्था के मद्देनजर नगर मजिस्ट्रेट का कड़ा निर्णय

नेशनल एक्सप्रेस

बरेली। बुधवार को टीचर्स एम्पलाइज वेलफेयर एसोसिएशन (अटेवा) द्वारा बिना प्रशासनिक अनुमति के किया गया धरना-प्रदर्शन अब भारी पड़ गया है। कानून-व्यवस्था में बाधा डालने, एम्बुलेंस का रास्ता रोकने और सड़क जाम करने के आरोप में नगर मजिस्ट्रेट बरेली ने एसोसिएशन पर तत्काल प्रभाव से 6 महीने का प्रदर्शन प्रतिबंध लगा दिया है। टीचर्स एम्पलाइज वेलफेयर एसोसिएशन (अटेवा) के जिला संयोजक डॉ. मुनीष कुमार गंगवार (मो. 9411919363) के नेतृत्व में सेठ दामोदर स्वरूप पार्क, थाना कोतवाली क्षेत्र में शिक्षकों की भारी भीड़ जुटी। प्रदर्शनकारियों ने पुरानी पेंशन बहाली, निजीकरण पर रोक और विद्यालय मर्जर व पेयरिंग प्रक्रिया के विरोध में नारेबाजी करते हुए मुख्य मार्ग जाम कर दिया।

इस दौरान दो एम्बुलेंस मरीजों के साथ रास्ते में फंस गईं। हूटर बजते रहे, प्रशासन और राहगीर आग्रह करते रहे, लेकिन भीड़ ने रास्ता नहीं छोड़ा। मरीजों को गंभीर असुविधा झेलनी पड़ी।

प्रशासन की नाराजगी और कड़ी कार्रवाई

नगर मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने आदेश में स्पष्ट किया है कि प्रदर्शन के लिए कोई अनुमति नहीं ली गई थी। सावन माह और आगामी 15 अगस्त व उर्स जैसे आयोजनों को देखते हुए शहर की सुरक्षा पहले से संवेदनशील है।ऐसे में भीड़ जुटाकर सड़क जाम करना गंभीर लापरवाही व अनुशासनहीनता है।इन्हीं आधारों पर एसोसिएशन पर धरना-प्रदर्शन संबंधी सभी गतिविधियों पर 6 महीने का पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है।

डीएम व एसपी ने सुनी जनसमस्याएं, 21 शिकायतें दर्ज, दो का निस्तारण

- समाधान दिवस में आई जनसमस्याओं के निस्तारण में लापरवाही किसी भी स्तर से नहीं होगी बर्दाश्त :डीएम

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

अमरोहा। जनसमस्याओं के त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण की प्राथमिकता के साथ नौगांवा सादात में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिला मजिस्ट्रेट निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद की उपस्थिति में किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 21 जनशिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें 04 शिकायतें राजस्व विभाग, 07 विद्युत विभाग, 07 विकास विभाग, 01 नगर पंचायत, 01 डूडा और 01 पूर्ति विभाग से संबंधित थीं। इनमें से 02 मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि कुछ मामलों में पुलिस एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर भेजा गया। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने पूर्व तहसील दिवस में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण और फीडबैक की समीक्षा की और विद्युत संबंधी शिकायतों की बढ़ती संख्या और असंतोषजनक फीडबैक पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए अधीक्षण अभियंता को निर्देश दिए कि विद्युत संबंधी शिकायतों के निस्तारण के लिए सहायक अभियंता और अवर अभियंता की मॉनिटरिंग करें। उनके द्वारा की गई शिकायतों के निस्तारण और फीडबैक की समीक्षा की जाए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि कौन शिकायतों का उचित निस्तारण कर रहा है और उनकी कार्यशैली का मूल्यांकन हो सके। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जनता दर्शन, आईजीआरएस पोर्टल, तहसील दिवस एवं अन्य दिवसों में प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के साथ त्वरित निस्तारण करें।डीएम निधि गुप्ता वत्स ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता की समस्याओं का समाधान ही प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें कोई लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने कहा कि पुलिस अधिकारी आमजन की पुलिस संबंधी शिकायतों का उचित, गुणवत्तापूर्ण एवं शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित कराएं।संपूर्ण समाधान दिवस में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 सत्यपाल सिंह, जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, पीडी डीआरडीए अम्बरीष कुमार, उप जिलाधिकारी श्रीमती सुनीता सिंह मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ0 आभा दत्त आदि मौजूद रहे।

थाना नारखी क्षेत्र में भैंस चोरी, ग्रामीणों में रोष

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो।

फिरोजाबाद। थाना नारखी क्षेत्र अंतर्गत गांव आतीपुर में बीती रात अज्ञात लोग एक किसान की दुधारू भैंस चुरा ले गए। घटना से गांव में हड़कंप मच गया है। ग्रामीणों में रात्रि गश्त को लेकर नाराजगी देखी गई है।

जानकारी के अनुसार, नगला आतीपुर निवासी सुभाष चंद्र की भैंस बंधी थी। उठने पर जब उन्होंने देखा कि भैंस नहीं है, तो उन्होंने आसपास तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। तुरंत ही उन्होंने इसकी सूचना थाना नारखी पुलिस को दी।सुभाष चंद्र ने बताया कि यह भैंस उनके परिवार की आय का मुख्य साधन थी। भैंस दूध देने वाली थी। ग्रामीणों ने रात्रि गश्त पर सवाल उठाए। सुभाष चंद्र ने थाना नारखी में तहरीर दी है।

गलगोटिया यूनिवर्सिटी नोएडा के प्रोफेसर की उपस्थिति मे छात्रों के लिए हुआ इंडक्शन प्रोग्राम

नेशनल एक्सप्रेस/अरुण मौर्य

बरेली। संघटक राजकीय महाविद्यालय भदपुरा में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. रुद्रमन सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य नए विद्यार्थियों को महाविद्यालय की संस्कृति, नीतियों और कार्यप्रणाली से परिचित कराना है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता गलगोटिया यूनिवर्सिटी, नोएडा के प्रो. डॉ. राजीव किशोर पांडे रहे, जिन्होंने ह्यनई शिक्षा नीति 2020ह्ल पर व्याख्यान दिया और छात्रों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। वहीं, क्षेत्र के सेवानिवृत्त शिक्षक व गायत्री परिवार से जुड़े श्री महेंद्र पाल गंगवार ने विद्यार्थियों को सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों के साथ अध्ययन करने का संदेश दिया। इस अवसर पर गायत्री परिवार द्वारा पूर्व में संपन्न संस्कृति ज्ञान परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र अरुण शर्मा और द्वितीय स्थान प्राप्त छात्रा कनक को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के आयोजक श्री शिशुपाल ने सभी वक्ताओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. प्रीती गुप्ता, डॉ. रितिका, डॉ. बालकराम, डॉ. बबीता, डॉ. राजीव और डॉ. रंजीत का विशेष योगदान रहा। प्राचार्य ने सभी को शुभकामनाएं दीं।

पीएम किसान निधि की 20वीं किस्त पर जारी

- बिथरी ब्लॉक मे प्रधानमंत्री का वर्चुअल संबोधन सुना गया

नेशनल एक्सप्रेस/देवेंद्र पटेल

बरेली। बिथरी ब्लॉक में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 22वीं किस्त के जारी होने के उपलक्ष्य में शनिवार को एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्चुअल संबोधन भाजपा के आंवला जिलाध्यक्ष आदेश प्रताप सिंह के नेतृत्व में कार्यकताओं, किसानों और ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से सुना।कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने किसान हित में चलाई जा रही योजनाओं और सरकार की प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पीएम किसान निधि से देश के करोड़ों किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है और यह राशि उनके आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।ब्लॉक स्तर पर आयोजित इस कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, कृषि विभाग के अधिकारीगण और बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

इस दौरान किसानों को योजना की प्रक्रिया और भविष्य के लाभों की भी जानकारी दी गई।कार्यक्रम का समापन प्रधानमंत्री के संदेश के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने किसानों से जैविक खेती, पानी की बचत और तकनीकी उपयोग को बढ़ावा देने की अपील की।कार्यक्रम मे बिथरी ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि हरेंद्र पटेल, मंडल अध्यक्ष बिथरी चैनपुर विकास पटेल , मंडल अध्यक्ष नरयावल गौरव मिश्रा, जिला किसान मंत्री इकबाल बहादुर लोधी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

एडीएम ने सुनी जनसमस्याएं, तीन शिकायतों का निस्तारण

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

धनौरा। तहसील सभागार में एडीएम वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह की अध्यक्षता में समाधान दिवस का आयोजन हुआ। जहां एडीएम ने समाधान दिवस मे आए फरियादियों की फरियाद सुनी समाधान दिवस मे राजस्व विभाग की 8 पुलिस की पांच नगर पालिका की दो विकास की एक शिकायत सहित कुल 17 शिकायतें दर्ज हुई। जिसमें से राजस्व विभाग की दो व पुलिस की 1 शिकायत का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। शेष 14 शिकायतों से संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को जल्द से जल्द शिकायतों का समाधान करने के दिशा निर्देश जारी किए गए। इस दौरान एडीएम ने विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतों को एक-एक कर सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के तहत निस्तारण के लिए निर्देशित किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शिकायत कताओं से सहजता से बात करें और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनें। एडीएम ने भूमि संबंधी मामलों को प्राथमिकता के साथ निस्तारण करने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकारी शिकायतकताओं से उनके मोबाइल नंबर पर संपर्क करके यह सुनिश्चित करें कि उन्हें संतुष्टि मिली है या नहीं।

नेपाल से अपने दोस्त से मिलने आई थी लड़की, हो गई भ्रामक अफवाह का शिकार

नेशनल एक्सप्रेस/ब्यूरो पवन त्रिपाठी

बरेली। थाना किला क्षेत्र में बीती रात 2:30 बजे एक युवती के साथ मारपीट और अभद्र व्यवहार की घटना सामने आई। युवती मूल रूप से नेपाल की रहने वाली है और नोएडा में काम करती है। वह रेशम सिंह और विनय गंगवार के बुलाने पर बरेली आई थी। रात करीब 1:30 बजे युवती छत पर फोन पर बात कर रही थी, तभी मोहल्ले के लोगों ने चोर होने का शोर मचाया। घबराकर वह छत से नीचे कूद गई, जिससे उसके पैर में चोट लग गई। इसके बाद कुछ युवकों ने उसके साथ मारपीट और अभद्र व्यवहार किया। घायल युवती को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत सामान्य बताई गई है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है। दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

धनौरा पालिकाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने करोड़ों की दुकानों को कराया ध्वस्त, रामलीला कमेटी को सौंपी

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

धनौरा। शनिवार को पालिकाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने महादेव स्थित अपनी ही करोड़ों की दुकानों पर बुलडोजर चलवाकर वह जगह रामलीला कमेटी को सौंप दी। पालिकाध्यक्ष द्वारा उठाए गए इस कदम से चारों तरफ उनकी वाहवाही हो रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बताते चले कि कई वर्षों से महादेव स्थित बनी तीन दुकानों को लेकर गमार्या हुआ मुद्दा अब थम चुका है बीते दिनों नगर पालिकाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने तीन दुकानों सहित खाली पड़ी करोड़ों की जगह को रामलीला कमेटी को देने की घोषणा की थी। उनके इस कदम से कई वर्षों से दुकानों को लेकर चल रहा विवाद थम गया था। वहीं पालिकाध्यक्ष द्वारा लिए गए इस निर्णय से पूरे शहर में खुशी की लहर दौड़ गई। शहरवासी पालिकाध्यक्ष द्वारा लिए गए निर्णय की चर्चा करते नजर आ रहे थे। इसी कड़ी में शनिवार को पालिकाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने खुद अपनी दुकानों पर बुलडोजर चलवा दिया। इतना ही नहीं इसकी शुरूआत स्वयं उन्होंने प्रभु श्री राम के उद्घोष के साथ घन लेकर की जिसके बाद तीनों दुकानों को बुलडोजर की मदद से तुड़वा दिया गया। प्रवीण अग्रवाल ने बताया कि मेरे लिए प्रभु श्री राम से ज्यादा कुछ नहीं है इसलिए में इस संपत्ति को प्रभु श्री राम के चरणों में समर्पित करते हुए इसे रामलीला कमेटी को सौंप रहा हूं।

श्री वेंक्टेश्वरा में सावन के अन्तिम सोमवार से पूर्व विशाल भण्डारा, हवन एवं चिकित्सा शिविर आयोजित

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो अमरोहा।

श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय में सावन माह के अन्तिम सोमवार को यज्ञ, हवन एवं विशेष पूजा का आयोजन किया गया। जिसमें सभी ने महादेव की महिमा का गुणगान करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए जीवन में उनकी पूजा के महत्व को सबसे ऊपर बताते हुए उनके दिखाये गये ज्ञान, श्रद्धा एवं भक्ति के मार्ग पर चलने की शपथ ली। इसके बाद सांस्कृतिक संध्या के साथ-2 भण्डारे का भी आयोजन किया। जिसमें हजारो श्रद्धालुओ एवं शिव भक्तो ने प्रसाद ग्रहण किया।

श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय परिसर के मुख्य द्वार पर आयोजित हवन, पूजा एवं भण्डारे का शुभारम्भ संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि, मुख्य अतिथि शिक्षक विधायक हरि सिंह ढिल्लो, प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, कुलपति डॉ0 कृष्ण कान्त दवे, कुलसचिव प्रो0 पीयूष पाण्डेय, आचार्य रामनिवास शास्त्री आदि ने महादेव शिव की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके एवं फीटा काटकर किया।

श्रावण मास में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि हरि सिंह ढिल्लो ने कहा कि निसन्देह रूप से महादेव का स्थान सभी देवो में सबसे ऊपर आता है। भगवान शिव की भक्ति का मतलब यह है कि जो ज्ञान, ध्यान, बल, बुद्धि, शिक्षा, संस्कार एवं पुरूषार्थ में श्रेष्ठ फलदाता हो। प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी ने कहा कि हमारे जीवन में प्रत्येक व्यक्ति के लिए भगवान शिव की अराधना सबसे बड़ा महापर्व है। एक शिव ही है जो हमे अज्ञानता के अधंकार, भय, क्रोध, भ्रम, सन्देह, मोह, लोभ के बन्धन से मुक्त कराकर ज्ञान, बल एवं बुद्धि के प्रकाश से आलौकित करते है।

इस अवसर पर युवा मोर्चा अध्यश शुभम चौधरी, डॉ0 राजेश सिंह डॉ0 ओमप्रकाश गोसाई, डॉ0 तेजपाल सिंह, डॉ0 योगेश्वर प्रसाद शर्मा, डॉ0 अनिल जायसवाल, अरूण गोस्वामी, डॉ0 मोहित शर्मा, मारूफ चौधरी, डॉ0 अश्विन सक्सेना, लीगल डारेक्टर देवप्रताप, डॉ0 सुमन कुमारी, अनुषा कर्णवाल, डॉ0 शिल्पा रैना एवं एस0एस0 बघेल, समाजसेवी तेजवीर सिंह अलूना, रीना जोशी, प्रीतपाल, मेरठ परिसर निदेशक डॉ0 प्रताप सिंह एवं मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि मौजूद रहे।

667 ग्राम पंचायतों में पीएम किसान उत्सव दिवस का आयोजन

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

चंदौसी। अरुण पामार त्रिपाठी उप कृषि निदेशक सम्भल के द्वारा बताया गया कि प्रधानमंत्री द्वारा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत दिनांक 02 अगस्त, 2025 को जनपद वाराणसी में आयोजित होने वाले ₹किसान सम्मान दिवस₹ में प्रधानमंत्री द्वारा पी.एम. किसान की 20वीं किश्त का हरतांतरण किये जाने के दृष्टिगत विनांक 02 अगस्त, 2025 को जनपव राग्गल में जिलाधिकारी सम्भल की अध्यक्षता में जनपद मुख्यालय स्तर (पजाया बस स्टैण्ड, बहजोई सम्भल) के साथ ही कृषि विज्ञान केन्द्र, समस्त विकास खण्डों एवं 667 ग्राम पंचायतों में ₹पी.एम. किसान उत्सव दिवस₹ का आयोजन किया गया। उक्त ₹पी.एम. किसान उत्सव दिवस₹ कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण ँ३३स्त्र२ः//स्त्रेल्ल्र्दिीं२३.ल्लू.ल्ल लिंक के माध्यम से कराया गया। जनपद, कृषि विज्ञान केन्द्र, विकास खण्ड एवं पंचायत स्तर पर आयोजित होने वाले उक्त कार्यक्रम में जनपद से लगभग 30459 किसानों/आंगनवाड़ी/बैंक सखी आदि ने मा. प्रधानमंत्री जी का सजीव प्रसारण देखा। इसके अतिरिक्त जनपद में क्रियाशील कृषक उत्पादक संगठनों (एफ.पी.ओ.) एवं जनपद की 67 साधन सहकारी समितियों द्वारा मा. प्रधानमंत्री जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण लाभार्थी किसानों को दिखाया गया। प्रधानमंत्री द्वारा पी.एम. किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत दिनांक 02 अगस्त, 2025 को हस्तांतरित की गई किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किश्त से जनपद सम्भल के 296139 कृषक लाभान्वित हुए हैं। जिनके बैंक खातों में पी.एम. किसान सम्मान निधि की लगभग रु. 59.23 करोड की बनराशि हस्तांतरित हुई है। उक्त कार्यक्रम में कृषि विभाग द्वारा किसानों के हित में चलाई जा रहीं विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उक्त कार्यक्रम में कृषकों को प्रशस्ति पन्न, मृदा स्वास्थ्य कार्ड एवं लाभार्थी कृषकों में निःशुल्क बीज मिनीकिट का वितरण भी किया गया।

तहसील समाधान दिवस में आई 94 शिकायतें

● पांच का मौके पर हुआ निस्तारण

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

गुन्नौर ।शनिवार को तहसील सभागार में उप जिलाधिकारी डॉ वंदना मिश्रा की अध्यक्षता में समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 94 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से पांच शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष 89 शिकायतों को आवश्यक कार्रवाई हेतु संबंधित विभागों को भेजा गया। तहसील दिवस में सर्वाधिक शिकायतें राजस्व विभाग से जुड़ी रहीं, जिनकी संख्या 63 रही। इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग की 9, चकबंदी विभाग की 8, पूर्ति विभाग की 10, सिंचाई विभाग की 1 और विकास विभाग की 3 शिकायतें दर्ज की गईं। राजस्व विभाग की पांच शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया, जबकि अन्य विभागों से जुड़ी शिकायतों को अग्रसारित कर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। एसडीएम वंदना मिश्रा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए ताकि आमजन को राहत मिल सके। समाधान दिवस में विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

ट्रांसफार्मर चोर गिरोह का खुलासा, तीन गिरफ्तार, दो फरार

नेशनल एक्सप्रेस

गुन्नौर। संभल पुलिस ने ट्रांसफार्मर काटकर तांबा व कॉइल चोरी करने वाले अंतरजनपदीय गैंग का पदार्फाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि दो फरार चल रहे हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से करीब 13 किलो तांबा, उपकरण और नकदी बरामद हुई है। पुलिस अधीक्षक श्री कृष्ण कुमार के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अनुकृति शर्मा व क्षेत्राधिकारी गुन्नौर दीपक कुमार के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी गुन्नौर अखिलेश प्रधान द्वारा गठित पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की।पुलिस ने फतेहपुर फरीदपुर मार्ग से गिरफ्तार किए अभियुक्त सरदार सुंदर सिंह पुत्र श्योराज सिंह,नीरज पुत्र मूलचंद्र,शोकेन्द्र उर्फ बड्डे पुत्र फूलसिंह तीनों आरोपी थाना गुन्नौर क्षेत्र के ग्राम सैजना मुस्लिम जनपद सम्भल के निवासी हैं। 14 मार्च 2025 को बबराला कस्बे में हाईवे पर स्थित ट्रांसफार्मर को काटकर उसमें से तांबा और कॉइल चोरी कर ली गई थी। अपर अभियंता रोहित मुखिया की तहरीर पर थाना गुन्नौर में मु0अ0सं0 176/25, धारा 303(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। जांच में सीसीटीवी फुटेज व मुखबिर की सूचना के आधार पर अभियुक्तों को चिह्नित कर गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में गिरोह की कार्यप्रणाली उजागर पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे पांच सदस्यीय गिरोह में संगठित होकर कार्य करते हैं। ट्रांसफार्मर चिह्नित करने की जिम्मेदारी सरदार सुंदर सिंह की होती थी। वकील नामक फरार अभियुक्त तार काटने का कार्य करता था। शोकेन्द्र चोरी किए गए सामान को रिक्शा द्वारा सरदार की कबाड़ी की दुकान तक पहुंचाता था, जहां से उसे अन्य कबाड़ में मिलाकर बेच दिया जाता था। पकड़े गए आरोपियों के पास से पुलिस ने 12.900 किलोग्राम तांबा, 3 किलोग्राम लोहे की कॉइल,तार काटने के उपकरण,8,500 रुपए नकद बरामद किए हैं।

चंदौसी में डीएम की अध्यक्षता में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

● चंदौसी में कुल 117 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें 12 शिकायतों का तत्काल निस्तारण किया गया

चंदौसी। जिलाधिकारी डॉ.राजेंद्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई की अध्यक्षता में तहसील चंदौसी में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजन किया गया।

संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने शिकायतकताओं की समस्या सुनकर मौके पर अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतें लंबित न रखी जाये, शिकायतों को गम्भीरता से लिया जाये। संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों को सुना एवं संबंधित थानाध्यक्षों को निस्तारण के निर्देश दिए। तहसील चंदौसी में कुल 117 शिकायतें प्राप्त हुई तथा 12 शिकायतों का तत्काल निस्तारण किया गया एवं शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु पुलिस और राजस्व की संयुक्त टीमें मौके को पर जाकर निस्तारण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायत का निस्तारण शीघ्र एवं निचले स्तर पर कर दिया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक, परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह, उप जिलाधिकारी चंदौसी आशुतोष तिवारी क्षेत्राधिकारी चंदौसी अनुज चौधरी,तहसीलदार रवि सोनकर सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की तारीख 31 जुलाई से बढ़कर 14 अगस्त हुई

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता/चंदौसी। उप कृषि निदेशक सम्भल के द्वारा बताया गया कि जनपद सम्भल के समस्त कृषकों को सूचित किया जाता है कि खराब, 2025-26 मौसम में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत बीमा कराने की अन्तिम तिथि को 31 जुलाई, 2025 से बढ़ाकर दिनांक 14 अगस्त, 2025 कर दिया गया है। योजनान्तर्गत जनपद सम्भल हेतु खराब मौसम में धान, मक्का, बाजरा एवं उर्द फसलों को ग्राम पंचायत स्तर पर अधिसूचित किया गया है। विपरीत मौसमीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह आवश्यक है कि अधिक से अधिक किसानों को बीमा कवर प्रदान किया जाये, ताकि दैवीय आपदा के समय अपनी आय को स्थिर रख सकें, यही बीमा का उद्देश्य है। जनपद में समस्त ऋणी एवं गैर ऋणी कृषक 'फसल बीमा कराओ-सुरक्षा कवच पाओ' के दृष्टिगत खरीफ, 2025 मौसम में अब 14 अगस्त, 2025 तक फसल का बीमा करा सकते हैं। वर्तमान में जनपद में इफको टोकियो जनरल इन्श्योरेंस कम्पनी लिमिटिड कार्यान्वयन एजेन्सी के रूप में कार्यरत है। स्थापनीय आपदा की स्थिति में सम्बन्धित कृषक अपनी शिकायत टोल फ्री नम्बर 14447 पर दर्ज करा सकते हैं।

देशी शराब सहित अभियुक्त गिरफ्तार

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो। फिरोजाबाद। थाना नारखी पुलिस ने चैकिंग के दौरान एक अभियुक्त को 22 क्वार्टर देशी शराब सहित गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष भेजा है। जनपद में अपराधियों की गिरफ्तारी के क्रम में क्षेत्राधिकारी टूण्डला के नेतृत्व में थाना नारखी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर विकास पुत्र पवन सिंह निवासी ग्राम कछपुरा थाना नारखी को 22 पव्वे देशी शराब सहित गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना पर मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के समक्ष भेजा है।

रास्ते में रोककर युवक को दंबगों ने पीटा, शिकायत

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो। टूंडला। मां को छोड़कर घर लौट रहे युवक को रास्?ते में रोककर दबंगो ने पीट दिया। युवक ने पिटाई करने वाले युवकों के विरूद्ध एक महीने बाद तहरीर दी है। थाना क्षेत्र के गांव दिनौली निवासी नरेश कुमार तीन जुलाई सुबह साढ़े सात बजे अपनी मां को अमन होटल के सामने उसायनी पर छोड़कर घर लौट रहे था। तभी रास्ते में नगला प्रीतमगढ़ निवासी युवकों ने उसे आनंद ऑर्चिड कॉलोनी उसायनी पर रोककर गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर उसकी पिटाई कर दी। साथ ही जातिसूचक शब्?दों का इस्?तेमाल करने लगे। राजा का ताल चौकी प्रभारी ने पीड़ित को चौकी पर बुलाकर राजीनामा करने का दबाव बनाया। साथ ही चौकी प्रभारी व अन्?य पुलिसकर्मियों ने नहीं मानने पर देखने की धमकी दे दी थी। पीड़ित युवक ने उससे मारपीट करने वाले युवकों की एसएसपी शिकायत की है। वहीं युवक ने बताया कि एसएसपी से शिकायत करने के बाद शनिवार को उप निरीक्षक सावन कुमार अन्य दो पुलिसकर्मियों के साथ युवक के घर पहुंचे जहां उन्होंने युवक से कहा कि आप क्या चाहते हैं तो युवक ने कहा कि साहब मुझे इंसाफ चाहिए मेरा मुकदमा लिखकर कार्यवाही करें तो युवक ने उप निरीक्षक पर पीड़ित को धमकाते हुए क्या सामने वाले को फांसी करा देगा कहकर दबाव बनाने का आरोप लगाया ।

12 अगस्त से अयोध्या के लिए टूंडला रेलवे स्टेशन से मिलेगी साप्ताहिक ट्रेन: श्रीकृष्ण गौतम

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो । टूंडला । जनपद व नगर टूंडला के यात्रियों की मांग एवं उनकी सुविधा को ध्यान रखते हुए रेल मंत्रालय द्वारा पश्चिम रेलवे मुंबई के भावनगर (गुजरात)टर्मिनल स्टेशन से भगवान श्री राम की नगरी अयोध्या के लिए 11 अगस्त 2025 से प्रत्येक सोमवार को भावनगर- अयोध्या कैंट साप्ताहिक ट्रेन गाड़ी संख्या 19201/ 19202 का संचालन किया जाएगा। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव 03 अगस्त 2025 को भावनगर टर्मिनल से शुरूआती ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ करेंगे। भावनगर टर्मिनल स्टेशन से दोपहर 13:50 बजे 11 अगस्त 2025 सोमवार को यह ट्रेन प्रस्तान करेगी और भावनगर पारा, सीहोर, ढोला, बोटाद, लिमबड़ी, सुरेन्द्रनगर गेट, वीरमगाम, मेहसाणा, पालनपुर, अबु रोड, फालना, मारवाड़ जंक्शन, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधीनगर जयपुर, बांदीकुई, भरतपुर, ईदगाहआगरा, टूण्डला, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, बाराबंकी होते हुए अयोध्या कैंट 12 अगस्त 2025 मंगलवार को सायंकाल 18.30 बजे पर पहुंचेगी। अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन से वापसी में यह ट्रेन उसी दिन रात्रि 10:30 पर प्रस्थान करेगी और भावनगर टर्मिनल स्टेशन गुरुवार सुबह 4:45 पर पहुंचेगी। टूंडला रेलवे स्टेशन पर यह ट्रेन भावनगर टर्मिनल स्टेशन से 10:50 पर सुबह मंगलवार पहुंचेगी तथा 10:55 पर प्रस्थान करेगी। वापिसी में अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन से इस ट्रेन का समय टूंडला रेलवे स्टेशन पर बुधवार सुबह 6:50 बजे रहेगा। उक्त आशय की जानकारी देते हुए क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति उत्तर मध्य रेलवे के सदस्य श्रीकृष्ण गौतम ने टूंडला रेलवे स्टेशन को ट्रेन की सौगात पर रेल मंत्री का धन्यवाद देते हुए हार्दिक आभार प्रकट किया है। इस ट्रेन की कोच संरचना में 2 वातानुकूलित टू टियर, 4 वातानुकूलित थ्री टियर, 3 वातानुकूलित थ्री टियर इकोनॉमी, 7 स्लीपर, 4 द्वितीय साधारण जनरल, 1 एसएलआर और 1 जनरेटर कार कुल 22 एलएचबी कोच होंगे।

पुलिस परिवार परामर्श केन्द्र ने 15 परिवारों को मिलाया

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

संभल। पुलिस अधीक्षक केके बिश्नोई की देखरेख में चलाए जा रहे पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की एक मीटिंग आज सुबह 10 बजे महिला सेल प्रभारी इंस्पेक्टर पूनम आनंद की देखरेख में महिला थाने में संपन्न हुई जिसमें पति-पत्नी के मध्य भी आपसी विवादों का सुलह समझौते के आधार पर निस्तारण करने का प्रयास काउंसलन द्वारा किया गया जहां कुल 107 पत्रावली सुनकर 44 पत्रावलियों का निस्तारण किया गया तथा 15 परिवार को मिलाया गया तथा 26 पत्रावलियों को न्यायालय में विचाराधीन होने अथवा आवेदक द्वारा बल न देने के कारण बंद करने की संतुति की गई। एवं 3 पत्रावली में विधिक कार्यवाही करने की संतुति की गई।इस अवसर पर काउंसलर अखिलेश अग्रवाल विधिक परामर्शदाता काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय , संगीता भार्गव, पूनम अरोरा श्वेता गुप्ता बबीता शर्मा सीमा आर्य कंचन महेश्वरी तथा कांस्टेबल शहजाद मलिक रश्मि गहलोत आदि लोग उपस्थित रहे।

रील बनाकर सोशल मीडिया पर की अपलोड तो टूटा परिवार

एक मामला तहसील गन्नौर का ऐसा आया जहां पत्नी अपनी रील बना कर सोशल मीडिया डालती थी जो उसके पति को पसन्द नहीं थी मना किया तो उनके मध्य टकरार हुई शादी को मात्र डेढ़ साल ही हुआ था जिसकी शिकायत थाना प्रभारी बनियाठेर से की गई और वो दूरी इतना बढ़ गई कि पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र तक पहुंच गई जहां विधिक परामर्शदाता काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय एडवोकेट ने दोनों पक्षों को सुना और समझौतावर्ता कर दोनों पक्षों को मिलाया लड़का का कहना था कि उसकी पत्नी जो रील बनाकर सोशल मीडिया पर डालती हैं उस पर गांव के लड़के उल्टे सीधे कमेन्ट करते हैं जो उसे पसन्द नहीं है जिस पर लड़की ने आगे से कोई भी रील नहीं बनाने और सोशल मीडिया पर अपलोड करने से मना कर दिया जिस कारण दोनों में समझौता हो गया तो दोनों पक्ष काउंसलिंग टीम को धन्यवाद करते नजर आए।

06 अगस्त को होगा एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन

नेशनल एक्सप्रेस/चंदौसी। जिला सेवायोजन अधिकारी, संभल के द्वारा बताया गया कि प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशालय लखनऊ के द्वारा प्रदेश के युवाओं को रोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर भारत अभियान को सफल बनाए जाने हेतु जिला सेवायोजन कार्यालय संभल द्वारा मायादेवी सीताराम डिग्री कॉलेज बिचेता काजी चंदौसी के प्रांगण में एक दिवसीय रोजगार मेला दिनांक 06 अगस्त,2025 दिन बुधवार को किया जाना है। रोजगार मेला प्रातः 10:30 बजे से 3:00 तक रहेगा। जिसमें एस आर सौलुशन, यस कंस्ट्रक्शन कंपनी नोएडा, आर एस वी ज्वाइन इंडिया लिमिटेड इत्यादि कंपनियां प्रतिभाग कर रही हैं।सभी कंपनियां ऑफिस अटेंडेंट, बिक्री सलाहकार, साइट पयार्वेक्षक पदों के लिए साक्षात्कार लेंगी। रोजगार इच्छुक अभ्यर्थी सेवायोजन विभाग के रोजगार संगम पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराकर रोजगार मेले में प्रतिभाग करे।

कई जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल कराने की मांग को लेकर निषाद पार्टी पदाधिकारियों ने सौंपा ज्ञापन

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो ।

फिरोजाबाद । जनपद में शनिवार को निषाद पार्टी के पदाधिकारियों ने मझवार, तुरैहा समेत निषाद, केवट, मल्लाह आदि जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल करने की मांग को लेकर भाजपा के फिरोजाबाद सदर विधायक मनीष असीजा तथा सपा के शिकोहाबाद विधायक मुकेश वर्मा को ज्ञापन सौंपा। निषाद पार्टी के प्रतिनिधियों ने विधायकों से मछुआ समुदाय की पर्यायवाची जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल करने पर जोर दिया।

उन्होंने पिछड़ा वर्ग प्रमाण-पत्र जारी करने की प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग भी की है। ज्ञापन में विधानसभा में इस संबंध में विधेयक लाने की अपील की गई है। निषाद पार्टी का कहना है कि शासनादेशों के बावजूद जातीय वर्गीकरण में अनदेखी हो रही है। इस कारण समुदाय के लोगों को उचित प्रमाण पत्र प्राप्त करने में कठिनाइयां आ रही हैं। पार्टी के अनुसार, मछुआ समुदाय की विभिन्न जातियों को उनके अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने दोनों विधायकों से इस मुद्दे को विधानसभा में उठाने और समुदाय के हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया है।

टूण्डला तहसील में लगा सम्पूर्ण समाधान दिवस, 33 शिकायतें मिली

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो।

टूण्डला। शनिवार को टूण्डला तहसील सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन उपजिलाधिकारी अनुराधा सिंह की अध्यक्षता में हुआ। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 33 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें से 12 शिकायतें विकास विभाग, 5 शिकायतें राजस्व विभाग, 8 शिकायतें पुलिस विभाग से संबंधित रहीं। जबकि शेष शिकायतें अन्य विभागों से जुड़ी थीं। उपजिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। ताकि शिकायतकताओं को शीघ्र राहत मिल सके। मौके पर 2 शिकायतों का निस्तारण किया गया। वहीं शेष मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने का आश्वासन दिया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में क्षेत्राधिकारी, तहसीलदार, कानूनगो, लेखपाल, पुलिस विभाग के अधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

19 अगस्त से 29 सितंबर तक बीएलओ के द्वारा घर-घर जाकर गणना : डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

बहजोई। कलक्ट्रेट सभागार बहजोई में जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया की अध्यक्षता में त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन 2025 हेतु वृहद पुनरीक्षण की तैयारी हेतु बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा ने बताया कि 19 अगस्त 2025 से 29 सितंबर 2025 तक बीएलओ के द्वारा घर-घर जाकर गणना और सर्वेक्षण, एवं हस्तलिखित पांडुलिपि तैयार करने की अवधि(1 जनवरी 2025 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी अर्ह व्यक्तियों के नाम सम्मिलित किए जाएंगे) अपर जिलाधिकारी ने बीएलओ की तैनाती के विषय में जानकारी प्राप्त की जिसको लेकर जिलाधिकारी ने समस्त संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि बीएलओ की तैनाती के विषय में पत्रावली का गहनता से अध्ययन करें और उसके उपरांत नियम अनुसार बीएलओ की तैनाती सुनिश्चित की जाए।

अपर जिलाधिकारी ने कहा कि मतदेय स्थलों का सत्यापन किया जाए उन्होंने कहा कि कोई भी मतदेय स्थल एवं मतदान केंद्र निजी भवन में नहीं हो इसको प्रत्येक दशा में सुनिश्चित करें और उन्होंने कहा कि मतदेय स्थल एवं मतदान केंद्र पर समस्त आवश्यक सुविधाओं को भी देख लिया जाए। और उन्होंने कहा कि अगर किसी मतदेय स्थल का भवन जर्जर होने के कारण स्थान परिवर्तन किया जाना है तो उसको समय से कराना सुनिश्चित करें।जिलाधिकारी ने कहा कि बीएलओ की तैनाती ठीक से की जाए इसको प्रत्येक दशा में ध्यान में रखें। जिलाधिकारी ने कहा कि टॉप 10 आपराधिक श्रेणी के व्यक्तियों को चिन्हित किया जाए जिससे उनको पाबंद किया जा सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, उप जिलाधिकारी गुन्नौर वंदना मिश्रा, उप जिलाधिकारी चंदौसी आशुतोष तिवारी, उप जिलाधिकारी संभल विकास चंद्र समस्त तहसीलदार एवं समस्त विकासखंड अधिकारी सहित समस्त संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

मंत्रिमंडल की लॉटरी: आपदा, राहत और राजनीति का ताना-बाना

मानसून के कहर के बीच सरकार ने मंत्रिमंडल की बैठक आयोजित की, जिसमें राहत, पुनर्वास और विकास के कई फैसले लिए गए। लेकिन सियासत और आपदा की परिभाषा के बीच सामंजस्य अब भी अधूरा है। प्रदेश इस मानसून में बर्बादी की ऐसी तस्वीरें देख रहा है, जहां पुलों पर पानी चढ़ गया है और गलियां खड्डों में तब्दील हो गई हैं। ऐसे में सरकार की राहत योजनाएं केवल आश्वासनों तक सीमित न रहें, यह आम जनता की उम्मीद है।मंत्रिमंडल ने जिन राहत पैकेजों का ऐलान किया है, उनमें टूटे घरों को 7 लाख और आंशिक क्षतिग्रस्त घरों को 1 लाख रुपये देने की घोषणा शामिल है। इसके अतिरिक्त, तीन लाख सालाना आय वाले परिवारों को करुणामूलक नौकरी की पात्रता देने का निर्णय उन परिवारों को कुछ उम्मीद जरूर देगा जो किसी सरकारी नौकरी की आस में हैं। वहीं, नर्सिंग पाठ्यक्रम में सीटें बढ़ाकर युवाओं के लिए नए रास्ते खोले गए हैं।कुछ फैसले व्यावहारिक जरूरतों से प्रेरित थे, कुछ राजनीतिक संदेश देने के लिए, और कुछ सरकार की इच्छाशक्ति और सक्रियता का प्रदर्शन करने के लिए लिए गए। लेकिन असली चुनौती इन फैसलों को जमीनी स्तर पर प्रभावी रूप से लागू करने की है।प्रदेश सरकार ने इस बार एक नई रणनीति के तहत सौ करोड़ रुपये जुटाने के लिए लॉटरी व्यवस्था को मंजूरी दी है। यह निर्णय बताता है कि अब सरकार शराब के बाद लॉटरी जैसे विकल्पों से राजस्व बढ़ाने की कोशिश में है। पड़ोसी राज्यों में यह मॉडल सफल रहा है, इसलिए हिमाचल भी अब इस दिशा में आगे बढ़ना चाहता है।चार दिन चली इस मंत्रिमंडल बैठक में जहां भर्ती संबंधी घोषणाएं हुईं, वहीं पर्यटन क्षेत्र में निवेश को आकर्षित करने के लिए ₹पर्यटन निवेश प्रोत्साहन परिषद₹ का गठन भी एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इससे उम्मीद है कि प्रदेश में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और पर्यटन को नई दिशा मिलेगी।इसके अलावा, सोलन और सिरमौर में सेटेलाइट टाउन बसाने की योजना से आवासीय आवश्यकताओं को पूरा करने की कोशिश हो रही है। हालांकि, यह भी ज़रूरी है कि प्रदेश के शहरीकरण की योजना चंडीगढ़, मोहाली और पंचकूला जैसे क्षेत्रों की गति और आवश्यकता को देखते हुए बने। बीबीएन क्षेत्र से हर रात जो जनसंख्या पलायन करती है, वह संकेत है कि हिमाचल को अपने अंदर ही शहरों का विस्तार करना होगा, न कि आसपास की सीमाओं में समा जाना चाहिए।ऊना जिले में एक बड़े शहर की गुंजाइश को समझना होगा, ताकि वहां शहरी योजनाएं लागू की जा सकें। इसी बीच, नगर निकाय चुनावों में ओबीसी आरक्षण की पहल कांग्रेस के राष्ट्रीय एजेंडे का हिस्सा मानी जा रही है, जो सियासी दृष्टि से अहम कदम है।शिक्षा के मोर्चे पर, प्रदेश के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने केंद्र सरकार से रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन की मांग की है। लेकिन विडंबना यह है कि प्रदेश सरकार केंद्रीय विश्वविद्यालय के जदरांगल परिसर को लेकर उदासीन बनी हुई है। देहरा परिसर के लिए 19 करोड़ की मंजूरी दी गई, लेकिन जदरांगल के लिए जरूरी 30 करोड़ की फंडिंग पर खामोशी है।यह रवैया न केवल पूर्ववर्ती सरकारों—जैसे धूमल और जयराम सरकारों—बल्कि अब सुक्खू सरकार को भी सवालों के घेरे में लाता है। पर्यटन निगम ने भले ही कश्मीर हाउस परिसर को निजी हाथों में जाने से रोका, पर धर्मशाला के शैक्षणिक माहौल को बनाए रखने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं हो रहे हैं।अंततः यह साफ है कि मंत्रिमंडल की बैठक में अनेक घोषणाएं हुईं, पर असली कसौटी इनकी अमल की है। जब तक घोषणाएं ज़मीनी सच्चाई में तब्दील नहीं होतीं, तब तक आम जनता को राहत और विकास की उम्मीद अधूरी ही रहेगी।

भारत की विकास गाथा: विश्व बैंक रिपोर्ट से प्राप्त साक्ष्य

अन्नू कुमारी

इस परिवर्तन को संभव बनाने वाला क्या था? लक्षित सार्वजनिक नीति, आर्थिक विस्तार, और रोजगार पैटर्न में संरचनात्मक बदलावों का अभिसरण। नीति के मोर्चे पर, स्वच्छ भारत (स्वच्छता), सौभाग्य (बिजली), उज्ज्वला योजना (स्वच्छ खाना पकाने का ईंधन), पीएमएवाई (आवास), और पीएम-किसान (किसानों के लिए आय सहायता) जैसे कल्याणकारी कार्यक्रमों ने शहरी और ग्रामीण भारत दोनों में बुनियादी जीवन स्थितियों में काफी सुधार किया है।

भारत की विकास यात्रा को अक्सर विशेषणों में वर्णित किया जाता है — सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था, दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र, और एक तकनीकी महाशक्ति। लेकिन जीडीपी के आँकड़ों से परे, प्रगति का असली मापदंड यह है कि विकास कितना समान रूप से साझा किया गया है। हाल ही में जारी विश्व बैंक की रिपोर्ट पावर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ़ (अप्रैल 2025) के अनुसार, पिछले एक दशक में भारत के आर्थिक विस्तार के साथ गरीबी में व्यापक रूप से समावेशी गिरावट आई है। लेकिन जैसा कि व्यापक आर्थिक आँकड़ों के साथ अक्सर होता है, यह सवाल उठता है कि क्या ये सुधार वास्तविक हैं या केवल सांख्यिकीय भ्रम?

क्या भारत में गरीबी में आई गिरावट मात्र सांख्यिकीय तथ्य हैं?

शीर्षक आँकड़ा किसी भी दृष्टिकोण से असाधारण है। अत्यंत गरीबी, जिसे विश्व बैंक प्रति दिन $2.15 (2017 की क्रय शक्ति समता के अनुसार) से कम पर जीवन यापन के रूप में परिभाषित करता है, 2011–12 में 16.2 प्रतिशत थी, जो 2022–23 में घटकर मात्र 2.3 प्रतिशत रह गई। इस बदलाव ने लगभग 171 मिलियन लोगों को सबसे गंभीर अभाव की स्थिति से बाहर निकाला है। और भी उल्लेखनीय है ग्रामीण-शहरी खाई में आई संकुचनः ग्रामीण अत्यंत गरीबी 18.4 प्रतिशत से घटकर 2.8 प्रतिशत हो गई, जबकि शहरी गरीबी 10.7 प्रतिशत से घटकर 1.1 प्रतिशत रह गई। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच पहले 7.7 प्रतिशत अंकों का चौड़ा अंतर अब घटकर केवल 1.7 अंक रह गया है। यह न केवल पैमाने को दर्शाता है, बल्कि भौगोलिक क्षेत्रों में समावेशिता को भी दर्शाता है। उसी समय, भारत ने बहुआयामी गरीबी से निपटने में महत्वपूर्ण प्रगति दिखाई है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में बहुआयामी गरीबी 2005–06 में 53.8 प्रतिशत से घटकर 2019–21 में 16.4 प्रतिशत और फिर 2022–23 में 15.5 प्रतिशत हो गई। इसका अर्थ है कि अब भारतीय परिवारों के एक बड़े हिस्से को बिजली, बेहतर स्वच्छता और बुनियादी सेवाएं उपलब्ध हैं। यह समावेशिता भारत के पाँच सबसे अधिक जनसंख्या वाले राज्यों — उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश — में परिलक्षित होती है। इन पाँच राज्यों ने अत्यंत गरीबी में राष्ट्रीय स्तर पर आई गिरावट में दो-तिहाई का योगदान दिया है।

कुछ लोग कहते हैं कि भारत में गरीबी दर में आई गिरावट वास्तविक नहीं है, और यह केवल इसलिए बेहतर दिखती है क्योंकि विश्व बैंक अभी भी पुरानी गरीबी रेखाओं और पुराने मुद्रा मूल्यों का उपयोग कर रहा है। उनका तर्क है कि जब नए वैश्विक मानकों — जैसे कि 2021 की कीमतों पर आधारित $3.00 प्रतिदिन — का उपयोग किया जाए, तो भारत की गरीबी संख्या फिर से बढ़ जाएगी। उदाहरण के लिए, इस नई रेखा के अनुसार, 2022–23 में भारत की अत्यंत गरीबी दर 2.3% से बढ़कर 5.3% हो जाएगी। लेकिन यह दृष्टिकोण एक महत्वपूर्ण बिंदु को नज़रअंदाज़ करता हैः गरीबी केवल आय का विषय नहीं है।

भारत ने बहुआयामी गरीबी को घटाने में भी महत्वपूर्ण प्रगति की है, जो जीवन की वास्तविक परिस्थितियों — जैसे बिजली, स्वच्छ पेयजल, स्वच्छता और शिक्षा की उपलब्धता — को ध्यान में रखती है। इन बातों को सीधे घरेलू सर्वेक्षणों के माध्यम से मापा जाता है और ये वैश्विक मूल्य परिवर्तनों से प्रभावित नहीं होते। 2005–06 से 2022–23 तक, भारत की बहुआयामी गरीबी 53.8% से घटकर मात्र 15.5% रह गई है। इस प्रकार की प्रगति को केवल गरीबी रेखा में तकनीकी बदलाव कहकर खारिज नहीं किया जा सकता।

तो यदि आय आधारित गरीबी में गिरावट केवल आँकड़ों का खेल थी, तो लोगों के दैनिक जीवन में हुए वास्तविक सुधारों को हम कैसे समझाएँ?

कम होती खाई: आय से परे की प्रगति

असमानता के दृष्टिकोण से देखें, तो उपभोग-आधारित गिनी सूचकांक 28.8 से घटकर 25.5 हो गया, जो अधिक न्यायसंगत उपभोग की ओर एक मामूली लेकिन महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत देता है। जबकि वैकल्पिक स्रोत, जैसे कि विश्व असमानता डेटाबेस, सुझाव देते हैं कि आय असमानता बढ़ी है — 2023 में 62 के गिनी गुणांक का हवाला देते हुए — उपभोग असमानता में गिरावट अभी भी यह इंगित करती है कि, कम से कम जीवन स्तर के संदर्भ में, असमानताएँ कम हुई हैं।

इस परिवर्तन को संभव बनाने वाला क्या था? लक्षित सार्वजनिक नीति, आर्थिक विस्तार, और रोजगार पैटर्न में संरचनात्मक बदलावों का अभिसरण। नीति के मोर्चे पर, स्वच्छ भारत (स्वच्छता), सौभाग्य (बिजली), उज्ज्वला योजना (स्वच्छ खाना पकाने का ईंधन), पीएमएवाई (आवास), और पीएम-किसान (किसानों के लिए आय सहायता) जैसे कल्याणकारी कार्यक्रमों ने शहरी और ग्रामीण भारत दोनों में बुनियादी जीवन स्थितियों में काफी सुधार किया है।

इसके अतिरिक्त, भारत की सार्वजनिक वितरण प्रणाली और खाद्य सुरक्षा योजनाओं ने समाज के संवेदनशील वर्गों के लिए पोषण सुरक्षा सुनिश्चित की है। वहीं आधार-आधारित पहचान और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (DBT) ने पारदर्शी कल्याण प्रणाली बनाने में मदद की है।

प्रगति पर कार्य: भारत का विकसित होता श्रम बाजार

आर्थिक मोर्चे पर, रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि 2021–22 की अवधि के बाद से रोजगार वृद्धि ने कामकाजी आयु वर्ग की जनसंख्या को पीछे छोड़ दिया है। वित्त वर्ष 2024–25 की पहली तिमाही में शहरी बेरोजगारी घटकर 6.6 प्रतिशत रह गई — जो 2017–18 के बाद सबसे कम है। स्वरोजगार में तेज़ी आई है, विशेष रूप से ग्रामीण श्रमिकों और महिलाओं के बीच। 2018–19 की अवधि के बाद पहली बार, अधिक पुरुष श्रमिक ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों में स्थानांतरित हो रहे हैं, जबकि कृषि में महिला रोजगार बढ़ रहा है। यह एक गतिशील श्रम बाजार को दर्शाता है जो महिलाओं और ग्रामीण कार्यबल को तेजी से शामिल कर रहा है। हालांकि, युवा बेरोजगारी अब भी 13.3 प्रतिशत और तृतीयक शिक्षा प्राप्त स्नातकों में 29 प्रतिशत के उच्च स्तर पर बनी हुई है। यह भारत के शिक्षित युवाओं की रोजगार क्षमता पर सवाल उठाता है। औपचारिक रोजगार में लगातार कमी आ रही है, केवल 23 प्रतिशत गैर-कृषि वेतन वाली नौकरियों को औपचारिक माना जाता है। इसके अतिरिक्त, यद्यपि महिला श्रम बल भागीदारी में वृद्धि हुई है, फिर भी यह पुरुषों की तुलना में काफी कम है। भारत में पुरुषों की तुलना में 234 मिलियन अधिक पुरुष वेतनभोगी रोजगार में हैं।

आगे की राह

भारत के अगले चरण में अनौपचारिक रोजगार की समस्या का समाधान, रोज़गार बाजार में कौशल की कमी को दूर करना, लैंगिक अंतर को कम करना और यह सुनिश्चित करना शामिल होगा कि गरीबी पीढ़ी दर पीढ़ी न बढ़े। आर्थिक लचीलापन केवल विकास दर पर ही नहीं, बल्कि उस विकास की स्थिरता और न्यायसंगतता पर भी निर्भर करेगा।

संक्षेप में, विश्व बैंक की रिपोर्ट के आँकड़े कोई भ्रम नहीं, बल्कि मील के पत्थर हैं। भारत ने अपने लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में वास्तविक प्रगति की है। अब, आगे का कार्य यह सुनिश्चित करना है कि इन उपलब्धियों को न केवल संरक्षित रखा जाए, बल्कि उन लोगों तक भी पहुँचाया जाए जो अब भी पीछे छूटे हैं।

(पीएच.डी. शोधार्थी, गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय)

इतिहास में आज का दिन

3 अगस्त भी उन तारीखों में से एक है, जो केवल कैलेंडर का अंक नहीं, बल्कि अतीत की गहराइयों से उठती घटनाओं, संघर्षों और मानवीय चेतना की प्रतिध्वनि बनकर सामने आती है। यह दिन इतिहास की उन परतों को उघाड़ता है, जिनमें मानवता की उपलब्धियाँ, पीड़ाएँ, प्रतिरोध और सृजन—सभी कुछ दर्ज हैं।जब हम 3 अगस्त की बात करते हैं, तो हमें वह ऐतिहासिक परिदृश्य याद आता है, जब वैश्विक स्तर पर घटनाएँ केवल सीमाओं के भीतर सिमटी नहीं रहती थीं, बल्कि एक देश के फैसले का असर पूरी दुनिया पर पड़ता था। यह दिन खासतौर पर द्वितीय विश्व युद्ध के संदर्भ में स्मरणीय है। वर्ष 1940 में इसी दिन बाल्कन क्षेत्र और अफ्रीका में चल रही सैन्य गतिविधियों ने युद्ध के विस्तार की चेतावनी दी थी। यह वही समय था जब यूरोप आग की लपटों में घिर रहा था और मानवता अपने सबसे बड़े संकटों में से एक का सामना कर रही थी।भारत के लिए 3 अगस्त का दिन आज़ादी की ओर बढ़ते क़दमों के संदर्भ में भी महत्व रखता है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम

के इतिहास में यह तारीख कई घटनाओं और आंदोलनों की पृष्ठभूमि रही है। यह दिन हमें उन अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों की याद दिलाता है, जिनकी पहचान शायद इतिहास की मुख्यधारा में ना हो, लेकिन जिनका योगदान किसी दीप की तरह राष्ट्र निर्माण में जला करता था।3 अगस्त का एक और महत्त्वपूर्ण पक्ष है विज्ञान और तकनीक की दुनिया में इसकी उपस्थिति। इस दिन 2004 में नासा ने 'मेसेंजर' (MESSENGER) नामक अंतरिक्ष यान को बुध ग्रह की कक्षा की ओर रवाना किया था। यह मिशन ब्रह्मांड की अज्ञात सीमाओं को जानने और समझने की मानव जिज्ञासा का प्रतीक बना। यह घटना दर्शाती है कि 3 अगस्त सिर्फ धरती की घटनाओं का नहीं, बल्कि अंतरिक्ष में मानव विस्तार के प्रयासों का भी साक्षी है।यदि हम 3 अगस्त के सांस्कृतिक पक्ष पर नज़र डालें, तो यह तारीख उन महान लेखकों, संगीतकारों और विचारकों की भी याद दिलाती है जिनका जन्म या निधन इसी दिन हुआ। इन लोगों ने अपने रचनात्मक कार्यों से न केवल समाज को दिशा दी, बल्कि नई चेतना और भावनात्मक समझ भी दी। उनकी रचनाएँ आज भी मानव मन की जटिलताओं को अभिव्यक्त करने के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों को स्वर देती हैं।3 अगस्त कभी-कभी उन घटनाओं की स्मृति भी बन जाता है जो मानवीय विफलताओं, संघर्षों और भूलों की पहचान कराती हैं। यह तारीख हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम संवाद के महत्व को समय रहते समझते हैं? क्या हम अपने अतीत की गलतियों से सबक लेकर वर्तमान को बेहतर बना रहे हैं?यह तारीख केवल तारीख नहीं, बल्कि समय की उन सीखों का प्रतीक है, जिन्हें यदि हम गंभीरता से लें, तो भविष्य को अधिक मानवीय, न्यायपूर्ण और संतुलित बनाया जा सकता है।3 अगस्त का महत्व इस बात में भी छिपा है कि यह दिन समय और चेतना के उस संगम को प्रस्तुत करता है, जहाँ इतिहास केवल स्मृति नहीं, बल्कि भविष्य की तैयारी का उपकरण बन जाता है। यह दिन हमें सिखाता है कि हर घटना, चाहे वह महायुद्ध की भयावहता हो या विज्ञान की कोई उपलब्धि—हमें एक रास्ता दिखाती है, जिससे हम अधिक संवेदनशील, सशक्त और विवेकशील समाज की ओर बढ़ सकें।

समसामयिक

ट्रंप का शेखचिल्लीपन

ऋषभदेव शर्मा

अमेरिका के राष्ट्रपति और ट्वीट-तूफान के बादशाह डोनल्ड ट्रंप (डक नहीं!) के भारत के बारे में हालिया बयानों से किसी को भी यह लग सकता है कि या तो उन्हें शेखचिल्ली की तरह दिन में सपने देखने का शौक है, या किसी दिव्य शक्ति ने उन पर इलहाम की बारिश शुरू कर दी है!

इसीलिए, पहले तो उन्होंने बैठे-बैठे सपना देखा कि भारत पाकिस्तान से तेल खरीद रहा है; और अब भारत को 'मृत' अर्थव्यवस्था का तमगा देने के बाद उनका ताज़ा इलहाम है कि भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर रहा है! बेशक, ट्रंप के बयानों को सुनकर हँसी भी आती है और गुस्सा भी। दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक, भारत की अर्थव्यवस्था को वे 'मृत' कह रहे हैं! जीडीपी ग्रोथ रेट हो या स्टार्टअप्स की बाढ़, भारत की गाड़ी फर्राटे से चल रही है। लेकिन ट्रंप महाशय को शायद वह पुराना नक्शा मिल गया है, जिसमें भारत सिर्फ साँप, बीन और गायों का देश दिखता था। तभी तो वे प्रलाप किए जा रहे हैं कि भारत तेल रूस से नहीं खरीदेगा, बल्कि पाकिस्तान से माँगेगा! यानी, सूरज पूरब से नहीं, पश्चिम से निकलेगा?

शायद अपनी जादुई गेंद में ट्रंप महाशय यह भ्रमजाल देखकर ताली पीट रहे हों कि भारत का ऊर्जा मंत्री इस्लामाबाद में तेल के सौदे के लिए बैठा है! सामने पाकिस्तानी अधिकारी - एक हाथ में चाय का कप, दूसरे में 'कश्मीर राग' की स्क्रिप्ट! बात शुरू होती है तेल की कीमत पर; और पहुँच जाती है एलओसी की बाड़ पर! "भाई साहब, तेल तो देंगे, लेकिन पहले यह 370 वाला क्या था?"

हमारा मंत्री जवाब देता है, "अरे, तेल दो, 370 का हिसाब बाद में करेंगे। और हाँ, पहले अपनी बिजली तो ठीक कर लो, मोमबत्ती से टिकटॉक बनाने से तेल का कुआँ नहीं खुल जाता!" सौदा पक्का होने से पहले ही ट्विटर पर #ऑयलफ़ॉरकश्मीर ट्रेंड करने लगता है। और ऊपर से ट्रंप का शेखचिल्ली ट्वीट आता है, "देखा, मैंने कहा था, भारत अब रूस को छोड़ पाकिस्तान से तेल लेगा। अमेरिका फिर से महान बन गया रे!"लेकिन रुकिए, ट्रंप महाशय के बयान में शायद कुछ गहरा संकेत छिपा हो। वे शायद कहना चाहते हों कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य बदल रहा है।

रूस, जो भारत का पुराना तेल साझेदार रहा है, अब ट्रंप की नजर में 'आउट' हो चुका है। और पाकिस्तान? वह तो बस ट्रंप के शेखचिल्ली दिमाग की उपज है। हकीकत में भारत अपनी ऊर्जा नीति को लेकर कहीं ज्यादा समझदार है। रूस से तेल खरीदना भारत की रणनीति का हिस्सा है, जो किफायती और भरोसेमंद है।

और अगर ट्रंप महाशय को लगता है कि भारत रूस को छोड़ देगा, तो वे शायद भूल गए हैं कि भारत वह देश है, जो अपनी ज़रूरतों के लिए सूरज और हवा को भी 'तेल' में बदल सकता है! सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और इलेक्ट्रिक वाहनों की दिशा में भारत की रफ्तार देखकर तो ट्रंप महाशय का 'मृत' वाला जुमला उनके अपने बयानों पर ज्यादा फिट बैठता है!

भारत का आत्मनिर्भरता का जज्बा ऐसा है कि अगर तेल की ज़रूरत पड़ी, तो वह इस्लामाबाद की गलियों में नहीं, बल्कि अपने सोलर पैनलों और विंड टर्बाइनों की छाँव में मिलेगा। वैसे अगर पाकिस्तान के पास इतना ही तेल है, तो पहले खुद अपने ट्रैक्टरों को तो चला ले, जो अभी गधा-गाड़ी बने खेतों में घूम रहे हैं! अंत में, ट्रंप महाशय को धन्यवाद कि वे इस तनावों भरी दुनिया को हँसने का मौका दे रहे हैं! उनके बयान वैश्विक मंच पर स्टैंड-अप कॉमेडी का मसाला बन सकते हैं। लेकिन उन्हें चाहिए कि अगली भविष्यवाणी से पहले भारत के सोलर मिशन और स्टार्टअप्स की लिस्ट ज़रूर देख लें।

भक्ति, मर्यादा और मानव मूल्यों के अनन्य गायक गोस्वामी तुलसीदास

राजीव खण्डेलवाल

आज श्रावण मास की शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि है – वह पुण्य दिन जब संत शिरोमणि, महान भक्त कवि और समाज सुधारक गोस्वामी तुलसीदास जी इस धराधाम पर अवतरित हुए थे। तिथि के अनुसार यह दिन उनकी जयंती के रूप में पूरे देश में श्रद्धा और भक्ति भाव से मनाया जा रहा है।

तुलसीदास जी का जन्म संवत 1589 (ई. 1511) में उत्तर प्रदेश के बाँदा जनपद स्थित राजापुर गांव में हुआ था। उनके पिता का नाम आत्माराम दुबे तथा माता का नाम हुलसी था। कहा जाता है कि उनका जन्म 32 दाँतों के साथ हुआ था – जो सामान्य शिशु से भिन्न था और इसी कारण उन्हें अपशकुन मानकर त्याग दिया गया। बाद में गुरु नरहरिदास ने उनका पालन-पोषण किया और 'रामबोला' नामक बालक को राममंत्र की दीक्षा देकर अध्यात्म की दिशा में प्रेरित किया।जीवन का लक्ष्य – श्रीराम की भक्तितुलसीदास जी ने अपने जीवन को प्रभु श्रीराम की भक्ति में पूर्णतः समर्पित कर दिया। उनकी भक्ति केवल उपासना नहीं थी, वह समाज को जोड़ने और जीवन को संवारने का मार्ग बन गई। कहा जाता है कि उन्हें भगवान शिव और पार्वती के आशीर्वाद से स्वयं श्रीराम के दर्शन की अनुभूति हुई। इस आध्यात्मिक उपलब्धि ने उन्हें साधारण कवि से संत बना दिया।उनकी लेखनी ने न केवल रामकथा को घर-घर पहुँचाया, बल्कि हृदयों को छूने वाली भाषा और लोकशैली में अध्यात्म की गहराई भी दी। उन्होंने भक्ति को आडंबरों से हटाकर सीधे आत्मा से जोड़ने का कार्य किया।

रामचरितमानस – लोकभाषा में लोक-प्रेरणातुलसीदास जी की सबसे महान और कालजयी कृति है – रामचरितमानस। यह मूलतः संस्कृत में रचित वाल्मीकि रामायण का लोकभाषा अवधी में अत्यंत सरल और भावपूर्ण रूपांतरण है।₹रामचरितमानस' केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन की एक संहिता है – जिसमें धर्म, प्रेम, त्याग, मर्यादा, आदर्श और समाज के समुचित संचालन की प्रेरणा निहित है।यह ग्रंथ आज भी देशभर के लाखों घरों में श्रद्धा से पढ़ा जाता है। इसकी चौपाइयों में आत्मिक गहराई और सामाजिक चेतना का अद्भुत संगम देखने को मिलता है।हनुमान चालीसा – हर हृदय की धड़कनगोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित "हनुमान चालीसा"आज भारत के प्रत्येक कोने में गूंजती है। इसमें केवल हनुमान जी की स्तुति ही नहीं, अपितु भय से लड़ने, विश्वास बढ़ाने और संकटों पर विजय पाने की अनुपम प्रेरणा है।इसके अतिरिक्त उनकी अन्य रचनाएं जैसे– कवितावली, विनयपत्रिका, दोहावली, जानकी मंगल, इत्यादि भी आध्यात्मिक अनुभवों और समाज सुधार की झलकियों से युक्त हैं।समाज सुधारक के रूप में तुलसीःतुलसीदास जी केवल एक भक्त कवि नहीं थे, वे समाज सुधारक भी थे। उन्होंने अपने दोहों, चौपाइयों और कथनों के माध्यम से उस समय की सामाजिक विषमताओं और अंधविश्वासों पर करारा प्रहार किया।

उनका साहित्य जन-जन की भाषा में था, इसलिए वह सीधे हृदय तक पहुँचता है। उन्होंने स्त्री-पुरुष, ब्राह्मण-शूद्र, राजा-रंक – सभी के लिए समान भक्ति और मर्यादा का मार्ग दिखाया।आधुनिक सन्दर्भ में तुलसीदास जी का संदेशःआज के इस भागदौड़ भरे, मूल्यविहीन और दिशाहीन समय में तुलसीदास जी का जीवन और साहित्य हमारे लिए दीपस्तंभ के समान है। उन्होंने सिखाया कि सच्ची भक्ति वही है जो आत्मा को पवित्र करे और समाज को जोड़ने का कार्य करे।रामचरितमानस में वर्णित श्रीराम का आदर्श चरित्र आज भी एक राष्ट्रपुरुष, लोकनायक और मानवता के प्रतीक के रूप में प्रासंगिक है।

तुलसीदास जयंती हमें स्मरण कराती है कि यदि जीवन में संतुलन, मर्यादा और सच्चे आत्मिक विकास की ओर बढ़ना है, तो तुलसी साहित्य का आलोक हमें पथ दिखा सकता है।उनका जीवन, काव्य और भक्ति का भाव इस बात का प्रमाण है कि भक्ति केवल पूजा नहीं, बल्कि मनुष्य निर्माण की प्रक्रिया है।

गोस्वामी तुलसीदास जी के चरणों में सादर वंदन और उनकी शिक्षाओं को जीवन में आत्मसात करने का संकल्प – यही उनकी जयंती का सच्चा सम्मान होगा।जय श्रीराम। जय तुलसीदास जी। भक्ति मार्ग अमर रहे।

मंज़िल नहीं रुकती: व्हीलचेयर पर चलती ज़िंदगी की मुस्कान

दिव्यांगता के आधार पर निजी विश्वविद्यालय ने प्रवेश देने से किया था इनकार

जनता दर्शन में आया प्रकरण, डीएम की सख़्ती से खुला उच्च शिक्षा का रास्ता

नेशनल एक्सप्रेसए ब्यूरो।

कानपुर नगर दिव्यांगता को बाधा मानने वाली सोच उस समय झुक गई, जब जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह की सक्रियता और सख़्त हस्तक्षेप ने एक होनहार छात्रा को उसका शिक्षा का हक दिलाया। निजी विश्वविद्यालय द्वारा व्हीलचेयर पर आने की वजह से एलएलएम में दाख़िला न देने का मामला जब जनता दर्शन में सामने आया, तो डीएम ने तत्काल कार्रवाई कराते हुए व्यवस्था को संवेदनशीलता के साथ जवाबदेह बना दिया।

रामबाग निवासी श्रेया शुक्ला ने डीसी लॉ कॉलेज से एलएलबी की पढ़ाई पूरी की है। वह अब एलएलएम करना चाहती थीं। एक निजी विश्वविद्यालय ने पहले उन्हें प्रवेश का भरोसा दिया, पीडब्ल्यूडी श्रेणी में फीस में छूट दी और आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराने की बात भी कही। लेकिन जब श्रेया 29 जुलाई को दाख़िले के लिए पहुँचीं, तो यह कहकर मना कर दिया गया कि हम व्हीलचेयर पर आने वाले छात्रों का दाख़िला नहीं लेते। 30 जुलाई को श्रेया के पिता एल.के. शुक्ल (एडवोकेट) जनता दर्शन में जिलाधिकारी से मिले और प्रकरण की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने यूजीसी के दिशा-निर्देश, दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, और उच्चतम न्यायालय के निर्णयों का हवाला देते हुए बेटी के साथ हुए भेदभाव की शिकायत की। जिलाधिकारी ने इसे अत्यंत गंभीर प्रकरण मानते हुए तत्काल एसडीएम सदर अनुभव सिंह को निर्देशित किया कि विश्वविद्यालय प्रबंधन से बात कर छात्रा को उसका विधिक अधिकार दिलाया जाए। एसडीएम सदर ने उसी दिन विश्वविद्यालय से वार्ता कर नियमों की जानकारी दी और स्पष्ट निर्देश दिया कि दिव्यांग छात्रों को शिक्षा से वंचित करना न केवल अनुचित, बल्कि कानून के खिलाफ है।जिलाधिकारी स्वयं पूरे प्रकरण की मॉनिटरिंग करते रहे और श्रेया का दाख़िला सुनिश्चित होने तक निरंतर संपर्क में बने रहे। एक अगस्त को विश्वविद्यालय ने इंट्रेंस टेस्ट आयोजित किया जिसे श्रेया ने अच्छे अंकों के साथ पास किया। इसके बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने श्रेया को दाख़िला दिया।छात्रा और उनके पिता ने जिलाधिकारी और प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उनका कहना था कि यदि समय पर यह हस्तक्षेप न हुआ होता, तो एक योग्य छात्रा का साल बर्बाद हो जाता। जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार ने दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए समुचित नियम बनाये हैं।

किसी भी संस्था को अधिकार नहीं है कि वह दिव्यांगता की विशेषीकृत श्रेणी के आधार पर किसी छात्र या छात्रा को शिक्षा से वंचित करे। यदि ऐसा कोई मामला सामने आता है तो प्रशासन पूरी कठोरता से कार्यवाही करेगा।

जिलाधिकारी ने दिए वर्षा ऋतु में विद्यालयों की सुरक्षा के सख्त निर्देश

बच्चों को किसी भी दशा में जर्जर कक्षों में न बैठाया जाए

नेशनल एक्सप्रेसए ब्यूरो।

कानपुर नगर, वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए जनपद के समस्त विद्यालयों में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देश पर विशेष सावधानी बरतने के गाइडलाइन जारी किए गए हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक सन्तोष कुमार राय एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुरजीत कुमार सिंह ने विद्यालयों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया है कि किसी भी परिस्थिति में छात्रों को जर्जर या असुरक्षित कक्षों में न बैठाया जाए।

यदि किसी विद्यालय में सुरक्षित कक्ष उपलब्ध नहीं हैं, तो सक्षम स्तर से अनुमोदन प्राप्त कर विद्यार्थियों को निकटवर्ती विद्यालय में अस्थायी रूप से स्थानांतरित किया जाए और पठन-पाठन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। परिषदीय विद्यालयों के जर्जर कक्षों की मरम्मत हेतु सूची तत्काल खण्ड शिक्षा अधिकारी के माध्यम से जिला समन्वयक निर्माण को उपलब्ध कराई जाए।जिलाधिकारी ने अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के प्रबन्धकों एवं प्रधानाचार्यों को निर्देशित किया है कि वे विद्यालय भवनों का गहन निरीक्षण करें। जर्जर कक्षों को चिन्हित कर उन्हें निष्प्रयोज्य घोषित करते हुए 'X' के लाल निशान के साथ बैरिकेटिंग कर बंद कर दिया जाए। यदि किसी विद्यालय में लापरवाही के कारण कोई दुर्घटना होती है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी सम्बन्धित संस्था प्रमुख की व्यक्तिगत रूप से होगी।

विद्यालय परिसर, शौचालय एवं रसोईघर की नियमित सफाई, भोजन तैयार करने के स्थान का कीड़े-मकोड़ों और जालों से मुक्त होना, तथा बच्चों को स्वच्छता के साथ भोजन उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। खाद्य सामग्री एयर-टाइट डिब्बों में सुरक्षित रखी जाए और केवल भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) द्वारा प्रमाणित सामग्री का उपयोग किया जाए। इसके अतिरिक्त, विद्यालयों में अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता, स्टाफ को उनके संचालन का प्रशिक्षण, फर्स्ट एड बॉक्स में मान्य दवाओं की उपलब्धता तथा किसी भी आपात स्थिति में सम्बन्धित अधिकारियों और निकटवर्ती स्वास्थ्य केंद्र को तत्काल सूचना देने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि छात्रों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। यदि इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाई गई, तो दोषी के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी।

नातिन ने कहा अगर जरूरत पड़ी तो विधिक कार्यवाही भी करेंगे

नेशनल एक्सप्रेसए ब्यूरो।

कानपुर, एनडीए में शामिल अपना दल (एस) से असंतुष्ट होकर एक नया संगठन तैयार करने वाले एक नेता पर भाजपा सरकार में पूर्व मंत्री के परिजनों ने यह आरोप लगाया है कि राजनीतिक महत्वाकाँक्षा की पूर्ति हेतु उनके बाबा जी की फोटो, नाम व ख्याति का लाभ लेना चाहता है। यह भी आरोप लगाया कि असंतुष्ट नेता, सूबे की जनता व समाज को गुमराह कर रहा है, जबकि उनके बाबा जी ने निःस्वार्थ भाव से जन कल्यार्थ कार्य किया है, वो सदैव ही स्वार्थपरक राजनीति से दूर रहे एवं प्रदेश की जनता की सेवा करते रहे। साकेत नगर स्थित एक गेस्ट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में उत्तर प्रदेश में पूर्व मंत्री रहे चौधरी नरेन्द्र सिंह की नातिन निहारिका सिंह ने बताया कि, निजी स्वार्थ की पूर्ति हेतु एनडीए में शामिल राजनैतिक पार्टी 'अपना दल' (एस) से असंतुष्ट होकर 'अपना मोर्चा' नाम का एक राजनैतिक संगठन तैयार किया गया है और उसके नेता ब्रजेन्द्र प्रताप सिंह व उसके नेतागण चौधरी नरेन्द्र सिंह की फोटो लगाकर जनता को धोखा देने का काम कर रहे हैं। इसका हम लोग पुरजोर विरोध करते हैं और सभी से अपील करते हैं कि इन स्वार्थी नेताओं के बहकावे में कतई न आयें।

निहारिका ने यह भी कहा, ''हम अपने बाबा चौधरी नरेन्द्र सिंह की फोटो व नाम का प्रयोग करने का निर्णय लेना हमारे परिवार का व्यक्तिगत मामला है और अगर कोई स्वार्थी व्यक्ति, हमारे बाबा जी का नाम का प्रयोग अपने स्वार्थ सिद्ध करने के लिये करेगा, तो हम सब खुलकर विरोध करेंगे और उसके मंसूबों को कतई पूरा नहीं होने देंगे। प्रेस वार्ता में निहारिका सिंह, भाजपा जिलामंत्री दक्षिण संजय कटियार व दीप्ति सिंह मौजूद रहीं।

अकबरपुर में सिानों के खातों में पहुँची पीएम किसान निधि की 20वीं किस्त

नेशनल एक्सप्रेसए ब्यूरो।

कानपुर देहात आज दिनांक 02.08.2025 को विकासखंड अकबरपुर में कृषि विभाग द्वारा किसानों के खाते में किसान सम्मान निधि की 20 वीं किस्त वाराणसी से सीधे किसान भाइयों के खाते में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा भेजी गई।

जिसका सीधा प्रसारण विकासखंड अकबरपुर में किसान भाइयों को दिखाया गया आज के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय ब्लॉक प्रमुख आशीष मिश्रा की उपस्थिति में कार्यक्रम नोडल अधिकारी एडीओ कृषि प्रवीर सिंह, कार्यक्रम आयोजक बच्चन लाल, जयवीर सिंह वरिष्ठ प्राविधिक सहायक,कृषि विभाग के कर्मचारी शिवमंगल सिंह, प्रवीण प्रताप सिंह, कुलदीप कुमार , जगत सिंह और करीब 70 किसानों की उपस्थिति में आज का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस दौरान POS मशीन से पंजीकृत किसान भाइयों को अंगूठा लगवा करके बाजरा 2 kg पैकेट का 45 कृषकों को, रागी 3 kg का पैकेट 10 कृषकों को वितरण भी किया गया। कुल 55 किसान भाइयों को मिनीकिट दी गई। इस दौरान घनश्याम तिवारी, बलजीत सिंह, अनिल कुमार, कृषि सखी आरती, किरण उपस्थित रही।

"राज्य कर्मचारी महासंघ में दो नई नियुक्तियाँ, संगठन में आई नई ऊर्जा"

कानपुर देहात उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ ने हाल ही में दो अहम नियुक्तियाँ कर संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। संगठन की ओर से जारी किए गए पत्रों में स्पष्ट निर्देशों और कार्ययोजना का उल्लेख करते हुए विभिन्न स्तरों पर पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है, जिससे महासंघ की गतिविधियों में नई ऊर्जा का संचार देखने को मिल रहा है।

कानपुर देहात में इंफसर अली बने ब्लॉक अध्यक्ष

दिनांक 29 जुलाई 2025 को प्रदेश महामंत्री राम नरेश यादव द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में बताया गया कि विकास खंड कानपुर देहात के पंचायत राज विभाग में कार्यरत कर्मचारियों ने महासंघ की सदस्यता ली है। इस आधार पर श्री इंफसर अली को ₹ब्लॉक अध्यक्ष₹ पद पर मनोनीत किया गया है। यह नियुक्ति संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने और कर्मचारियों के हितों की प्रभावी ढंग से रक्षा हेतु की गई है।

इस पत्र की प्रतिलिपि जिलाधिकारी, वरिष्ठ कोषाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, खंड विकास अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को प्रेषित की गई है।कानपुर देहात में कमलेश यादव को सौंपी गई जिम्मेदारी

दूसरी ओर, दिनांक 11 जुलाई 2025 को महासंघ की गोविंद नगर शाखा, जिला कानपुर देहात में श्री कमलेश यादव को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह मनोनयन जिलाध्यक्ष ईश्वर चंद्र द्वारा किया गया। पत्र में उल्लेख है कि श्री यादव का अब तक का संगठनात्मक कार्य अत्यंत सराहनीय रहा है और उनके अनुभव से संगठन को नई दिशा व मजबूती मिलेगी।इस नियुक्ति पत्र की प्रतिलिपि भी संबंधित जिला प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षा विभाग, पंचायत विभाग एवं शाखा कार्यालय के अधिकारियों को भेजी गई है।

संगठन की सक्रियता में इजाफा

महासंघ की ओर से की गई ये नियुक्तियाँ यह दर्शाती हैं कि संगठन अब अधिक सक्रियता के साथ कार्य कर रहा है। पदाधिकारियों की नियुक्ति पारदर्शिता और कर्मचारियों की भागीदारी को ध्यान में रखकर की जा रही है। इससे न केवल संगठन की साख बढ़ेगी, बल्कि कर्मचारी हितों की प्रभावी पैरवी भी सुनिश्चित होगी।

जिलाधिकारी के निर्देशन में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हो रहा सतत निरीक्षण, राहत कार्यों में तेजी से जुटा प्रशासन

नेशनल एक्सप्रेसए ब्यूरो।

कानपुर देहात जनपद के कुछ गांवों में आई बाढ़ की स्थिति को देखते हुए जिलाधिकारी कपिल सिंह के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) दुष्यंत कुमार मौर्य तथा अन्य संबंधित अधिकारी लगातार बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा सतत रूप से कर रहे हैं।

अधिकारियों द्वारा विभिन्न बाढ़ प्रभावित ग्रामों एवं बाढ़ राहत चौकियों का निरीक्षण किया जा रहा है। इस दौरान वे प्रभावित परिवारों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं की जानकारी लेते हुए तत्काल राहत और सहायता उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक कदम उठा रहे है। अपर जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को राहत सामग्री के वितरण, चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता, स्वच्छ पेयजल एवं आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि किसी भी प्रभावित व्यक्ति को खाद्य सामग्री, पीने के पानी, चिकित्सा सुविधा या आश्रय की कमी न होने पाए। निरीक्षण के दौरान बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुओं के चारे की व्यवस्था, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता और बाढ़ राहत शिविरों की कार्यप्रणाली की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार प्रशासनिक टीमें रोजाना प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर स्थिति की निगरानी कर रही हैं और जहां भी आवश्यकता है, वहां तुरंत राहत पहुंचाई जा रही है।

जिलाधिकारी ने कहा कि प्रभावित लोगों को समय पर मदद पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि बाढ़ की स्थिति पर लगातार नजर रखें, राहत कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो और जरूरतमंदों तक हर संभव मदद शीघ्र पहुंचाई जाए।

इसके साथ ही उन्होंने बाढ़ प्रभावित गांवों के लोगों से अपील की कि वे किसी भी समस्या या आवश्यकता की जानकारी तुरंत संबंधित बाढ़ चौकियों या प्रशासनिक अधिकारियों को दें, ताकि उन्हें तत्काल सहायता प्रदान की जा सके। बाढ़ चौकियों पर आमजनमानस हेतु राहत कैम्प व मेडिकल कैम्प के नियमित आयोजन सहित लंच पैकेट वितरित करायें जा रहे है। उन्होंने कहा कि जनपद स्तर पर स्थापित ई०ओ०सी० /बाढ कंट्रोल रूम टोल फ्री नम्बर 1077 एवं मो०नम्बर- 9044070030, 9454416429 पर भी सम्पर्क कर समस्या बतायी जा सकती है।

मुजफ्फरपुर से गुजरात जा रही ट्रेन कानपुर के नजदीक पटरी से उतरी

नयी दिल्ली/कानपुर,(भाषा) बिहार के मुजफ्फरपुर से गुजरात जा रही एक ट्रेन के दो डिब्बे शुक्रवार दोपहर उत्तर प्रदेश के कानपुर और टूंडला के बीच पटरी से उतर गए। रेल मंत्रालय के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि घटना में कोई भी गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ है क्योंकि मुजफ्फरपुर-साबरमती जनसाधारण एक्सप्रेस की गति 15 किलोमीटर प्रति घंटे से कम थी। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी ने कहा, ''इंजन से छठे और सातवें नंबर के दो सामान्य डिब्बे शाम चार बजकर 20 मिनट पर भाऊपुर यार्ड की लूप लाइन में पटरी से उतर गए।'' उन्होंने कहा, ''उस समय ट्रेन धीमी गति से चल रही थी, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।'' अधिकारियों के अनुसार, कि ट्रेन के गार्ड ने टूंडला नियंत्रण कक्ष को सूचित किया, जिसने कानपुर के क्षेत्र नियंत्रक और अन्य को सूचित किया। इसके बाद एक दुर्घटना राहत चिकित्सा वैन और क्रेन को घटनास्थल पर भेजा गया। उन्होंने बताया कि घटना में किसी के गंभीर रूप से घायल होने या मरने की सूचना नहीं है, लेकिन कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आईं और उन्हें घटनास्थल पर ही प्राथमिक उपचार दिया गया। ट्रेन को पटरी से उतरते देखने वाले यात्रियों ने अधिकारियों को बताया कि डिब्बे अचानक झुक गए, जिससे अफरा-तफरी मच गई। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित कई यात्रियों को उनके साथी यात्रियों ने प्रभावित डिब्बों से बाहर निकलने में मदद की।

पंचमुखी हनुमान मंदिर के महंत पर धमकी और मारपीट का आरोप, पनकी पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

नेशनल एक्सप्रेसए ब्यूरो।

कानपुर की पनकी पुलिस ने पंचमुखी हनुमान मंदिर के महंत कृष्णदास के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि कृष्णदास ने उनके खिलाफ पूर्व में दर्ज मुकदमें को वापस लेने और पैरवी नहीं करने को लेकर धमकी दी और मारपीट की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

डीसीपी वेस्ट दिनेश त्रिपाठी ने बताया कि पनकी मंदिर के महंतों के आपसी विवाद का मामला है। मंदिर के महंत सुरेश दास ने तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि दूसरे गुट के महंत कृष्ण लाल शुक्ला उर्फ कृष्ण दास जो स्वयं को मन्दिर का स्वयंभू महन्त घोषित किये हैं। प्रार्थी को जान से मारने की नीयत से कई बार जानलेवा हमले कराया

और 8 अक्तूबर 2021 को उक्त कृष्ण लाल शुक्ला ने योजनाबद्ध होकर प्रार्थी को जान से मारने की नीयत से अपने साथियों के साथ मिलकर लाठी-डण्डों व पिस्टल से सरेशाम जान लेवा हमला कर दिया था।हमले में प्रार्थी को गम्भीर चोटें आई थीं। पनकी पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज करके जांच शुरू की थी। न्यायालय की जांच के बाद समुचित धाराओं में आरोपपत्र दाखिल नहीं किया गया। इस पर उन्होंने ने पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार से केस की अग्रिम विवेचना कराने की मांग की थी। आरोप है कि यह जानकारी होने पर कृष्ण लाल शुक्ला बौखला गये और प्रार्थी को ऊपर दवाब बनाने लगा। 27 जून 2025 की रात 12 बजे जब वह भगवान जगन्नाथ जी की शोभायात्रा में रथ पर बैठे थे।

इस दौरान शोभायात्रा कपड़ा मार्केट जनरलगंज में थी तभी कृष्ण दास ने अपने बेटे सौरभ शुक्ला और अन्य गुंडों के साथ हमला कर दिया। प्राथी से मुकदमा वापस लेने की बात कही गयी जिसका विरोध करने पर उक्त लोग प्रार्थी के साथ गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी देने लगे।

शोभायात्रा में भीड़भाड़ होने के चलते वहां पर विवाद नहीं बढ़ाया। अब मामले में पनकी पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। थाना प्रभारी मानवेंद्र सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले में जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। दोनों पक्षों में पुराना विवाद चला आ रहा है।

नए जिलाधिकारी के स्वागत में पंचायती राज सफाई कर्मचारी संघ ने किया सम्मान समारोह

आज उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष कुलदीप कुमार एवं जिला महामंत्री अर्जुन लाल के द्वारा नए जिलाधिकारी महोदय कानपुर देहात का पद ग्रहण करने पर शंकर भगवान का स्मृति चिन्ह बुक एवं पटका पहनाकर स्वागत करते चतुर्थ श्रेणी के जिला अध्यक्ष ईश्वर चंद महामंत्री सुनील सविता जिला कोषाध्यक्ष सुजीत कुमार ब्लॉक मैथा जिला संरक्षक कमलेश बाबू गौतम ब्लॉक अध्यक्ष मनोज कुमार ज्योतिष कुमार आदि लोग उपस्थित रहे.

संपूर्ण समाधान दिवस पर जिलाधिकारी ने सुनी जन समस्याएं, दिए निर्देश

नेशनल एक्सप्रेसए ब्यूरो।

कानपुर देहात,जिलाधिकारी कपिल सिंह ने तहसील डेरापुर में आयोजित तहसील समाधान दिवस में अध्यक्षता करते हुए जनसामान्य की समस्याएं सुनीं और सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को उनके समयबद्ध व गुणवत्तापरक निस्तारण के स्पष्ट निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस का उद्देश्य जनता की समस्याओं का त्वरित एवं संतोषजनक समाधान करना है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि लाभार्थीपरक योजनाओं से संबंधित विभाग, जैसे समाज कल्याण विभाग, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग आदि, तहसील दिवस पर कैंप आयोजित करें, ताकि पात्र शिकायतकर्ताओं को उसी दिन योजनाओं से जोड़ा जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि सीएम डैशबोर्ड, माननीय मुख्यमंत्री संदर्भ तथा आईजीआरएस पोर्टल के माध्यम से प्राप्त हो रही शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण की फीडिंग नियमित रूप से की जाए और रैंडम आधार पर अधिकारी स्वयं उसका परीक्षण करें। केवल

संतुष्टिपरक निस्तारण ही पोर्टल पर अपलोड किया जाए ताकि पीड़ति को वास्तविक लाभ मिल सके और शासन की मंशा के अनुरूप कार्य सुनिश्चित हो। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि वे शिकायतों के समाधान के लिए मैदानी स्तर पर निरीक्षण करें और समाधान की प्रगति की निरंतर समीक्षा करें। इस अवसर पर कई विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे और जनता की विभिन्न शिकायतों जैसे भूमि विवाद, पेंशन, आवास, विद्युत, राजस्व, पुलिस व विकास से संबंधित मामलों को सुनकर आवश्यक कार्यवाही की गई। समाधान दिवस के अवसर पर कई नागरिकों ने भूमि, रास्ता, अतिक्रमण, भवन निर्माण व पारिवारिक विवाद से जुड़ी शिकायतें दर्ज कराईं, जिनमें ग्राम सिठमरा निवासी सतीश पुत्र कैलाश द्वारा भूमि संबंधी विवाद एवं निर्माण कार्य की शिकायत प्रस्तुत की गई, जिसमें यह बताया गया कि सड़क और भवन निर्माण हेतु भूमि विवाद का प्रकरण व शिकायतकर्ता ग्राम सजनीपुर निवासी सतीश चंद्र द्वारा दी गई शिकायत में बताया गया कि रास्ते पर अवैध निर्माण कर रास्ता बाधित किये जाने की शिकायत पर उसका स्थलीय परीक्षण कर निस्तारण किये जाने हेतु तहसीलदार डेरापुर को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इन सभी मामलों को संज्ञान में लेते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों की स्थलीय जांच, आवश्यक सत्यापन, एवं विधिक प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई कर अविलंब रिपोर्ट प्रस्तुत करें। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि शिकायतों का निस्तारण केवल कागज़ी न होकर वास्तविक समाधान पर आधारित हो, जिससे जनता का शासन में विश्वास बना रहे। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से कहा कि योजनाओं का लाभ शासनादेश के अनुक्रम में पात्र व्यक्तियों तक ही पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्थिति में अपात्र व्यक्ति लाभ न पाए और कोई पात्र व्यक्ति वंचित न रह जाए। तहसील समाधान दिवस में विद्युत 22, पुलिस 15, सिंचाई 02, शिक्षा 03, डीआरडीए 05, समाजकल्याण 10, विकास खण्ड सम्बन्धित 20, बैक सम्बन्धित 01, श्रम विभाग 01, पूर्ति 02, नगर पंचायत 02, राजस्व 80 कुल 163 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 05 शिकायतों का निस्तारण मौके पर किया गया, शेष पर कार्रवाई प्रक्रिया गत है। जिलाधिकारी ने कहा कि समस्त प्राप्त शिकायतों का निस्तारण शीघ्र कराते हुए रिपोर्ट प्रेषित की जाये। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक अरविन्द्र मिश्र, अपर जिलाधिकारी न्यायिक दिग्विजय सिंह, डीएफओ एके पाण्डेय, सीएमओ डा0 एके सिंह, उप जिलाधिकारी डेरापुर सुरभी शर्मा, तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित अन्य जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

विदेश में अच्छी नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी

ठाकुरद्वारा। सऊदी अरब में महिला के पुत्र को अच्छी नौकरी दिलाने के नाम पर 80 हजार रुपए ठग लिए।पैसे वापस मांगने पर पीड़िता को जान से मारने की धमकी दी। थाना डिलारी के गांव चांदखेड़ी निवासी कनीजा पत्नी नवी हसन नेसंपूर्ण समाधान दिवस अधिकारी को शिकायती पत्र देकर कहा कि करीब 9 महापुर तहसील क्षेत्र के दो व्यक्तियों से उसकी जान पहचान हुई थी जिन्होंने अपने आप को एजेंट बताते हुए कहा कि वह उसके पुत्र को सऊदी अरब में अच्छी सैलरी पर नौकरी लगवा देंगे। जिसके लिए एक लाख रुपए देने होंगे।पीड़िता ने आरोपियों को 80000 रुपए नगद देकर सऊदी अरब भेजने के बाद 20000 रुपए देना तय कर लिया। आरोप है कि उसके पुत्र मुकीम अहमद को आरोपियों ने सऊदी अरब नहीं भेजा और उसका पासपोर्ट भी रख लिया। जब उसने उनसे अपने पैसे और पासपोर्ट मांगे तो उन्होंने उसे जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।--

बार एसोसिएशन मुरादाबाद की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को सौंपे गए निर्वाचन प्रमाण पत्र

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

मुरादाबाद। बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी मुरादाबाद के वार्षिक चुनाव में निर्वाचित नई कार्यकारिणी को निर्वाचन प्रमाण पत्र वितरित किए गए। यह कार्यक्रम बार सभागार में आयोजित हुआ, जिसकी अध्यक्षता एल्डर कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष विजय गुप्ता ने की, जबकि संचालन वरिष्ठ अधिवक्ता संजय सोनी ने किया।

कार्यक्रम में एल्डर कमेटी के सदस्यों सुभाष चंद्र गर्ग और महेश चंद त्यागी ने संयुक्त रूप से सभी विजयी उम्मीदवारों को प्रमाण पत्र वितरित किए। साथ ही, सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का फूलों के बुके देकर सम्मान किया गया।

निर्वाचित पदाधिकारी इस प्रकार हैं,अध्यक्ष आनंद मोहन गुप्ता,महासचिव कपिल गुप्ता,वरिष्ठ उपाध्यक्ष अंज़ार हुसैन, कोषाध्यक्ष, अजय बंसल,कनिष्ठ उपाध्यक्ष पुनीत चौहान, सचिन शर्मा,संयुक्त सचिव जितेंद्र प्रताप सिंह जेपी,आवरण अग्रवाल, रमा पंत पांडे,अनिल गुप्ता,आशीष उपाध्याय, कैलाश सिंह, जाबिर हुसैन, शिवकुमार गौतम, सुरेश,अभिनव भट्ट, सुनील कुमार सक्सेना, काजल सिंह, फिरोज आलम, पंकज शर्मा, सचिन कुमार एल्डर कमेटी ने सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को शुभकामनाएं दीं और शांतिपूर्ण व निष्पक्ष चुनाव के लिए चुनाव संचालन समिति एवं बार स्टाफ की सराहना की।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष आनंद मोहन गुप्ता ने एल्डर कमेटी और चुनाव समिति को धन्यवाद देते हुए अधिवक्ताओं को साथ मिलकर कार्य करने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम में चुनाव संचालन समिति के सदस्यगण नरेंद्र सिंह चौहान, शमशेर सिंह, जगदीश चंद्र मिश्रा, चौधरी राजेंद्र सिंह, अनिल कुमार सिंह, सतीश कुमार विश्नोई, संजय सक्सेना, विशाल कांत, रमेश सिंह आर्य समेत अनेक सदस्य और बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे।

दहेज की मांग के चलते विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाला

ठाकुरद्वारा। बाइक और फ्रिज व एक लाख रुपए की नकदी की मांग के चलते विवाहिता को ससुरालियों ने मारपीट कर बच्चों सहित घर से निकाल दिया। पीड़िता ने आरोपियों खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती की शादी करीब 13 साल पूर्व थाना डिलारी के गांव निवासी युवक के साथ हुई थी। विवाहिता का आरोप है कि शादी के 3 साल बाद उसके ससुराल वाले दहेज में फ्रिज और बाइक व एक लाख रुपए की नकदी की मांग के चलते उसे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगे और उसका जेठ उसके साथ अश्लील हरकतें करता था शिकायत करने पर आरोपी उसके साथ मारपीट करते थे। मई 2025 को सभी आरोपियों ने उसे मारपीट कर तीन बच्चों के साथ घर से निकाल दिया। पीड़िता ने संपूर्ण समाधान दिवस अधिकारी को शिकायती पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।--

एआईसीटीई के संग टीएमयू में यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज पर एफडीपी

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

मुरादाबाद। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद-एआईसीटीई के सहयोग से यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज पर सारगर्भित और विचारोत्तेजक एफ़डीपी में एआईसीटीई की ओर से डॉ. पारुल वर्मा और डॉ. पवनेन्द्र कुमार की बतौर रिसोर्स पर्सन, डॉ. अरुण कुमार पाण्डेय की बतौर पर्यवेक्षक रही।

महत्वपूर्ण भागीदारी, एआईसीटीई की ओर से डॉ. पारुल वर्मा और डॉ.पवनेन्द्र कुमार बतौर रिसोर्स पर्सन, जबकि डॉ. अरुण कुमार पाण्डेय बतौर पर्यवेक्षक आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही।

तीन दिनी इस एफडीपी के 12 सत्रों के जरिए शिक्षकों को मूल्य-आधारित शिक्षा के दर्शन, सिद्धांतों और व्यावहारिक अनुप्रयोगों से अवगत कराया गया, ताकि वे न केवल विषय विशेषज्ञ बनें, बल्कि स्टुडेंट्स के समग्र विकास में मार्गदर्शक की भूमिका निभा सकें।

एफडीपी के समापन मौके पर टीएमयू के वीसी प्रो. वीके जैन के संग-संग यूनिवर्सिटी की डीन एकेडमिक्स एवम् एफडीपी की चेयरपर्सन प्रो. मंजुला जैन, एफडीपी की कन्वीनर डॉ. नेहा आनन्द, सामंजस्य की समझ पर सत्र केंद्रित रहे।

परिवार में सामंजस्य, सम्मान का सही मूल्यांकन, रिश्तों की अन्य भावनाएं जैसे स्नेह, देखभाल, मार्गदर्शन, श्रद्धा, महिमा, कृतज्ञता और प्रेम पर भी विस्तृत से चर्चा की उल्लेखनीय है।

यह एफडीपी केवल एक प्रशिक्षण नहीं, बल्कि एक आंतरिक परिवर्तन की यात्रा रही। प्रतिभागियों ने अनुभव किया कि मूल्य आधारित शिक्षा से न केवल स्टुडेंट्स में सकारात्मक परिवर्तन आता है।

प्रो. रामनिवास, डॉ. संदीप वर्मा आदि के संग मुरादाबाद के सेंट मीरा एकेडमी, रामपुर के इम्पैक्ट कॉलेज, बिलासपुर के एपेक्स इंजीनियरिंग कॉलेज के टीचर्स भी मौजूद रहे।

भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने किसानों की समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

नेशनल एक्सप्रेस तहसील रिपोर्टर

ठाकुरद्वारा। भारतीय किसान यूनियन जिला अध्यक्ष घनेद्र शर्मा के नेतृत्व में भारतीय कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी करते हुए जुलूस निकालकर शनिवार को तहसील परिसर स्थित सभागार में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंच कर किसानो की समस्याओं के संबंध में ज्ञापन उपजिलाधिकारी को दिया।

एक पंचायत भारतीय किसान यूनियन की ब्लॉक परिसर में हुई। अध्यक्षता तहसील अध्यक्ष चौधरी राजेंद्र सिंह ने की तथा संचालन तहसील महासचिव हरीराज सिंह ने किया।

पंचायत के बाद जिलाध्यक्ष घनेंद्र शर्मा के नेतृत्व में किसान नारेबाजी करते हुए तहसील परिसर पहुंचे और संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंचकर उपजिलाधिकारी को ज्ञापन दिया। जिसमें किसान हित में डॉक्टर स्वामीनाथन रिपोर्ट के अनुसार एमएसपी लागू करने,ठाकुरद्वारा से हरिद्वार तक रोडवेज बसें चलाने और कम से कम पांच गाड़ियां सूरजन नगर से मुरादाबाद के लिए भी रोडवेज बस चलें, ग्राम पिपली अहीर में कई ग्राम लगते हैं उसमें प्रथमा ग्रामीण बैंक की शाखा खुलवाई जाए, सरकड़ा परम से जफराबाद से होते हुए बैरमपुर तक रोड टूट गई है तथा कनकपुर से सूरजनगर तक तथा पिपली अहीर से सूरज नगर तक की रोड बन गई है परंतु कुछ रह गई है उसे तुरंत बनवाया जाए,

प्रत्येक गांव में चोरों का आतंक मचा हुआ है प्रत्येक गांव में खंबो पर बल्ब लगाई जाए ताकि हर गांव में लाइट जलती रहे।

उक्त मांगों पर विचार न किया तो भाकियू आंदोलन पर उतारू होगी। प्रमुख रूप से घनेंद्र शर्मा मुरादाबाद जिला अध्यक्ष ,सुमित चौहान कोष अध्यक्ष ,सोमवीर सिंह ब्लॉक अध्यक्ष ठाकुरद्वारा मनीष कुमार, मुन्ना सिंह ,विजेंद्र सिंह ,राजेंद्र सिंह, प्रेम सिंह, उदयपाल यादव आदि उपस्थित रहे।

छात्रों के दो गुट भिड़े,जमकर लाठी डंडे चले, "पुलिस जांच पड़ताल में जुटि"

ठाकुरद्वारा। छात्रों के दो गुट सड़क पर आपस में भीड़ गए। जमकर लाठी डंडे और ईंट पत्थर चले जिससे अफरा तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुड़ गई है। नगर के नागरिया रोड पर दोपहर करीब 1:30 बजे छात्रों के दो गुट आपस में भिड़ गए देखते ही देखते दोनों पक्ष में जमकर लाठी डंडे और ईंट पत्थर चलने लगे जिससे अपरा तफरी मच गई।कुछ देर बाद दोनों पक्ष मौके से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है।

किसानों ने प्रधानमंत्री द्वारा 20 वीं किश्त जारी करने के कार्यक्रम के सीधे प्रसारण को कृषि विज्ञान केंद्र पर देखा

नेशनल एक्सप्रेस फहीम अंसारी

ठाकुरद्वारा। मलपुरा लक्ष्मीपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर शनिवार को पीएम किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत 20 वीं किश्त वितरण कार्यक्रम पी एम किसान उत्सव का सजीव प्रसारण केंद्र पर कृषकों को दिखाया गया।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 20 वीं किस्त जारी हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ये किस्त वाराणसी से जारी की है, जहां से 9.70 करोड़ पात्र किसानों के बैंक खाते में ये राशी दे दी गई।

इस मौके पर कार्यक्रम को देखने आये कृषकों के खेती बाड़ी से जुड़ी समस्याओं का निदान भी किया गया। कार्यक्रम में आये किसानों का केंद्र के प्रभारी अधिकारी, डॉ रवींद्र कुमार द्वारा स्वागत किया गया तथा उनके द्वारा किसानों को मृदा स्वास्थ्य एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड के महत्व बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

केंद्र के पौध सुरक्षा के वैज्ञानिक दीपक कुमार ने कृषकों को खरीफ की फसलों में लगने वाली कीट व्यधि की रोकथाम के बारे में जानकारी दी।

डॉ राजेश कुमार द्वारा खुरपका-मुंहपका एफएमडी और पीपीआर जैसे रोगों से पशुओं की सुरक्षा के लिए समय पर टीकाकरण और जैव-सुरक्षा उपायों के महत्वङ्क को समझाया। केंद्र के सस्य वैज्ञानिक अविनाश चौहान द्वारा कम पानी में अधिक उपज के लिए आधुनिक सिंचाई तकनीकें के सम्बंध में जानकारी दी।

कार्यक्रम में कृषि विभाग के वरिष्ठ प्राधिविक सहायक नौबाहर सिंह, रामगोपाल एस.एम.एस नाजिम सुल्तान, मुनेश कुमार एस.एम.एस.दिनेश एटीएम भूपेंद्र एटीएम ने भी शिरकत करी। कार्यक्रम में बलजिंदर सिंह, हरदीप सिंह, गुरप्रीत, ब्रह्मपाल, अशोक, आबिद हुसैन, बलबीर, राम कुमार, लांगरी राम, परमजीत कौर, हरिओम आदि लगभग 152 किसानों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में पुष्पराज यादव, रणवीर सिंह, संदीप कुमार व दिनेश कुमार ने योगदान दिया।

तहसील सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

- 24 फरियादियों ने पहुंचकर की शिकायतें

ठाकुरद्वारा। तहसील परिसर स्थित सभागार में शनिवार को उप जिलाधिकारी प्रीति सिंह की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें 24 फरियादियों ने पहुंचकर अपनी शिकायतें दर्ज कराई। मौके पर मात्र एक शिकायत का निस्तारण हो सका। उप जिलाधिकारी ने सभी शिकायतों के गुणवत्ता पूर्वक निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है। इस दौरान संपूर्ण समाधान दिवस में तहसीलदार प्रवीन कुमार, पुलिस क्षेत्राधिकारी रुद्र कुमार सिंह,इंस्पेक्टर क्राइम संजय शुक्ल व सभी विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

झगड़ा करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज, पुलिस जांच में जुटी

भोजपुर। वादी सुनील पुत्र नामेचंद्र ग्राम त्रिलोकपुर ने भोजपुर प्रभारी शरद मलिक को तहरीर देकर बताया कि में शुक्रवार शाम को मेरे गांव पडोस के चन्द्रपाल पुत्र सुमेश राम सिंह पुत्र शेर सिंह, प्रीति पुत्र शेर सिंह, विजेन्द्र पुत्र पप्पु, लाईट का तार लगवाने को लेकर मुझे और मेरे भाईयो को गालीयां देने लगे जब मैने इन लोगो से गाली देने को मना किया तो इन लोगो मुझे सरिये और लोहे के पाईप से मारा-पीटा जिससे मेरे सिर व हाथ में गहरी चोट लगी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

बीच बचाव में आया मेरा भाई दीपक को भी मारा पीटा और मुझे जान से मार डालने की धमकी दी है। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई।

जिलाधिकारी ने किया अटल आवासीय विद्यालय का निरीक्षण

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

मुरादाबाद। जिलाधिकारी अनुज सिंह ने तहसील बिलारी के ग्राम पीपली में बने अटल आवासीय विद्यालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बताया कि शीघ्र ही अटल आवासीय विद्यालय का लोकार्पण प्रस्तावित है। यहां पर शिक्षा-सत्र शुरु हो गया है। कोई कमी संज्ञान में आती है तो उसे शीघ्र ही पूर्ण करा लिया जायेगा। अटल आवासीय विद्यालय में 541 छात्र,छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। और एक अच्छा शैक्षिक सत्र विद्यालय में चल रहा है।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविनाश जोशी, अपर जिलाधिकारी प्रशासन गुलाब चन्द्र सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहें।

कार्य नही होने पर ग्रामीण ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज की

भगतपुर। जनपद मुरादाबाद की ब्लॉक भगतपुर क्षेत्र के गांव बेरखेड़ा में विकास कार्यों के नाम पर लोगों की ज़िंदगियों से खिलवाड़ हो रहा है।

बरसात के चलते विकास की पोल खुलकर लोगों के सामने आ रही है। नालें नदियां बन चुके हैं। रास्तों की स्थिति इस बात से ही लगाई जा सकती है कि रास्तों में कीचड़- व जलभराब से घास उग चुकी है।

जिससे ज़हरीले मच्छर भी जन्म ले रहे हैं। जोकि पूरे गांव को नई से नई बिमारियों के पनपनें का संकेत दे रहे हैं। जिससे गुस्साए ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज कराई जहां पर ग्रामीण को जवाब मिला की तुम्हारे गांव के विकास को लेकर जांच कराई जाएगी।

रंजिश के चलते युवक की पीट-पीटकर हत्या,पुलिस जुटी जांच में

नेशनल एक्सप्रेस संवाददाता

मुरादाबाद। जनपद के थाना कटघर क्षेत्र स्थित होली का मैदान इलाके में बीती रात एक दर्दनाक वारदात सामने आई। जिसमें 20 वर्षीय युवक देवू की उसके पड़ोसियों ने कथित तौर पर रंजिश के चलते घर के अंदर पीट-पीटकर हत्या कर दी। परिवार वालों के अनुसार देवू की पड़ोसियों से पहले से रंजिश चली आ रही थी।

मृतक के चाचा ने बताया कि देवू की मां का इलाज हरिद्वार में चल रहा था। और वह अपने इलाज के खर्च के लिए उनसे पैसे लेने आया था। उसी दौरान किसी बात को लेकर पड़ोसियों से कहासुनी हो गई, जो बाद में हिंसक झड़प में बदल गई।

आरोप है कि पड़ोसियों ने घर में घुसकर देवू को बेरहमी से पीटा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक के चाचा ने बताया कि रंजिश की वजह उनका मकान था। जिसे लेकर पड़ोसी नाराज़ रहते थे।घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक टीम को बुलाया गया है। और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मारपीट करने पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी

भोजपुर। वादी सोनू पुत्र जगत सिंह ग्राम नेकपुर ने थाना प्रभारी को शिकायती पत्र देकर बताया की शनिवार को सुबह सात बजे मेरे गांव पडोस के फूल सिंह पुत्र बिहारी ,करन सिंह पुत्र फूलसिंह, अर्जुन पुत्र फुलसिंह, उद्देश पुत्र फूल सिंह मेरे परिवार वालो को बेवजहा गन्दी गन्दी व मां बहन की गालीयां देने लगे तथा गाली देने को मना किया तो उक्त लोगो ने लाठी डन्डो से मेरे परिवार पर वार कर दिया मेरे भतीजे दीपक की कमर पर गहरी चोट लगी है।

और मेरे ओर भतीजी रानी को गुम चोटे लगी है। जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच में जुट गई।

अयोध्या में रेल परियोजना के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू

अयोध्या, (भाषा) उत्तर प्रदेश के अयोध्या शहर के बाहरी इलाके में स्थित गद्दोपुर मझवा गांव में रहने वाले लोगों ने प्रस्तावित रेल बाईपास परियोजना के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया।

गद्दोपुर मझवा गांव में सेवानिवृत्त और सेना में तैनात सैनिकों के 50 से ज्यादा परिवार रहते हैं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस परियोजना से शहर के घनी आबादी वाले इलाकों के हजारों निवासी विस्थापित हो जाएंगे।

अधिकारियों के अनुसार, इस प्रस्ताव में एक बाईपास रेलवे लाइन बनाने की बात शामिल है, जो इलाहाबाद-अयोध्या और लखनऊ-अयोध्या मार्गों को जोड़ेगी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पार्षद राम तीरथ के नेतृत्व में स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि इस परियोजना से गद्दोपुर मझवा गांव के घरों और कृषि भूमि पर असर पड़ेगा।

राम तीरथ ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि रेल मंत्रालय ने अपने बजट को कम करने के लिए सबसे छोटा रास्ता चुना है, जो हजारों लोगों की जान की कीमत पर से होकर गुजरता है। उन्होंने कहा, "अगर रेलवे ने थोड़ा लंबा रास्ता अपनाया होता तो हजारों लोगों को विस्थापित होने से बचाया जा सकता था।"

निगम पार्षद ने कहा कि कई निवासियों ने कर्ज लेकर अपने घर बनाए हैं और अब उन्हें अपने मकानों को खोने का खतरा मंडरा रहा है।

स्थानीय लोगों ने वरिष्ठ अधिकारियों और सत्ताधारी व विपक्षी दलों के नेताओं को सौंपे एक ज्ञापन में बाईपास मार्ग को बदलने की अपील की।

पार्षद ने कहा, "हमने अधिकारियों और नेताओं को ज्ञापन सौंपा है लेकिन कोई भी हमारी मदद करने को तैयार नहीं है।"

रेल मंत्रालय ने हाल ही में इस परियोजना का विस्तृत विवरण देते हुए एक विज्ञापन जारी किया था, जिसमें पुष्टि की गई थी कि नई बाईपास लाइन दो मौजूदा रेलवे मार्गों को सीधे माल गोदाम से जोड़ेगी।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20वीं किश्त जारी, कृषकों में खुशी की लहर

नेशनल एक्सप्रेस फहीम अंसारी

मुरादाबाद। प्रधानमंत्री द्वारा वाराणसी के विकास खंड सेवापुरी के ग्राम पंचायत बनौली से पूरे देश के कृषकों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 20 वीं किश्त को जारी किया गया है। तथा इसके उपलक्ष्य में पीएम किसान उत्सव दिवस मनाया गया। जिससे कृषकों मे खुशी की लहर दौड़ गयी।

जनपद मुरादाबाद मे 264658 कृषकों के खाते मे रु 2000 की दर से प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि की धनराशि आयेगी तथा एक वर्ष मे 03 बार मे कुल रु. 6000 प्रत्येक पात्र कृषकों के खाते मे आता है।

उक्त कार्यक्रम जनपद स्तर पर कलेक्ट्रेट सभागार मे सभी विकास खंडों के सभागार मे, कृषि विज्ञान केन्द्र बिलारी एवं ठाकुरद्वारा तथा ग्राम पंचायत स्तर पर प्रत्येक पंचायतभवनों पर ,सहकारी समितियों पर आयोजित किया गया जिसमे ब्लाक प्रमुख, ग्राम प्रधान,जिला पंचायत सदस्य गण,क्षेत्र पंचायत सदस्य गण, ग्राम पंचायत सदस्य गण,एफ पीओ के सदस्य कृषि सखियाँ, प्राकृतिक खेती करने वाले एवं प्रगतिशील कृषकगण मौजूद रहे तथा प्रधानमंत्री का लाईव प्रसारण दिखाया गया।

जनपद मुरादाबाद में प्रधानमंत्री के वर्चुअल प्रसारण कार्यक्रम का आयोजन जनपद स्तर पर कलेक्ट्रेट सभागार मे किया गया, जिसमें विधानपरिषद सदस्य गोपाल अंजान एवं सत्यपाल सैनी, मुख्य विकास अधिकारी मृणाली अविनाश जोशी, विधायक कुन्दरकी रामवीर सिंह के पुत्र विक्की ठाकुर,भाजपा जिलाध्यक्ष आकाश पाल,भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष मनीश गुर्जर, भाजपा जिला महामंत्री किसान मोर्चा अनुज विश्नोई, भाजपा महानगर किसान मोर्चा के महामंत्री दीपक चौधरी संयुक्त कृषि निदेशक मुरादाबाद मंडल , मुरादाबाद जीवन प्रकाश,उप कृषि निदेशक कृषि रक्षा मुरादाबाद मंडल प्रशांत कुमार, उप कृषि निदेशक मुरादाबाद सन्तोष कुमार द्विवेदी, भूमि संरक्षण अधिकारी डा.योगेन्द्र कुमार, उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी हर्षित चौहान तथा अन्य अधिकारीगण एवं कर्मचारी गण तथा भारी संख्या मे

वेतन भुगतान को लेकर शिक्षक संघ और लेखाधिकारी में तीखी बहस

मुरादाबाद। मुरादाबाद में शिक्षकों को वेतन समय पर न मिलने के चलते शिक्षक संघ के नेताओं और जिला लेखाधिकारी के बीच तनावपूर्ण माहौल बन गया।

वेतन भुगतान में हो रही देरी को लेकर शिक्षकों ने लेखा विभाग से जवाब माँगा, जिस पर दोनों पक्षों में तीखी बहस हो गई।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बहस के दौरान लेखाधिकारी ने गुस्से में आकर कहा गोली मार दो मुझे इस पर शिक्षक संघ के एक नेता ने तल्ख लहजे में जवाब दिया,हम मारेंगे तुम्हें जूते इस अप्रिय घटनाक्रम से माहौल कुछ समय के लिए बेहद तनावपूर्ण हो गया।

बाद में वरिष्ठ अधिकारियों के हस्तक्षेप से स्थिति शांत हुई। शिक्षक संघ ने चेतावनी दी है। कि यदि वेतन भुगतान में देरी जारी रही तो वे आंदोलन तेज करेंगे।-

डीएम, एसपी व सीडीओ ने तहसील मनकापुर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की सुनी समस्याए

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

गोण्डा।शासन की मंशानुरूप जनसामान्य की शिकायतों एवं समस्याओं का एक ही स्थल पर निस्तारण कराने के उद्देश्य से आज जनपद के समस्त तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें तहसील मनकापुर में जिलाधिकारी ने आये हुये फरियादियों की समस्याओं को सुना तथा शिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने हेतु सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को प्रेषित किया गया। जनसुनवाई के दौरान तहसील मनकापुर में कुल 148 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये जिसमें 07 प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही निस्तारित कर दिया गया है शेष को निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत प्रकरण का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करते हुये आख्या तहसील में उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये।सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने निर्देश दिए हैं कि समाधान दिवस में प्राप्त होने वाले शिकायतों के निस्तारण हेतु टीम गठित किया जाय, तथा टीम के द्वारा शिकायत का मौके पर स्थलीय जांचकर गुणवत्ता के साथ निस्तारण करना सुनिश्चित किया जाय।संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान उन्होंने कहा कि अवैध अतिक्रमण तथा चकमार्ग के मामले में संयुक्त रूप से राजस्व एवं पुलिस फोर्स के साथ मौके पर जाकर निस्तारित कराना सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि तालाब जमीन की पैमाइश, अवैध कब्जा, चकरोड, नाली, अवैध अतिक्रमण आदि को पुलिस फोर्स के साथ हटवाने का कार्य करें। शिकायतकर्ताओं को मौके पर बुलाएं। उसके आने पर लिखित रूप से उल्लेख करें और निस्तारण के प्रकरण का फोटोग्राफी/वीडियोग्राफी भी करना सुनिश्चित करें।उन्होंने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस में

प्राप्त शिकायतों का निस्तारण मौके पर जाकर पूरी गुणवत्ता के साथ करें अन्यथा संबंधित विभाग के अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।संपूर्ण समाधान दिवस के अंत में जिलाधिकारी ने वहां पर उपस्थित सभी संबंधित विभाग के जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारण करना सुनिश्चित करें।संपूर्ण समाधान दिवस में जनसुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता पारस नाथ निवासी लोदिया खुर्द बभनीपायर छपिया मनकापुर ने अवगत कराया कि मेरे गांव के लेखपाल द्वारा मेरा अंश निर्धारण गलत कर दिया है, जिसको संज्ञान में लेकर जिलाधिकारी ने मौके पर ही सही कराकर शिकायतकर्ता पारस नाथ को खतौनी उपलब्ध कराया।इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ० रश्मि वर्मा, उपजिलाधिकारी मनकापुर अवनीश त्रिपाठी, प्रभारी तहसीलदार मनकापुर चन्दन, नायब तहसीलदार मनकापुर अनिल कुमार तिवारी,

- सम्पूर्ण समाधान दिवस में आये हुये प्रार्थना पत्रों का गुणवत्तापूर्ण एवं समय से करें निस्तारित अधिकारी : जिलाधिकारी
- सम्पूर्ण समाधान दिवस मनकापुर में 07 शिकायतों का मौके पर किया गया निस्तारण

जिला विकास अधिकारी सुशील कुमार श्रीवास्तव, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी लालजी दूबे, एक्सईएएन प्रान्तीय खण्ड, खंड विकास अधिकारी मनकापुर, छपिया, बभनजोत, सिंचाई विभाग, लघु सिंचाई विभाग के अधिकारीगण सहित अन्य सभी जनपद स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बाढ़ से फसल हुई बरबाद, मुआवजे का जिलाधिकारी ने दिया निर्देश

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

गोंडा।जिले में सरयू व घाघरा के बढ़ते जलस्तर के कारण सैकड़ों बीघा फसल डूब गई है।इस स्थिति को देखते हुए जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने बाढ़ प्रभावित किसानों को समय पर मुआवजा दिलाने के निर्देश दिये हैं।

जिलाधिकारी ने तरबगंज व करनैलगंज के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जहाँ घाघरा नदी ने फसलों को अपने आगोश में ले लिया है या जहां पानी अधिक होने से फसल बरबाद हुई है, वहाँ सर्वे करके किसानों को तत्काल आर्थिक मुआवजा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू की जाए।प्रियंका निरंजन ने स्पष्ट किया कि राहत व बचाव कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी।जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए कि प्रभावित क्षेत्रों में

- बिना लापरवाही सर्वे कर पीड़ितों को मिले लाभ

पहले से चिन्हित आश्रय स्थलों पर पेयजल, शौचालय, भोजन और चिकित्सा जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।उन्होंने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता है कि किसी भी कीमत पर जनहानि न हो और लोग सुरक्षित रहें।उन्होंने ग्रामीणों से अफवाहों से बचने, प्रशासन के दिशा निर्देशों का पालन करने और आपात स्थिति में तुरंत स्थानीय प्रशासन अथवा कंट्रोल रूम को सूचित करने की अपील की है।

डीएम ने सभी अधिकारियों को बाढ़ से निपटने के लिए सभी तैयारियां पूर्ण रूप से प्रभावि रखने और सतर्कता बनाए रखने के निर्देश दिए हैं।

अहंकार के कारण ही व्यक्ति का पतन होता है : रविशंकर जी महराज

गोन्डा। महापुराण कथा को लेकर गोंडा नगर में पार्थिव पूजन सेवा समिति द्वारा आयोजित पंचवटी सीताराम आश्रम रिसिया शाखा गोंडा के तत्वाधान में सवा लाख पार्थिव पूजन रुद्राभिषेक एवं शिव महापुराण कथा बड़गांव पुलिस चौकी के पास स्थित शारदा मैरिज लान में आयोजित चौथे दिन शनिवार को प्रातः6 बजे से पार्थिव पूजन रुद्राभिषेक का पूजन प्रारंभ हुआ। जिसमें पार्थिव शिवलिंग पूजन रुद्राभिषेक का आयोजन हुआ। जिसमें नारियल के जल से अभिषेक किया गया, जिससे नेत्र रोग मुक्त माना जाता है। पार्थिव पूजन के समय तमाम भक्तगण मौजूद रहे।

शुक्रवार को सांयकाल तृतीय दिवस की कथा में श्री रविशंकर जी महाराज गुरु भाई जी ने शिव कथा एवं दिव्य कथाओं का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि यदि भगवान की कृपा हो तो चोर भी कुबेर जैसे पद को प्राप्त कर सकता है। साथ ही साथ प्रजापति दक्ष की कथा सुनाते हुए बताया की अहंकार

के कारण व्यक्ति का पतन हो जाता है। तदु परांत शिव विवाह की कथा का वर्णन सुनकर सभी श्रोतागण मंत्र मुग्ध हो गए। भगवान शिव का बारात रानी बाजार स्थित श्री राम जानकी धर्मशाला से निकलकर कथा स्थल तक पहुंचा। भगवान भोले की बारात में श्रोतागण खूब झूमे।कथा स्थल पर उज्जैन से आईं महाकाल की विराट झांकी सजी हुई थीं। कथा में मुख्य यजमान श्रीमती आरती सोनी एवं संतोष सोनी रहे। कथा के दौरान बीच-बीच में भगवान भोलेनाथ की " सज रहे भोले बाबा निराले दुल्हे में, मतवाले दुल्हे में" भजनों की अमृत वर्षा हुई। कथा में साज सज्जा और कोरस पर शिवा पंडित और राघव पंडित ग्रुप रहा। कथा समाप्ति पर आरती हुई उसके बाद प्रसाद वितरण होगा।

कथा के दौरान दौरान मंडलीय प्रभारी संदीप मेहरोत्रा, शिव शंकर सोनी, रवि सोनी, अमित सोनी, दीपक मराठा, उमेश शुक्ला, के डी मिश्रा, विशाल बंसल, सूर्य प्रकाश सोनी, देवेंद्र सोनी, आयूष सोनी, रमेश गुप्ता, रविंद्र कुमार सिंह, राकेश गुप्ता, राम शंकर कसौधन, राजेश गुप्ता, दिलीप मिश्रा, माया सोनी, कनक लता सोनी, ममता सोनी, रंजना सोनी सहित तमाम श्रोतागण मौजूद रहे।

मध्यस्थ बनने हेतु 8 अगस्त तक अधिवक्ता भेजें आवेदन

गोण्डा। गोंडा जिले जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मैं संचालित मध्यस्थता केंद्र में मध्यस्थ बनने हेतु अधिवक्ताओं से आवेदन मांगे गए हैं। द्वितीय अपर जिला जज व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गोंडा दानिश हसनैन ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में संचालित मध्यस्थता केंद्र में मध्यस्थों के पैनल हेतु 25 पदों पर मध्यस्थ की नियुक्ति की जानी है। नियुक्ति हेतु आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 8 अगस्त व समय शाम 5 बजे तक है।निर्धारित योग्यता रखने वाला कोई भी अधिवक्ता आवेदन कर सकता है।

आवेदन पत्र जनपद न्यायालय गोंडा की वेबसाइट से डाउनलोड किए जाते हैं इसके अलावा जिला सूचना कार्यालय गोंडा से भी प्राप्त किया जा सकते हैं। आवेदक अपना आवेदन पत्र व वांछित दस्तावेज की स्वप्रमाणित प्रतियां एक बंद लिफाफे में करके सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गोंडा के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से अथवा स्पीड पोस्ट के माध्यम से जमा कर सकता है।

महाकवि गोस्वामी तुलसीदास की जन्मस्थली पर कार्यक्रम आयोजित

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

गोंडा। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम को जन-जन तक पहुंचने वाले कालजयी महाकवि गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती पर सूकर क्षेत्र तुलसीधाम राजापुर में डॉ स्वामी भगवताचार्य जी की अगुवाई में कार्यक्रम आयोजित कर नमन किया गया।समारोह को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रमोद मिश्र ने कहा डॉक्टर स्वामी भागवताचार्य जी के अथक प्रयास से आज राजापुर तुलसी धाम अपनी भव्यता को पा रहा है शीघ्र ही पाठ्य पुस्तकों में भी तुलसी जी के जन्म का उल्लेख गोंडा के राजपुर सूकरक्षेत्र का होगा जिसका मुकदमा सिविल जज की अदालत में विचाराधीन है यह हमारी जनप्रतिनिधियों की उदासीनता रही की तमाम साक्ष के बावजूद भी अन्य जगहों पर तुलसी जन्मस्थली का उल्लेख किया गया।परसपुर विकास मंच के अध्यक्ष

डॉ ए के सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा की तुलसी कर्मभूमि के नाम से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जो पैसा दिया गया है उसे जन्मस्थली के नाम से होना चाहिए।

साहित्यकार डॉ हनुमान प्रसाद दुबे ने ने तुलसी जी के पैदा होने से लेकर गुरु नरहर जी के सानिध्य अयोध्या दर्शन और बनारस यात्रा तक का वृतांत का वर्णन किया कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बलरामपुर जिला पंचायत की अध्यक्ष सुश्री आरती तिवारी ने अपने उद्बोधन में डॉक्टर स्वामी भागवत आचार्य जी के प्रयासों की सराहना करते हुए अपने स्तर से जो भी जन्मस्थली के विकास के लिए हो सकता है उसको करने के लिए आश्वस्त किया

जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री श्याम मनोहर तिवारी ने कहा वह दिन दूर नहीं है जब विश्व श्री राम जन्म भूमि के साथ ही तुलसी जन्मभूमि दर्शन के लिए राजापुर की यात्रा करेगा।

डॉ स्वामी भगवताचार्य जी ने आए हुए सभी लोगों का स्वागत करते हुए तुलसी जन्मभूमि न्यास और सनातन धर्म परिषद द्वारा तुलसी जन्मस्थली के लिए कार्य कर रहे लोगों को बलरामपुर जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

कार्यक्रम को मुख्य रूप से परसपुर व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष रामकुमार सोनी, सांवल चौधरी, संत श्री राम अभिलाख दास, श्री कन्हैया लाल पांडे ने संबोधित कर महाकवि को उनकी जयंती पर नमन किया।इस अवसर पर संत श्री जुगल शरण महाराज, गंगा प्रसाद गुप्ता, अर्जुन सिंह, राजेंद्र सोनी, सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु और ग्रामवासी उपस्थित रहे

खतरे के निशान से महज 2 सेंटीमीटर दूर घाघरा नदी

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

गोंडा।जिले में घाघरा नदी का जलस्तर पिछले 48 घंटे में तीव्र गति से बढ़ रहा है।आज एल्गिन ब्रिज पर नदी खतरे के निशान से मात्र 2 सेंटीमीटर नीचे बह रही है।घाघरा नदी में शारदा, गिरिजा व सरयू बैराज से कुल 2.42 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है।लगातार बढ़ते जलस्तर के कारण नदी का पानी अब तटबंधों के किनारे पर तेजी से ठोकर मारने लगा है।

इस स्थिति को देखते हुए बाढ़ खंड विभाग के अधिकारी पूरी तरह से अलर्ट मोड में हैं।अधिकारी तटबंधों का लगातार निरीक्षण कर रहे हैं।बाढ़ खंड व जिला प्रशासन के अधिकारी तटबंधों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में जुटे हुए हैं।नदी के बढ़ते जलस्तर से तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों की मुश्किलें बढ़ रही हैं।प्रशासन ने लोगों को सचेत रहने के निर्देश दिये हैं और अलर्ट मोड पर रखा है।सभी तटबंधों और बाढ़ चौकियों की निगरानी सीसीटीवी कैमरों के माध्यम

- आज 2.42 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया

से की जा रही है।जिला मुख्यालय पर बने कंट्रोल रूम से सीधे निगरानी हो रही है। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने बताया कि नदी का जलस्तर धीरे धीरे बढ़ रहा है।उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है।सभी अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रखा गया है और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार नजर रखी जा रही है।

शिविर में योगाचार्य सुधांशु द्विवेदी ने योग से निरोग रहने के गुर बताए

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

गोंडा।जिले के आवास विकास स्थित प्रेरणा पार्क में आम जनमानस के उत्तम स्वास्थ हेतु नियमित रूप से संचालित योग शिविर में योगाचार्य सुधांशु द्विवेदी द्वारा उपस्थित समस्त योग साधकों को योगाभ्यास करवाया साथ ही साथ उससे होने वाले अनंत लाभ के बारे में भी जानकारी दी गई।

योगाचार्य सुधांशु द्विवेदी ने उपस्थित समस्त योग साधकों को सूक्ष्म व्यायाम, ताड़ासन, भुजंगासन, तिर्यक- ताड़ासन, वृक्षासन, सूर्य-नमस्कार आदि का अभ्यास करवाया।इसके साथ-साथ समस्त योग साधकों को उचित दिनचर्या, आहार- विहार और षट्कर्म क्रिया की जानकारी भी दी गई।

इसी क्रम में योगाचार्य ने कहा योग हमारे सर्वांगीण विकास के लिए उपयोगी है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर के सभी अंग प्रत्यंग पूर्णरुप से

बलिष्ठ व निरोगी हो जाते हैं। योगाचार्य सुधांशु द्विवेदी ने शिविर के अंत में कहा योग से हम सभी पूर्ण निरोगी, संस्कारवान, निष्ठावान, चरित्रवान, बलवान और महान बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि योग के द्वारा मानव को अतिरिक्त उर्जा की प्राप्ति होती है। जो शिक्षा ग्रहण करने में मदद करती है। इसलिए आप सभी नियमित रूप से प्रत्येक दिन सुबह योग और दिन-भर कर्म योग जरूर करें।शिविर में शिव पूजन, अश्वनी कुमार, मनीष दूबे, डॉ टी पी जयसवाल, डॉ राजेश श्रीवास्तव, डॉ शिव प्रताप वर्मा, विजय श्रीवास्तव, शमीम खान, सत्येंद्र, संदीप, प्रतिभा, प्रमिला, रश्मि टण्डन, दीप्ति, तृप्ति, ललिता, पूनम दूबे, बिंदु पांडे, जया सहित अन्य योग साधक मौजूद रहे।

उच्च प्राथमिक विद्यालय बेलवा नोहर में मीना मंच के माध्यम से स्कूल न जा खेतों में काम करने वाले बच्चों पर नाट्य रूपांतरण

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

गोण्डा। नो बैग डे पर जहां मीना मंच के पदाधिकरियों नाजरीन, शगुन तिवारी, खुशी विश्वकर्मा राधा सिंह व आंशिक सिंह ने घर में बैठी बच्चियों स्कूल ना जाकर घर में काम करती है उनके माता-पिता उन्हें खेतों में काम करवाते हैं, उन्हें प्रेरित करने के लिए एक नाटक के माध्यम से स्कूल जाने के लिए प्रेरित किया गया वहीं इको क्लब के सदस्यों शिव तिवारी, अंश सिंह, राहुल कपिल ने वृक्ष को धरा के अमर सपूत की संज्ञा देते हुए वृक्षों को बचाए रखने के लिए जल और हवा जरूरी है इस पर नाटक मंचन के माध्यम से बच्चों को जागरूक किया मीना मंच के सुगमकर्ता मनोज कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि मीना मंच विद्यालयों में बालिकाओं के लिए एक ऐसा मंच है जो उन्हें अपनी बात को खुलकर कहने के लिए अवसर देता है यह बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने, नियमित विद्यालय आने और लिंग आधारित भेदभाव के प्रति सजग रहने के लिए प्रोत्साहित करता है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक

श्रवण कुमार सिंह ने कहा कि मीना मंच परोक्ष रूप से बालिकाओं में आत्मविश्वास का विकास, समस्याओं का समाधान ढूंढने का कौशल एवं नेतृत्व क्षमता जैसी मूलभूत जीवन कौशल का विकास करने का अवसर देता है। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यापक महेश चौधरी वी अखिलेश कुमार सिंह ने गतिविधियों में सहयोग किया।

दिल्ली में 50,000 गैर आवंटित फ्लैट झुग्गीवासियों को दिए जाएंगे : रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को घोषणा की कि शहर के झुग्गीवासियों को जल्द ही 50,000 ऐसे फ्लैट में स्थानांतरित किया जाएगा जिनका आवंटन नहीं किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि गरीबों के लिए 10 लाख घरों के निर्माण के लिए एक व्यापक रणनीति तैयार की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने उत्तर-पश्चिम दिल्ली के सुल्तानपुरी में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए बनाए गए 1,000 से अधिक सरकारी फ्लैट का निरीक्षण किया और कहा कि उनकी सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना के अनुसार प्रत्येक झुग्गीवासी को आवास उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा, ₹हमारी सरकार झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वालों के लिए सम्मानजनक आवास और बेहतर जीवन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस पहल के पहले चरण में, 50,000 फ्लैट के माध्यम से पुनर्वास शुरू होगा। दिल्ली सरकार 10 लाख आवासों की मांग को पूरा करने के लिए एक व्यापक रणनीति भी तैयार कर रही है।₹

गुप्ता ने दिल्ली में आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों की आलोचना

करते हुए कहा कि वे वर्षों में निर्मित 50,000 फ्लैटों का आवंटन करने में विफल रहीं, जिसके कारण उनकी वर्तमान हालत जर्जर हो गई है।

उन्होंने कहा, ''न तो कांग्रेस और न ही आम आदमी पार्टी ने ये फ्लैट गरीबों को दिए। लेकिन अब हमारी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि मरम्मत के बाद ये फ्लैट झुग्गीवासियों को आवंटित किए जाएं। अगर पुराने फ्लैट की मरम्मत नहीं हो पाती है तो हम जरुरत पड़ने पर इन फ्लैट को तोड़कर उन्हें नए घर उपलब्ध कराएंगे।''

जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन (जेएनएनयूआरएम) के तहत 2016 में 64 करोड़ रुपये की लागत से सुल्तानपुरी में निर्मित 1,060 फ्लैट का निरीक्षण करते हुए गुप्ता ने अधिकारियों को फ्लैट की मरम्मत करने और वहां सभी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि योजना फ्लैट के दो किलोमीटर के दायरे में रहने वाले झुग्गीवासियों को स्थानांतरित करने की है ताकि उनकी आजीविका बनी रहे। मुख्यमंत्री के साथ स्थानीय सांसद योगेंद्र चंदोलिया और शहरी विकास मंत्री आशीष सूद भी थे।

गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा, ₹ये फ्लैट मूल रूप से 2016 में झुग्गी पुनर्वास के लिए करोड़ों रुपये के सरकारी खर्च से बनाए गए थे, लेकिन पिछली सरकारों की उदासीनता और इरादे की कमी के कारण इनका आवंटन नहीं हो पाया।₹

उन्होंने कहा कि दिल्ली के बाहरी इलाकों में बने 50,000 अन्य फ्लैट के साथ भी ऐसी ही स्थिति है, जिनमें से कई की हालत खराब हो गई है और उन्हें रहने योग्य बनाने के लिए पर्याप्त धनराशि की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने इनमें से हजारों फ्लैट की मरम्मत के लिए लगभग 732 करोड़ रुपये पहले ही मंजूर कर दिए हैं।

दिल्ली पुलिस ने राजस्थान में अवैध हथियार फैक्टरी का भंडाफोड़ किया, सरगना व आपूर्तिकर्ता गिरफ्तार

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली पुलिस ने राजस्थान के भरतपुर में एक हथियार निर्माण इकाई का भंडाफोड़ किया है और जमीन के नीचे दबा कर रखे गए अवैध हथियारों का एक बड़ा जखीरा बरामद किया है। पुलिस ने नेटवर्क के कथित सरगना और आपूर्तिकर्ता को गिरफ्तार कर लिया है। अभियान में 18 अवैध देशी पिस्तौल और आग्नेयास्त्रों के पुर्जे, साथ ही निर्माण उपकरण बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इसे भरतपुर के धीग के भीमा पहाड़ी क्षेत्र में एक झील के पास छिपाकर रखा गया था। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिलाल (22) और उसके सहयोगी साहिल (25) के रूप में हुई है, दोनों राजस्थान के निवासी हैं। पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने बताया कि अवैध हथियार नेटवर्क का कथित सरगना बिलाल पिछले दो वर्षों से सिंगल-शॉट पिस्तौल का निर्माण कर रहा था और दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय आपराधिक तत्वों को उनकी आपूर्ति कर रहा था।--

एटा में पुलिस हिरासत में पिटाई से युवक की मौत

एटा, (भाषा) उत्तर प्रदेश के एटा जिले में धौली कला क्षेत्र के ग्राम चंद्रभानपुर निवासी सत्यवीर कुमार (23) की पुलिस हिरासत में कथित तौर पर पिटाई किए जाने से मौत हो गई।

परिजनों का आरोप है कि थाने में सत्यवीर को बेरहमी से पीटा गया और प्रताड़ित किया गया जिससे उसकी हालत बिगड़ गई, रात में उसे उसी हालत में छोड़ दिया गया। पुलिस हिरासत से रिहाई के कुछ समय बाद ही युवक की मौत हो गई।

युवक के परिजनों ने दरोगा सुरेंद्र सिंह और अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें निलंबित करने और गिरफ्तार करने की मांग की है। परिजनों की शिकायत के आधार पर पुलिस ने उपनिरीक्षक सुरेंद्र सिंह, कांस्टेबल शाहिद अली के अलावा तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ शनिवार को प्राथमिकी दर्ज की है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) श्याम नारायण सिंह ने थाना निधौली कला क्षेत्र में एक युवक की मौत के संदर्भ में बताया कि मार्च महीने में गांव की एक लड़की के लापता होने के मामले में थाना निधौली कला के दरोगा सुरेंद्र सिंह द्वारा उसे बुलाया गया था और वह अपने भाई के साथ आया और पूछताछ के बाद वापस चला गया था। उन्होंने कहा कि परिजनों का आरोप है कि दरोगा और अन्य पुलिसकर्मियों ने सत्यवीर का उत्पीड़न किया जिसके बाद उसने थाने से घर जाकर फांसी लगा ली।

सिंह ने बताया कि दरोगा सुरेंद्र सिंह और एक अन्य दरोगा को लाइन हाजिर किया गया है और तीन सिपाहियों के खिलाफ जांच कराई जा रही है।

एसएसपी ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद सत्यवीर की मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी। इस घटना कि जांच अपर पुलिस अधीक्षक को सौंपी गयी है और थाने की सीसीटीवी फुटेज की जांच की जाएगी। ज़िलाधिकारी प्रेम रंजन सिंह ने मामले की जांच के लिए एक विशेष टीम भी गठित की है।

पूर्व मराठी फिल्म निर्माता ने दिल्ली के व्यक्ति से 12.85 लाख की ठगी की, पुणे से गिरफ्तार

नयी दिल्ली, (भाषा) मराठी फिल्मों के पूर्व निर्माता को दिल्ली के एक व्यक्ति से फर्जी क्रिप्टोकरेंसी निवेश के नाम पर 12.85 लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में महाराष्ट्र के पुणे से गिरफ्तार किया गया। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान 25 वर्षीय अक्षय अश्विन काले के रूप में हुई है। वह खुद को वित्तीय सलाहकार बताकर लोगों को क्रिप्टो निवेश के झांसे में लेता था।

पश्चिमी जिले के पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया कि 20 मई को साइबर थाने में एक शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसमें शिकायतकर्ता ने बताया कि उसे सोशल मीडिया के जरिए संपर्क कर फर्जी प्लेटफॉर्म पर निवेश के लिए कहा गया और उसे भारी मुनाफे का लालच दिया गया।

ओईएफ कर्मचारी संघ ने 2006 से लंबित ओटी एरियर के मामले में सौंपा ज्ञापन

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो ।

फिरोजाबाद । आयुध उपस्कर निमार्णी हजरतपुर में ओ.ई.एफ. कर्मचारी संघ जो भारतीय मजदूर संघ एवं भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ से संबंधित यूनियन है के नेतृत्व 01-01-2006 से लंबित ओ.टी. एरियर के लिए गुरुवार 31 जुलाई से शुरू हुए तीन दिवसीय आंदोलन के दौरान 1 अगस्त शुक्रवार को प्रशासनिक भवन के सामने लंच बहिष्कार का कर विरोध दर्ज किया । वहीं आंदोलन के अंतिम दिन शनिवार को दिनांक 02/08/2025 को सीएमडी टीसीएल को महाप्रबंधक महोदय के माध्यम से ज्ञापन प्रस्तुत सौंपा । इस दौरान यूनियन के अध्यक्ष स्वदेश राघव, महामंत्री नितिन सक्सेना, जे.सी.एम. चतुर्थ मनोज कुमार, रघुनंदन शर्मा, धीरेन्द्र कुमार, चेतन लाल रोत, अनिल कुमार, अमरपाल, शशिकांत वाशिष्ठ, नितेन्द्र यादव,संजीव कुमार, श्रीनंदन ठाकुर,श्रीमती प्रिया तिवारी, श्रीमती रानू,कपिल सक्सेना, ललित बाबू,अशोक कुमार, दिनेश कुमार,विपिन कुमार,तेजपाल यादव, शशि कुमार और अन्य कर्मचारी उपस्थित थे ।

हाइवे पर अवैध पार्किंग के खड़े ट्रक से लोगों को होती है असुविधा

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो ।

टूंडला । जनपद के थाना टूंडला क्षेत्र के चौकी से महज 200 मीटर दूरी पर उसायनी स्थित चंद्रा पेट्रोल पंप से लेकर चंद्रा होटल तक के सर्विस रोड चंद्रा पेट्रोल पंप वालों की अवैध पार्किंग के ट्रक खड़े होने से क्षेत्र वासियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है ।

ग्रामीणों ने बताया कि ट्रक चालक ट्रक को बीच रास्ते में खड़ा करके सर्विस रोड को पूरी तरह से बाधित कर देते हैं जिससे मजबूरी में लोगों को मुख्य हाइवे से गांव की ओर विपरीत दिशा में गुजरना पड़ता है । ग्रामीणों ने यह भी बताया कि पहले वैष्णो देवी मंदिर से गांव उसायनी के लिए अंदर वाले मार्ग से निकल जाते थे लेकिन अभी फिलहाल उस रोड के नव निर्माण का कार्य चल रहा जिसके चलते लोगों को गांव के लिए चौकी के पास बने पुल के नीचे होकर गुजरना पड़ता है । सर्विस रोड पर खड़े ट्रक सर्विस रोड को पूरी तरह जाम कर देते हैं जिसके कारण लोगों को मजबूर होकर विपरीत दिशा में ऊपर हाईवे से होकर गुजरना पड़ता है लोगों का कहना है कि विपरीत दिशा में दुर्घटना होने का भय भी लोगों को रहता है लेकिन मजबूरी में उन्हें निकालना पड़ता है क्योंकि अगर ट्रक चालकों से कुछ कहते हैं तो ट्रक चालक व वाहन खड़ा कराने वाले गुर्गे उनके साथ अभद्रता करते हैं तथा गाली गलौज करते हुए मारने पर आमदा हो जाते हैं ।

उत्तर प्रदेश सरकार की मुखिया ने साफ स्पष्ट तौर पर कुछ वर्ष पूर्व रोड पर वहां खड़े करने पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए थे लेकिन हमारे यहां सर्विस रोड पर अवैध रूप से वहां खड़े कर लिए जाते हैं जिनसे लोगों को दिक्कत होती है । प्रशासन द्वारा उनके खिलाफ कार्यवाही करनी चाहिए तथा सर्विस रोड पर पार्किंग पर प्रतिबंध लगना चाहिए ।
-- बृजेश कुमारी एडवोकेट (प्रधान उसायनी)

बीच रोड पर ट्रक खड़े हो जाते हैं लोग टहलने के लिए भी चले जाते हैं सर्विस रोड पर ट्रक खड़े होने की वजह से उन्हें भी दिक्कत होती है तथा गांव में आने के लिए लोग सर्विस रोड का इस्तेमाल करते हैं उन्हें जान जोखिम में डालकर ऊपर हाईवे से विपरीत दिशा में आना पड़ता है रोड पर खड़े अवैध ट्रैकों पर कार्यवाही होनी चाहिए तथा खड़े करने वालों पर भी कार्रवाई होनी चाहिए ।
-भानु प्रताप सिंह , ग्रामीण युवा

पुलिस की नाक के नीचे रोड पर अवैध कब्जा पार्किंग का चल रहा है लेकिन पुलिस कोई कार्यवाही नहीं करती है । क्या पुलिस तथा प्रशासन को यह दिखाई नहीं देता है । यह रॉड से पार्किंग हटनी चाहिए तथा रोड खाली रहना चाहिए । रोड पर खड़े वाहनों के चालान तथा आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए।
- विकेश कुमार , ग्रामीण

जर्जर भवन में संचालित हो रहा यूनानी चिकित्सालय

● कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा, बदहाली का शिकार स्वास्थ्य सेवाएं

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

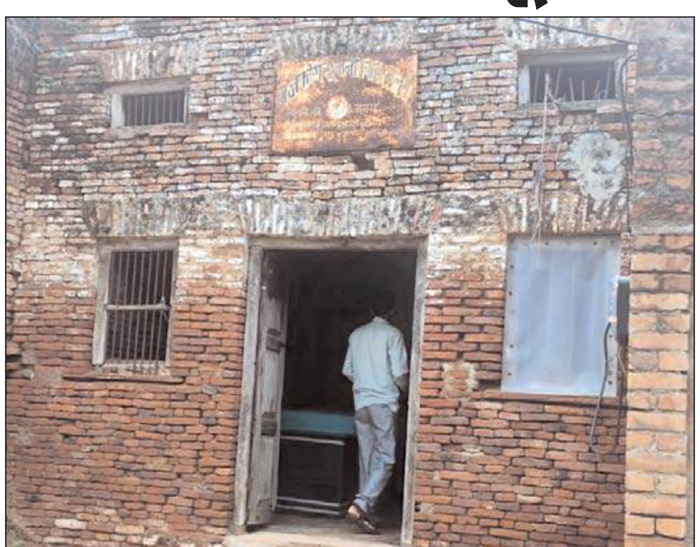

फिरोजाबाद। जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली किसी से छिपी नहीं है यहां अक्सर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की बदहाली की तस्वीरें सामने आ ही जाती हैं। फिरोजाबाद जनपद के टूंडला तहसील के ग्राम पंचायत मोहम्मदाबाद में लगभग चार दशक से संचालित राजकीय यूनानी चिकित्सालय की बिल्डिंग की हालत बेहद जर्जर है। यह बिल्डिंग कब गिर जाए इसका कोई पता नहीं है। जिस भवन में यह राजकीय यूनानी चिकित्सालय संचालित है वह मोहम्मदाबाद के मुस्लिम जमीदार ने अस्पताल को संचालित करने के लिए निशुल्क दिया था। लेकिन इस भवन का समय से मरम्मत और देखभाल न होने के कारण यह अब बदहाली का शिकार हो हो चुका है। यह भवन कब धराशाई हो जाए कुछ पता नहीं। मोहम्मदाबाद के यूनानी राजकीय चिकित्सालय में तैनात चिकित्सा अधिकारी डॉ मोहम्मद वजीर अंसारी के मुताबिक इस चिकित्सालय में प्रतिदिन 15 से 20 मरीज दवा लेने आते हैं यह चिकित्सालय आजादी से पहले स्वीकृत हुआ था। समय के साथ यह स्थानांतरित होता रहा लगभग 40 साल से यह मोहम्मदाबाद में संचालित है लेकिन इस भवन की हालत बेहद जर्जर है। चिकित्सालय की बदहाली का आलम यहां है कि चिकित्सालय में रखी दवाइयां, वह अन्य चिकित्सी उपकरण बारिश के दौरान पॉलिथीन से ढककर बचाए जाते हैं। चिकित्सालय के अंदर रखी दवाएं भी बेकद्री और बदहाली का शिकार है। यहां पर तैनात कर्मचारी अजब सिंह के मुताबिक भारी बारिश के दौरान पानी का रिसाव तेजी से होता है जिसके चलते पूरे कमरे में सभी दवाएं ऊपर उठकर टेबल पर रखी जाती हैं और पूरे फर्नीचर को तिरपाल से ढक दिया जाता है कई बार तो कमरे में पानी भर जाता है जो बाल्टी से निकालना पड़ता है। चिकित्सालय के अंदर प्रवेश करने के लिए किसी भी मरीज को प्रवेश करने के लिए बड़ी जद्दोजहद सामना करना पड़ता है। चिकित्सालय के प्रवेश द्वारा से चबूतरे और सड़क के बीच बड़ी नाली है। इसको पार करना मरीजों के लिए मुश्किल भरा होता है। डॉ वजीर मोहम्मद के मुताबिक बजट का अभाव है। अपनी ही तनख्वाह से अस्पताल और सड़क के बीच नाली के ऊपर पत्थर रखवाने के लिए पैसे दिए हैं जल्द ही रख दी जाएगी। चिकित्सा अधिकारी के मुताबिक राजकीय यूनानी चिकित्सालय में एक चिकित्सक और एक चपरासी की तैनाती है। ग्रामीण क्षेत्र में चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए यूनानी चिकित्सालय और आयुर्वेदिक चिकित्सालय बनाए गए हैं लेकिन राजकीय यूनानी चिकित्सालय मोहम्मदाबाद की बदहाली बताती है की ग्रामीण अंचल की स्वास्थ्य व्यवस्था बेहद जर्जर है।

संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान 114 शिकायतों में से सात का कराया मौके पर ही निस्तारण

● डीएम ने दिए शिकायतों के निस्तारण के निर्देश

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो ।

फिरोजाबाद । जिलाधिकारी रमेश रंजन के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य की अध्यक्षता में शनिवार को तहसील जसराना में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया, जिसमें सभी जिलास्तरीय अधिकारियों ने उपस्थित रहकर जनता की समस्यायों को एक-एक कर सुना व उनका निस्तारण कराया, सम्पूर्ण समाधान दिवस में 114 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें मुख्य विकास अधिकारी ने मौके पर ही 07 शिकायतों का निस्तारण कराया और बाकी बची शिकायतों को संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह में पूरी गुणवत्ता के साथ निस्तारण कराने के निर्देश दिए, सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने सभी सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रतिदिन आप अपने आईजीआरएस पोर्टल को स्वंय चैक करें कोई सन्दर्भ डिफाल्टर नही होने पाऐं।

उन्होने स्पष्ट रूप से कहा है कि इसका कडाई से पालन करते हुए जनता की समस्याओं को प्राथमिकता पर निस्तारण करें।

संपूर्ण समाधान दिवस में चकरोड व अवैध कब्जों की अधिकतम शिकायत आने पर मुख्य विकास अधिकारी ने लेखपालों पर कड़ी नाराजगी प्रकट करते हुए निर्देश दिए कि वह क्षेत्र में रहकर पैमाइश, अतिक्रमण आदि की छोटी-छोटी समस्याओं को स्थानीय स्तर पर बिना किसी पक्षपात के निस्तारण करना सुनिश्चित करें, उन्होने यह भी कहा कि शिकायतों को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें और उसके फोटो भी उपलब्ध कराए, सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान उपजिलाधिकारी जसराना, परियोजना निदेशक, पुलिस क्षेत्राधिकारी सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग का फर्जी इन्स्टाग्राम बना किए फोटो वायरल, आरोपी गिरफ्तार

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो ।फिरोजाबाद। थाना साइबर क्राइम पुलिस ने फर्जी इन्स्टाग्राम आईडी बना कर नाबालिगा के फोटो वायरल करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष भेजा है। आरोपी ने फर्जी इन्स्टाग्राम आईडी से नाबालिगा के फोटो एवं वीडियो वायरल किए जा रहे थे। आरोपी द्वारा फर्जी इन्स्टाग्राम आईडी से नाबालिगा के आपत्तिजनक फोटो एवं वीडियो वायरल किये जा रहे थे। जिसके सम्बंध में नाबालिगा की मां ने थाना साइबर अपराध पर लिखित तहरीर देकर अपराधी के विरुद्ध कडी दण्डात्मक कार्यवाही की मांग की गयी थी। इस मामले में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया था। जनपद में साइबर क्राइम एवं ठगी की घटनाओं पर अंकुश लगाने व अपराधियों की गिरफ्तारी के क्रम में क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में थाना साइबर क्राइम पुलिस ने मुईन खान पुत्र शहनावाज निवासी ग्राम बडा गांव, थाना फलावदा जनपद मेरठ को गिरफ्तार किया है। मुइन के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

क्राइस्ट द किंग एलुमनी एसोसिएशन ने किया कैरियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो। टूंडला। आगरा हाईवे स्थित क्राइस्?ट द किंग इंटर कॉलेज में क्राइस्ट द किंग एलुमनी एसोसिएशन की ओर से कैरियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया। आयोजन में छात्रों को चार्टर्ड अकाउंटेंसी के क्षेत्र में मार्गदर्शन दिया गया। एसोसिएशन के तत्वावधान में कक्षा 10 वीं, 11वीं एवं 12वीं के छात्रों के लिए एक कैरियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया। कार्यक्रम में कॉलेज प्रधानाचार्या फादर पीटर पारखी ने छात्रों को शिक्षा के क्षेत्र में संदेश दिया। इस दौरान सीए गौरव सिंघल, रूपल गोयल व जावेद ने छात्रों को चार्टर्ड अकाउंटेंसी (सीए) में भविष्य बनाने के लिए मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि दुनिया की कई शीर्ष कंपनियों में कार्यरत अधिकांश सीए आईसीएआई के माध्यम से योग्य बने हैं। चार्टर्ड अकाउंटेंसी न केवल एक सशक्त करियर विकल्प है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपार संभावनाएं प्रदान करता है। कार्यक्रम में अध?यक्ष डॉ. संजीव जैन, सचिव शुभम अग्रवाल, कोषाध?यक्ष मुनीश कुमार गुप्ता, डॉ. अनुशील वार्ष्णेय, कम्?युनिकेशन डायरेक्टर अंकित जैन एवं विद्यालय के शिक्षक ब्रजेश चौधरी, साजन जोस, मोहन सिंह आदि उपस्थित रहे।

रोडवेज के पहियों से निकला धुआं, सवारियों में मची अफरा तफरी

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो। टूंडला। कासगंज से आगरा जा रही रोडवेज बस के पिछले टायर में धुआं निकलने से यात्रियों में अफरा तफरी मच गई। बस चालक ने बस को सड़क किनारे लगाकर सवारियों को दूसरी रोडवेज बस से गंतव्?य के लिए रवाना कर दिया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने बस के पहिए से निकल रहे धुएं को बुझा दिया। बस को चालक व परिचालक परिवहन कार्यशाला ले गए।शहर के सुभाष चौराहे पर शनिवार दोपहर 12 बजे कासगंज डिपो की बस में चलते चलते पीछे पहियों के ब्रेक शू से अचानक धुआं निकलने लगा। धुआं देखते ही बस में बैठी सवारियों में हड़कंप मच गया। बस चालक ने बस को सड़क किनारे रोककर सवारियों को नीचे उतार दिया। गनीमत रही की बस चालक व परिचालक को समय रहते धूएं की जानकारी हो गई। नहीं तो हादसा बड़ा हो सकता था। भीड़ ने बस में आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को दे दी। मौके पर पहुंची फायर टीम ने बस से निकल रहे धुएं पर काबू पा लिया। बस परिचालक अवधेश ने बताया कि बस में बैठी सवारियों को अन्य रोडवेज बस से रवाना कर दिया। साथ ही बस को सही कराए जाने के लिए डिपो भेज दिया गया।

बीस दिव्यांग बच्चों को मिले दिव्यांग प्रमाण पत्र

नेशनल एक्सप्रेस/तहसील रिपोर्टर।

जसराना। बेसिक शिक्षा विभाग और चिकित्सा विभाग के सहयोग से चिकित्सकीय टीम द्वारा परिषदीय और माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों के दिव्यांगता प्रमाणपत्र जारी करने से पहले उनका चिकित्सकीय परीक्षण करने के लिए ब्लॉक संसाधन केंद्र पर शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पंजीकृत 52 बच्चों में से बीस दिव्यांग बच्चों को प्रमाण पत्र जारी किया गया।

शिविर के दौरान 10 मूक बधिर एवं वाणी बाधित, 04 दृष्टि दिव्यांगता वाले, 29 बौद्धिक क्षमता वाले और 09 अस्थि दिव्यंग बच्चों ने अपना पंजीकरण कराया। मेडिकल बोर्ड टीम के परीक्षण के बाद 20 बच्चों को दिव्यांगता प्रमाणपत्र जारी किए गए। इस दौरान 11 बच्चों को मेडिकल जांच हेतु रैफर किया गया। टीम में डॉ. आकाश गौतम, डॉ. दुर्ग प्रताप सिंह, शिवांग पाठक, अम्बिका पांडेय शामिल रहे। कार्यक्रम में खण्ड शिक्षा अधिकारी भूपेन्द्र सिंह, जिला समन्वयक समेकित शिक्षा अजय कुमार पाण्डेय एवं स्पेशल ऐजुकेटर दिनेश सिंह, अनिल सिंह, अमरेश सिंह, सुभाष चंद्र, सर्वेश कुमार, संजीव सिंह, कृपाशंकर वर्मा एवं बीआरसी स्टाफ की देखरेख में कैंप का सफल आयोजन हुआ। मुकेश राजपूत जिला महामंत्री यूटा का विशेष सहयोग रहा।

ई-रिक्शा चालक से सवारियों ने की मारपीट, रुपये छीने, अस्पताल में भर्ती

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो ।

फिरोजाबाद। जनपद के थाना क्षेत्र नारखी में ई-रिक्शा चालक के साथ मारपीट और रुपये छीनने का मामला प्रकाश में आया है। तीन सवारियों के द्वारा रिक्शा चालक से मारपीट की गई है। सूचना पर पहुची पुलिस ने घायल चालक को अस्पताल भेजा है। घायल के पिता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

पूरा मामला थाना क्षेत्र नारखी का है।मेहरबान पुत्र अहसान ई-रिक्शा चलाता है। शनिवार को उसने तीन सवारियां बैठाईं। सवारियों ने जिला कारागार रोड जाने को कहा था। जब वह मुख्य रोड पर पहुंचा, तो सवारियों ने गलियों में जाने की बात कही। इसका विरोध करने पर सवारियों ने मारपीट कर दी और रुपये छीन लिए। चालक के पिता एहसान का आरोप है कि जब उनके बेटे ने गलियों में जाने से मना किया, तो तीनों सवारियों ने मारपीट कर दी। सूचना पर पहुची पुलिस अस्पताल लेकर आए। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 और थाना नारखी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटना की पूरी जानकारी ली। फिलहाल मेहरबान का इलाज जारी है पुलिस के अनुसार चालक के पिता की तहरीर के आधार पर आगे के कार्यवाही की जा रही है। जल्द ही जाँच कर कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

एके इंटर में जनपदीय फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

नेशनल एक्सप्रेस/तहसील रिपोर्टर ।

शिकोहाबाद । स्टेशन रोड स्थित ए के इंटर कॉलेज के क्रीड़ा मैदान पर जनपद की फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य रामकेश यादव ने इसका विधिवत शुभारंभ परिचय प्राप्त कर किया। प्रतियोगिता में अंडर-19, अंडर - 17 तथा अंडर - 14 वर्ग की टीमों का चयन किया गया , जिसमें एके इंटर कॉलेज, पाली इंटर कॉलेज, प्रहलादराय टिकमानी इंटर, भारतीय इंटर कॉलेज धातरी, राज कान्वेंट इंटर कॉलेज शिकोहाबाद, ठाकुर वीरी सिंह इंटर कॉलेज टूंडला समेत जनपद के अन्य कॉलेजों की टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का संचालन डॉ राघवेंद्र सिंह यादव ने किया। रेफरी के रूप में हरि सिंह, गौरव यादव, धर्मवीर सिंह, शिव यादव रहे । इस मौके पर राजेश कुमार, पुष्पेंद्र सिंह, ओम प्रकाश यादव, सत्येंद्र यादव, रिंकू यादव, मलखान सिंह, राघवेंद्र सिंह, अंकित यादव आदि शिक्षको द्वारा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस प्रतियोगिता में चयनित खिलाड़ी मंडलीय प्रतियोगिता में प्रतिभा करेंगे जो कि आगरा में संपन्न होगी ।

रेवेन्यू वार एसोसिएशन में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो।

सिरसागंज । तहसील में रेवेन्यू बार एसोसिएशन के नव निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह तहसील सभागार में किया गया। शपथ ग्रहण समारोह के मुख्य अतिथि पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री ठाकुर जयवीर सिंह ने नव निर्वाचित रेवेन्यू बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्यामेंद्र सिंह यादव, उपाध्यक्ष योगेन्द्र प्रताप सिंह, महासचिव चंद्रकांत सिंह एडवोकेट, कोषाध्यक्ष अवनीश कुमार यादव एडवोकेट, सहसचिव राकेश कुमार, एवं रेवेन्यू बार एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारियों को गोपनीयता की शपथ दिलाई।

उप जिलाधिकारी सिरसागंज ने नवनिर्वाचित सभी पदाधिकारियों को जीत का प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। वहीं पंडित शिवकुमार एडवोकेट ने मुख्य अतिथि का माल्यार्पण रामायण पुस्तक, शाल, भेंटकर स्वागत सम्मान किया। तहसील सिरसागंज के अधिवक्ताओं ने शपथ ग्रहण समारोह में शिकोहाबाद,फिरोजाबाद से आए सभी अधिवक्ताओं का माल्यार्पण कर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन वेद प्रकाश एडवोकेट ने किया। शपथ ग्रहण समारोह में उप जिलाधिकारी सिरसागंज, तहसीलदार सिरसागंज, जसवंत सिंह एडवोकेट, शिवेंद्र सिंह यादव एडवोकेट, बृजेश यादव एडवोकेट, रेवेन्यू बार एसोसिएशन के मुख्य चुनाव अधिकारी अवनीश कुमार यादव एडवोकेट सहित तहसील सिरसागंज के समस्त अधिवक्ता मौजूद रहे।

आगरा और फिरोजाबाद के 28 धार्मिक पर्यटन स्थल 23.75 करोड रुपए की लागत से किए जाएंगे विकसित

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो ।

फिरोजाबाद । उत्तर प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री पर्यटन स्थल विकास योजना के अंतर्गत 2025- 26 में 395 करोड रुपए से ज्यादा से धार्मिक स्थल विकसित किए जाएंगे जिससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सके। इसी क्रम में आगरा मंडल के आगरा और फिरोजाबाद जिलों में 28 धार्मिक पर्यटन स्थल चिन्हित कर 23.75 करोड रुपए की धनराशि आवंटित की गई है।

मुख्यमंत्री पर्यटन स्थलों के विकास के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में समस्त मंडलों के अंतर्गत आने वाले जनपदों के लिए विभिन्न पर्यटन विकास संबंधी योजनाएं अनुमोदित की गई हैं। इन नई परियोजनाओं की अनुमानित लागत 359 करोड़ 85 लाख रुपए है। इन परियोजनाओं के क्रियान्वित करने के लिए भूमि का चयन, डीपीआर तैयार करने, स्थलीय निरीक्षण, मिट्टी की जांच आदि के लिए संबंधित जनपदों में टैक्निकल टीम भेजी जाएगी। मुख्यमंत्री पर्यटन स्थलों के विकास योजना के तहत आगरा में 28 परियोजनाएं अनुमोदित की गयी है।

जयवीर सिंह ने बताया कि आगरा मंडल के अंतर्गत आने वाले फिरोजाबाद, टूण्डला के गोगा जी काली मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 01 करोड़ रुपए, फिरोजाबाद स्थिल पसीने वाले हनुमान जी मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 01 करोड़ रुपए, शिकोहाबाद के बह्मदेव, शिवजी तथा बजरंगबली मंदिर के पर्यटन विकास के लिए 02 करोड़ रुपए, शिकोहाबाद के आवगंगा मंदिर के लिए 50 लाख रुपए, टूण्डला नारखी शिव मंदिर हेतु 01 करोड़ रुपए, टूण्डला के शिव मंदिर के लिए 1.50 करोड़ रुपए, टूण्डला के ही राधा कृष्ण मंदिर के लिए 1.5 करोड़ रुपए की धनराशि अनुमोदित की गई है। प्रदेश सरकार के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि टूण्डला के काली माता मंदिर के लिए 02 करोड़ रुपए, सिरसागंज के लिए 1.5 करोड़ रुपए, सिरसागंज के लिए 1.5 करोड़ रुपए, सिरसागंज के हनुमान मंदिर के लिए 02 करोड़, सिरसागंज के जायमई माता मंदिर के लिए 02 करोड़ रुपए, सिरसागंज के राम कृष्ण धाम मंदिर के लिए 01 करोड़ रुपए, अंबेडकर पार्क के पर्यटन विकास के लिए 01 करोड़ रुपए, रामकंठ आश्रम के लिए 1.5 करोड़ रुपए, राधा कृष्ण मंदिर के लिए 1.25 करोड़ रुपए, वेद उपवन पार्क के निर्माण के लिए 01 करोड़ रुपए, नीमकरौली बाबा की जन्मस्थली के विकास के लिए 01 करोड़ रुपए, आर्यगुरूकुल महाविद्यालय के लिए 50 लाख रुपए तथा फिरोजाबाद में ग्लास म्यूजियम में क्यूरेशन का कार्य हेतु 50 लाख रुपए की धनराशि अनुमोदित की गई है। वहीं आगरा जनपद में भी करोड़ों की लागत से पर्यटन विकास कार्य कराए जाएंगे।

गीता 5,000 वर्ष से प्रासंगिक है और आगे भी रहेगी: गजेंद्र सिंह शेखावत

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) 'भगवद्गीता' और भरतमुनि के 'नाट्यशास्त्र' को 'यूनेस्को मेमोरी ऑफ़ द वर्ल्ड' के इंटरनेशनल रजिस्टर में सूचीबद्ध किए जाने पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन सत्र 30 जुलाई, बुधवार को अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। संगोष्ठी का विषय है- 'कालातीत ग्रंथ और सार्वभौमिक शिक्षाएं : भगवद्गीता और नाट्यशास्त्र का यूनेस्को मेमोरी ऑफ़ वर्ल्ड के अंतरराष्ट्रीय रजिस्टर में अंकन'।

इस अवसर पर भारत सरकार में केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईजीएनसीए न्यास के अध्यक्ष 'पद्म भूषण' श्री राम बहादुर राय ने की। सम्मानित अतिथियों के रूप में जी.आई.ई.ओ. गीता और गीता ज्ञान संस्थानम, कुरुक्षेत्र के संस्थापक स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज और पद्म विभूषण एवं पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ.सोनल मानसिंह भी शामिल हुईं। आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ.सच्चिदानंद जोशी ने उद्घाटन भाषण दिया और यूनेस्को मेमोरी ऑफ़ वर्ल्ड के नोडल केंद्र के प्रभारी एवं आईजीएनसीए के डीन (प्रशासन) व कला निधि के विभागाध्यक्ष प्रो. रमेश चन्द्र गौड़ ने स्वागत भाषण और अतिथियों का परिचय दिया। गौरतलब है कि दोनों ग्रंथों- 'भगवद्गीता' और भरतमुनि के 'नाट्यशास्त्र' को 'यूनेस्को मेमोरी ऑफ़ द वर्ल्ड' के इंटरनेशनल रजिस्टर में शामिल करने कराने में आईजीएनसीए की महत्वपूर्ण भूमिका रही।इस अवसर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने अपने सम्बोधन में कहा, 'निश्चित रूप से गीता का ज्ञान 5,000 वर्ष से ज्यादा पहले का और भरतमुनि का नाट्यशास्त्र 2,500 वर्ष पहले का ग्रंथ है। जो देश अपने आपको दुनिया का महारथी होने की बात करते हैं और ट्वीट लिखकर दुनिया का प्रणेता होने की बात करते हैं, वो शायद अस्तित्व में नहीं थे। लेकिन उस समय भी भारत में परफॉर्मिंग आर्ट को लेकर नाट्यशास्त्र में इतना विस्तार से, एक-एक बारीकी के साथ लिखा गया। कल्पना करके देखिए, उस समय हमारी संस्कृति कितने उत्कर्ष पर थी। आज यह सब जानना बहुत आवश्यक है। गीता का ज्ञान 'सर्वभूत' यानी हर प्राणी के लिए है। गीता के ज्ञान को विश्व ने मान्यता दी है, तो वह निश्चित रूप से विश्व के लिए उपयोगी होगा।

उन्होंने कहा कि गीता 5,000 वर्ष से प्रासंगिक है और आगे भी हज़ारों वर्षों तक रहेगी।स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने कहा, आज का समय डिजिटिल समय है। अगर डिजिटल (DIGITAL) से शुरू के दो अक्षर डी और आई हटा दें तथा अंतिम अक्षर एल हटा दें तो यह गीता हो जाता है।

जब दिल में गीता होती है, तो डिजिटल भी सही दिशा में चलने लगता है। गीता मूल्यों की शिक्षा देती है। इसमें पारिवारिक मूल्य भी हैं और सामाजिक मूल्य भी।डॉ. सोनल मानसिंह ने कहा कि दोनों ग्रंथों- भगवद्गीता और नाट्यशास्त्र को 'यूनेस्को मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड' के इंटरनेशनल रजिस्टर में शामिल कर स्वयं अपना ही सम्मान किया है। दोनों ग्रंथों में समानता की बात करते हुए उन्होंने कहा कि दोनों ही कर्मयोग के सिद्धांत को प्रतिपादित करते हैं। जहां गीता 'कर्मण्येवाधिकारस्ते' के माध्यम से निष्काम कर्मयोग की शिक्षा देती है, वहीं नाट्यशास्त्र कलाकार को अपने सर्वोत्तम प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता है। पद्मश्री रामबहादुर राय ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता और नाट्यशास्त्र का यूनेस्को मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड रजिस्टर में शामिल होना मात्र एक सम्मानजनक घटना नहीं, बल्कि एक व्यापक सांस्कृतिक प्रक्रिया की शुभ शुरुआत है, जो वैश्विक समाज को धर्म, लोकतंत्र और आत्मबोध की ओर ले जाने की क्षमता रखती है।

यह उस परंपरा का पुनर्स्मरण है, जहां श्रीकृष्ण संवाद के माध्यम से मूढ़ता को मिटाते हैं और भरतमुनि कला को साधना का स्वरूप प्रदान करते हैं।डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने कहा, गीता को प्रमाणीकरण की आवश्यकता नहीं है। लेकिन जब इसे 'यूनेस्को मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड' के इंटरनेशनल रजिस्टर में सूचीबद्ध किया जाता है, तो इसकी महत्ता पूरे विश्व को पता चलता है। इसी तरह, नाट्यशास्त्र की भी वैश्विक महत्ता प्रमाणित होती है।

उन्होंने यह भी कहा कि 'यूनेस्को मेमोरी ऑफ द वर्ल्ड' में नामांकन डोजियर आईजीएनसीए के विद्वानों ने बहुत परिश्रम से तैयार किया है। अगर आज कोई पांडुलिपि पढ़ पा रहे हैं, तो सैकड़ों वर्ष पहले किसी विद्वान ने उसे पूरा जी-जान लगाकर संरक्षित किया होगा। प्रो. रमेश चंद्र गौड़ ने कहा कि यूनेस्को की 'मेमोरी ऑफ़ द वर्ल्ड इंटरनेशनल रजिस्टर' में श्रीमद्भगवद्गीता और भरतमुनि के नाट्यशास्त्र का अंकन केवल एक उत्सव का क्षण नहीं, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की सभ्यतागत ज्ञान परम्पराओं की ऐतिहासिक पुष्टि है। श्री रामबहादुर राय और डॉ. सच्चिदानंद जोशी के नेतृत्व में, आईजीएनसीए ने नोडल एजेंसी के रूप में इन नामांकनों की तैयारी और प्रस्तुति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जो देश की दस्तावेज़ी धरोहर के संरक्षण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। संगोष्ठी का समापन सत्र 31 जुलाई 2025 को शाम जनपथ स्थित आईजीएनसीए के समवेत सभागार में शाम आयोजित हुआ जिसमें भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सचिव विवेक अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वाराखेड़ी विशिष्ट अतिथि थे। सत्र की अध्यक्षता डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने की और प्रो. रमेश चन्द्र गौड़ ने स्वागत भाषण और विचार-विमर्श का संक्षिप्त सारांश प्रस्तुत किया।

प्रेमचंद की विरासत और वर्तमान कथा परिदृश्य पर चर्चा

साहित्य अकादेमी द्वारा प्रेमचंद जयंती पर प्रेमचंद की विरासत और वर्तमान कथा परिदृश्य विषयक चर्चा का आयोजन किया गया। अपने वक्तव्य में प्रख्यात लेखक श्यौराज सिंह 'बेचैन' ने प्रेमचंद की विरासत को व्यापक और बहुआयामी बताते हुए कहा कि लेखक का काम दर्पण दिखाना होता है, वह प्रेमचंद ने बहुत ईमानदारी से किया। आगे उन्होंने प्रेमचंद द्वारा दलित चरित्रों के चित्रण पर अपनी बात रखते हुए कहा कि प्रेमचंद दलितों के जीवन की त्रासदी तो बहुत सच्चाई से रखते हैं लेकिन उनका कोई भी चरित्र इसका कोई बहुत विरोध करता नहीं दिखाई देता।

इस संदर्भ में उन्होंने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि ऐसा इसलिए भी है कि लेखक का दायित्व सच्चाई को प्रकट करना है परिवर्तन का काम उस समाज को करना होता है। उन्होंने प्रेमचंद के संघर्षपूर्ण जीवन का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने बहुत जोखिम लेकर समाज की सच्चाई सामने रखा। प्रसिद्ध पत्रकार शिव कुमार राय ने अपने वक्तव्य में प्रेमचंद के जीवन और लेखन से कई उदाहरण देते हुए कहा कि उनकी विरासत अनमोल है और नई पीढ़ी को उससे प्रेरणा लेनी चाहिए।

कार्यक्रम के पश्चात सवाल-जवाब के क्रम में कहानीकार राजकुमार गौतम ने प्रेमचंद की विरासत पर टिप्पणी करते हुए कहा कि नई पीढ़ी को केवल उनके लेखन से नहीं बल्कि उनके जीवन संघर्षों और उच्च लक्ष्यों के प्रति उनकी निष्ठा को भी समझना और अपनाना होगा। कार्यक्रम में भारी संख्या में साहित्यकार और छात्र उपस्थित थे। रीतारानी पालीवाल और कई अन्य लेखकों ने भी अपनी टिप्पणियाँ की तथा कई शोधार्थियों की जिज्ञासाओं के समाधान भी वक्ताओं ने किए। कार्यक्रम का संचालन अकादेमी के उपसचिव देवेंद्र कुमार देवेश ने किया।

बिना सोसायटी के सहयोग के पुलिसिंग संभव नहीं : हर्ष मल्होत्रा

तीन-चार दशक पहले की और आज की पुलिसिंग में बहुत अंतर है। वर्तमान समय में सोशियोलॉजी के साथ पुलिसिंग जुड़ गई है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ही नहीं, थाना स्तर पर भी पुलिस का जुड़ाव समाज के साथ हो रहा है। पूरी संवेदना के साथ लोगों से समाज से जुड़ रहे हैं।

यह समाज के लिए और पुलिसिंग में सुधार के लिये बहुत अच्छी पहल है।

ये उद्गार भारत सरकार में केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा ने रविवार को इंडिया हैबिटेट सेंटर में 'पुलिसिंग एंड क्राइम ट्रेंड इन इंडिया' पुस्तक के लोकार्पण समारोह में कहीं। उन्होंने कहा कि आज के दौर में पुलिसिंग का ट्रेंड और सिस्टम एकदम बदल गया है। अपराधी अपराध करने के नए-नए तरीके अपना रहे हैं, तो वहीं मॉडर्न पुलिस भी उनका तोड़ लगातार निकाल रही है। अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए आधुनिक तौर-तरीके अपनाए जा रहे हैं। सेवा में रहते हुए लेखन कार्य के लिए उन्होंने पुस्तक के लेखक व अतिरिक्त पुलिस आयुक्त यातायात दिनेश कुमार गुप्ता की सराहना भी की। कार्यक्रम में उत्तर - पूर्वी दिल्ली से सांसद मनोज तिवारी, राज्यसभा सदस्य सांसद किरण चौधरी, पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा, नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. जी. एस. वाजपेयी व फिल्म अभिनेता विंदु दारा सिंह और प्रकाशक प्रभात कुमार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् क्षेत्रीय कार्यालय पटना द्वारा लोक कला प्रदर्शनी का आयोजन

भारत में पहली बार एक पासपोर्ट सेवा केंद्र अपने आवेदकों के पासपोर्ट सेवा के अनुभव को कलात्मक अनुभव प्रदान करके और भी बेहतर बना रहा है।क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय पटना के अंतर्गत पटना स्थित पासपोर्ट सेवा केंद्र पाटलिपुत्र और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् द्वारा पटना स्थित क्षेत्रीय कार्यालय(विदेश मंत्रालय के अंतर्गत) के सहयोग से - प्रतिदिन आने वाले लगभग 1500 पासपोर्ट आवेदकों के लिए PSK परिसर में अपनी कला का प्रदर्शन करने हेतु कलाकारों का स्वागत करने के लिए अपने द्वार खोल दिए हैं।इस श्रृंखला की पहली प्रदर्शनी बिहार के लोक चित्रों की प्रदर्शनी है जिसका शीर्षक 'सह-लोका' है।प्रदर्शित कलाकृतियों को आईसीसीआर,क्षेत्रीय कार्यालय पटना के क्षितिज श्रृंखला कार्यक्रम के तत्वावधान में सुनील कुमार और फोकार्टोपीडिया फाउंडेशन की उनकी टीम द्वारा बनाया गया है और ये २५ जुलाई से 15 अगस्त २०२५ तक सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक प्रदर्शित की जा रही हैं।प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि शांति देवी, मधुबनी चित्रकला हेतु पद्मश्री से सम्मानित और विशिष्ट अतिथि कर्नल राहुल शर्मा, निदेशक,निफ्ट पटना, क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी एवं आईसीसीआर की क्षेत्रीय निदेशक स्वधा रिज़वी द्वारा बिहार के प्रतिष्ठित कलाकारों की उपस्थिति में हुआ।हालाँकि यह प्रदर्शनी केवल वैध अपॉइंटमेंट वाले पासपोर्ट आवेदकों के लिए ही है, परंतु कम से कम एक दिन पहले लिखकर अनुरोध करने पर प्रदर्शिनी में आने की सुविधा दी जा सकती है।'सह-लोका' चित्रकला प्रदर्शनी बिहार की लोक कला परंपराओं की साझी संस्कृति की सराहना करने का एक प्रयास है।रूप और विषयवस्तु में, सह-लोका, मिथिला कला, गोदना कला, मंजूषा कला और टिकुली कला के चित्रों के माध्यम से लोक समाज में गुथी आंतरिक भावनाओं के शाश्वत सत्य को उजागर करती है, जो उनकी भावनाओं की प्रतीकात्मकता और अभिव्यक्ति का चित्रण हैं।इन चित्रों में लोक समाज को दर्शकों के समक्ष इनमें विज्ञान तत्वों के साथ प्रस्तुत किया गया है ताकि वे उनसे परिचित हो सकें और उनके साथ भाव-विभोर हो सकें।पारंपरिक कलात्मक शैली में प्रस्तुति की नवीनता और विषयगत समकालीनता के उत्साह से परिपूर्ण, 'सह-लोका' बिहार के वरिष्ठ और युवा लोक कलाकारों को समाहित करता है। इसमें भाग लेने वाले 9 कलाकार पासपोर्ट सेवाओं के लिए पासपोर्ट सेवा केंद्र आने वाले बिहार के लोगों को गोदना, मंजूषा, मधुबनी और टिकुली चित्रकला का कलात्मक प्रदर्शन प्रस्तुत करेंगे।

साहित्य मंच में तजेंद्र सिंह लूथरा ने प्रस्तुत की कविताएँ

साहित्य अकादेमी के साहित्य मंच कार्यक्रम में प्रख्यात हिंदी कवि तजेंद्र सिंह लूथरा के एकल काव्य पाठ का आयोजन किया गया। श्री लूथरा ने अपने कविताओं के साथ ही अपनी रचना प्रक्रिया को भी साझा किया। उन्होंने बताया कि सन्-2008 में घटित 26/11 घटना ने उनको विचलित किया और तब उन्होंने अपनी जो कविता लिखी उसे काफी पसंद किया गया और सराहा गया और तभी से उनका कविता लिखना नियमित हुआ।

उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि कवि वही महत्वपूर्ण होता है जो समसामयिक घटनाओं से उन तत्वों को चुनकर उस वेदना को पकड़ता है, जो वर्षों बाद भी लोगों को अपने समय की सामयिकता से जोड़ती है। उन्होंने अपने कविता-संग्रह 'एक नया ईश्वर' के साथ ही शीघ्र ही प्रकाशित होने वाले अपने तीसरे कविता-संग्रह 'प्लेटफॉर्म से आती आवाजें' से भी अनेक कविताएँ सुनाईं। उनकी कविताओं में कुछ छोटी कविताएँ और कुछ लंबी कविताएँ भी थीं।

इन कविताओं के स्वर जहाँ हमारी नियति और कर्मयोग के बीच के द्वंद्व को व्यक्त करने वाले थे, वहीं आम आदमी की परेशानियों को भी प्रस्तुत करने वाले थे। उनके द्वारा सुनाई गईं कुछ कविताओं के शीर्षक थे - तुम यह सब कर लेते हो, अरबी घोड़ा, ऐसे ही सोएँगे हम, साहस, जादू वाली शर्ट, उदास है मशीन एवं आधी रात को कविता। अंत में श्रोताओं के आग्रह पर उन्होंने लोकप्रिय कविता 'अस्सी घाट का बासुँरी वाला' भी सुनाई।

श्रोताओं के सवालों के जवाब देते हुए उन्होंने बताया कि उनकी अधिकतर कविताएँ सच्ची घटनाओं से प्रेरित हैं। जब भी कोई घटना उन्हें अंदर तक झकझोरती है तो वह उसे अपने शब्दों में दर्ज़ कर लेते हैं। कार्यक्रम का संचालन अकादेमी के उपसचिव देवेंद्र कुमार देवेश द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अनेक भाषाओं के कवि, लेखक और साहित्य प्रेमी उपस्थित थे।

आंचलिक साहित्य की श्रेष्ठ अभिव्यक्ति है : 'इकोज़ फ्रॉम ए ग्लूमी हिल'

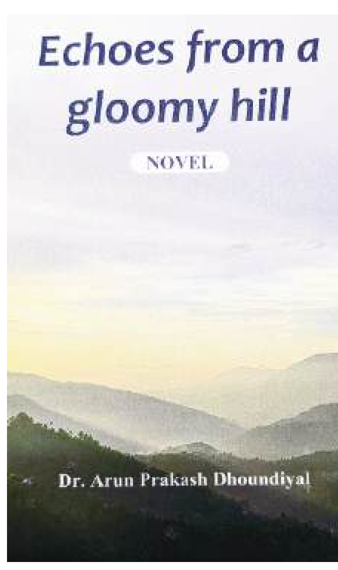

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ.अरुण प्रकाश ढौंडियाल के बहुचर्चित उपन्यास 'इकोज़ फ्रॉम ए ग्लूमी हिल' के मुख्य पात्रों में विमल, रूपली, साकू, माया,कांति, प्रो. पुष्कर, प्रो.पाठक, सेठ गंगाराम इत्यादि हैं। इनके सामाजिक जीवन में आंचलिक रंगों को उभरता हुआ देखा जा सकता है।शिक्षा के अनेक पक्ष देखने में आते हैं ।

संस्थाओं के भ्रष्टाचार,अबोध छात्राओं का शोषण समाज के व्यवहार से खिन्न होकर किशोरियों द्वारा अपने सकारात्मक उद्देश्यों से भटकाव भी यत्र-तत्र देखने में आता है। यदा-कदा बालिकाओं में अपने सशक्त अभिभावकों के कारण आत्मविश्वास का भाव उभरता हुआ दृष्टिगोचर होता है ।

वे अपने निर्णयों से जीवन धारा को मोड़ती दिखाई देती हैं । माया इसका साक्षात प्रमाण है । नकारात्मक परिस्थितियों के कारण आत्महत्या, अंधविश्वास , प्रपंच अफवाहों की भरमार और ऊपरी हवाओं का प्रचार आम घटनाएं होती दिखाई देती हैं। स्थानीय सरकारी व्यवस्था का अभिशाप पूरे समाज को भोगना पड़ता है। भ्रष्ट लोग ही शेष आम व्यक्ति के लिए अपने स्वार्थों के कारण ताने-बाने बुनते सामने आते है।

साकू और रूपली ग्रामीण परिवेश की विकासोन्मुख नारी पात्र हैं। उन्हें प्रेरणा स्वरूपा कहा जा सकता है पर इनके संदर्भ में कहा जा सकता है कि पारिवारिक संगठन हेतु वे अपेक्षाकृत कुलनीता की पक्षधर दिखाई देती हैं।

सामाजिक संरचना में कई वर्ग उभरते हुए आते हैं। एक वर्ग परंपरा तथा पीढ़ियों से आर्थिक रूप से दृढ़ है ।दूसरा वर्ग नवीन रास्तों को चुनता हुआ आगे बढ़ता है। यानि कि टैक्सी ड्राइवर या टैक्सी मालिक अपने ईमानदारी से काम करते हुए ट्रांसपोर्ट के धंधे से एम.एल.ए. बनने की हैसियत तक पहुंच जाता है।एक ओर विमल अपनी पढ़ाई करते हुए शोध करने के बाद यूनिवर्सिटी का प्रोफ़ेसर बनता है।

वह सिविल सर्विसेज की योग्यता पा सकने की स्थिति में होता है लेकिन आधुनिक राजनीति में सिविल सर्विसेज़ के लोगों की दशा को देखकर उसे उस जीवन से वितृष्णा होती है।

वह चाहता है कि यूनिवर्सिटी में काम करते हुए समाज को कुछ इतना उत्तम दे पाए की पीढ़ियां उसे अमर रखें। उपन्यास में सामाजिक मूल्यों ,नैतिक मूल्यों और व्यवहारवाद को विशेष मिश्रण दिखाई देता है। पहाड़ी जीवन की पारंपरिक विवशताएं, बेबसी, कसमसाहट, किल्लतें, चीत्कारें अपने खामोश स्वभाव से हृदयविदारक ध्वनियां वातावरण में फैलती जाती हैं। वंशजात विशिष्ताओं के साथ-साथ नई पीढ़ी में सकारात्मक गुण उभरते दिखाई देते हैं।

कहानी में आंचलिक परिवेश में भौतिक विकास का संदेश है और पलायन के दोष भी हैं। उपन्यास में एक ऐतिहासिक सत्य की ओर ध्यान आकर्षण का प्रयास है तथाकथित इतिहासवेत्ताओं गहराई तक न जाने की ओर संकेत है।

विमल नामक पात्र द्वारा विश्वविद्यालय की धांधलीबाजी को अनावृत किया गया है। घटनाक्रम के माध्यम से दूधातोली फॉरेस्ट रेंज की परिधि से जुड़े समाज और इसी वन विस्तार के अंतर्गत की बस्तियों की यथास्थिति की नारी की से प्रस्तुति होती चली गई है पिछड़ापन और उसके कारण वितृष्णा की स्थिति का होना सहज बताया गया है। रीति-रिवाजों, लोकगीतों, लोकव्यवहारों, भौगोलिक दशाओं, सामाजिक विसंगतियों राजनैतिक कुकृत्यों भावात्मक शोषणों इत्यादि का चित्रण स्वाभाविक रूप से होता चला गया है।

यह एक महत्वपूर्ण आंचलिक उपन्यास है जिसमें आंचलिकता के सभी गुण हैं।

ग़ज़लें

नीलम

गोआ के हसीं जंगल

फिर मुझे बुलाते हैं गोआ के हसीं जंगल
याद कुछ दिलाते हैं गोआ के हसीं जंगल

रंग अब दिखा देगा मेरे इश्क का आलम
वादे ख़ुद निभाते हैं गोआ के हसीं जंगल

इक भटकती कश्ती जब ढूँढती है साहिल को
हाथ को हिलाते हैं गोआ के हसीं जंगल

दूर देश से आएँ जब हवाएँ सावन की
झूमते हैं गाते हैं गोआ के हसीं जंगल

कुछ परिंदे परदेसी डालते हैं डेरा जब
बाहों में झुलाते हैं गोआ के हसीं जंगल

शाम की सुनहरी ज़ुल्फ़ डूबी जब भी सागर में
कैसे मुस्कुराते हैं गोआ के हसीं जंगल

चांद जाम 'नीलम' ये चाँदनी पे जब छलके
सो नहीं ये पाते हैं गोआ के हसीं जंगल

***

विश्व बाघ दिवस

दुनिया ही अलग सी है, घाटी काज़ीरंगा की
हर दिन नई लगती है, घाटी काज़ीरंगा की

हाथी शेर-ओ-गैंडे ने डाले हैं यहाँ डेरे
क्या मस्त ये बस्ती है, घाटी काज़ीरंगा की

हंसों की क़तारें हैं, हिरनों के नज़ारे हैं
मासूम सी लगती है, घाटी काज़ीरंगा की

नजरें हर इक हलचल पर, रखते हैं ये सैलानी
खामोश ही रहती है, घाटी काज़ीरंगा की

इक शोर सा मचता है जब बाघ निकलता है
और सहम के तकती है, घाटी काज़ीरंगा की

फिर से यहाँ आने की, ख़्वाहिश है मिरी 'नीलम'
अब यादों में बसती है, घाटी काज़ीरंगा की

कविता

लालित्य ललित

जब पिता नहीं रहते

तब उनका कमरा वीरान रह जाता है
उनकी पसन्दीदा पुस्तकें एक एक कर
घर से विदा हो जाती हैं

उनकी शेव का डिब्बा
अपनी जगह से अलग-थलग हो जाता है
उसमें से घर के ही सदस्य अपनी पसन्द की चीजें
ले लेते हैं
कोई कंघा, कोई ब्लेड और कोई पेस्ट के साथ
कैंची
डिब्बा बन जाता है छोटे बच्चे का एक ऐसा
अस्थाई बैंक जिसमें वह रख लेता है
पेंसिल,कलर्स और स्टेशनरी का सामान
पिता के गर्मी और सर्दी के कपड़े किसी गरीब
व्यक्ति को दिए जाते हैं
तो मफ़लर उनकी याद समझ बेटी रख लेती है
टोपी बेटा पहन लेता है
उसको यह फील होता है कि पिता का साथ
किसी न किसी बहाने बना रहेगा

बेटा बरसों से बन्द लोहे का संदूक खोलता है
ताकि अनावश्यक कागज़ों को हटाया जा सके
उस संदूक में मिलते है उनकी पहली नौकरी से
लेकर
वर्तमान तक के लेटर्स
जिसमें उच्च अधिकारियों के द्वारा प्रसंशा और
नियुक्ति के संदर्भ के पत्र

बेटा सोचता है कि उसके पिता कितने कर्मठ और
समर्पित थे अपने जीवन में हर बेटे में उसके पिता
गाहे-बगाहे झांकते हैं
उसके मन में, उसके विचारों में, उसकी कलम में

बेटा अचानक से बड़ा हो जाता है
घर का मुखिया बन जाता है
जो जिम्मेदारियां पिता निभाते थे
आज बेटा निभा रहा है
हाऊस टेक्स से लेकर, पानी-बिजली का बिल
बच्चों की इच्छाएं और उनकी मांगें
पत्नी के घर के जरूरी खर्चों को पूरा करने का
वचन भी

बेटा सोचता है आखिर पिता क्यों गए
उम्र से पहले उस डगर पर
जहां सभी ने जाना है और लौट कर नहीं आना

पिता को बताया करता था बेटा
सुबह के समय
तमाम तरह के मुद्दे चाय के समय

अब पिता नहीं रहे उनका एहसास अभी भी बना
हुआ है कि कहीं से घूम कर आएंगे और कहेंगे
कि बेटा अदरक इलायची वाली चाय बना दो
और रस भी देना उससे स्वाद बना रहता है
और ज़ायका भी

कुछ दिनों बेटे ने चाय से कन्नी काट ली थी
पर अब समय के साथ चाय से फिर दोस्ती कर ली
आख़रि पिता कहीं नाराज न हो जायें
कि मैं क्या गया तुमने मेरी सुबह की चाय भी छोड़
दीं

अब जब कोई कहता है कि आपमें आपके पिता
दिखते है
तो मैं किंचित विस्मित होता हूं
आईने में देखता हूं
कि वाकई में कुछ कुछ दिखने लगा हूं

मैं आज शाम को पिता के कमरे में ही बैठता हूं
देर तक, जब तक नींद न आ जाए
आज भी लगता है कि कहीं वे आवाज़ तो नहीं दे
रहे
कही मैंने उन्हें, उनकी आवाज़ को अनसुना तो
नहीं कर दिया

जब पिता नहीं रहते तो आपका एक स्थायी दोस्त,
एक आड़े वक्त का थिंकर
और विश्वास पात्र भी नहीं रहता

बहुत कुछ चला जाता है पिता के साथ
वे यादें, वे किस्से और अनगिनत कहानियां
जिन्हें सुना कर मैं कभी ख़ुश होता
कभी खिलखिलाते पिता भी

पिता के साथ सब गया
मीठी खट्टी बातों का पिटारा
कभी गुस्सा हो जाता खाने से कन्नी काट लेता
पिता आते और कहते कि गुस्सा होना स्वाभाविक
है
लेकिन भोजन का अनादर कभी नहीं करना।

आज मैं कब उनकी सोच में ढल गया
यह मुझे भी नहीं पता चला

धीरे-धीरे मेरा कमरा, मेरी पुस्तकें
मेरी पसन्दीदा वस्तुएं भी बच्चे बांट लेंगे
यही दस्तूर है और समय की मांग भी।

पिता की स्मृति को नमन
आज याद आई पिता की और उनकी स्मृति की
जिसने मुझे जोड़ रखा है अपने साथ
अपने समय की परिस्थिति से लगातार विचार
विमर्श करने की
और आवश्यक मंथन की।

नई दिल्ली, रविवार 3 अगस्त 2025

नेशनल एक्सप्रेस

हर खबर समय पर

FRONT PAGE 2

''इस नए भारत में आतंक के दोषियों को धूल चटाने और दुश्मनों की सीमा में घुसकर उनका सफाया करने का साहस है।''

योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री उ.प्र.

दयाशंकर सिंह ने बलिया नगर विधानसभा के टीडी कॉलेज चौराहे स्थित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) कार्यालय पर पहुंचकर विभाग संयोजक यीशु प्रताप सिंह, विभाग संगठन मंत्री अमन, जिला संगठन मंत्री ऋषभ सिंह , जिला सह-संयोजक अभिषेक यादव , नगर मंत्री अंकित ठाकुर , ओम प्रकाश यादव तथा टीडी कॉलेज अध्यक्ष दीपक सिंह से भेंट कर कुशलक्षेम जाना।

ऑपरेशन सिंदूर में भारत के शक्ति प्रदर्शन के बाद काशी आए हैं प्रधानमंत्री : आदित्यनाथ

वाराणसी, (भाषा) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वाराणसी दौरा ऐसे समय में हुआ है जब भारत और दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के सफल क्रियान्वयन के माध्यम से देश की ताकत और क्षमताओं को देखा है।

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में हुए सैन्य अभियान ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए आदित्यनाथ ने कहा, ''इस नए भारत में आतंक के दोषियों को धूल चटाने और दुश्मनों की सीमा में घुसकर उनका सफाया करने का साहस है।''

उन्होंने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद आज प्रधानमंत्री मोदी का काशी आगमन हुआ है। उत्तर प्रदेश की जनता की ओर से, मैं प्रधानमंत्री का स्वागत और अभिनंदन करता हूं।''

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत की शक्ति व सामर्थ्य का अहसास किया है। उन्होंने कहा कि नया भारत पहलगाम के अपराधियों को मिट्टी में मिलाकर और दुश्मन के घर में घुसकर उसका खात्मा करने का माद्दा रखता है।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय राजनेता हैं। पिछले 11 वर्ष में चार दर्जन से अधिक देशों ने उन्हें अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया है। दुनिया लोककल्याण और विश्वकल्याण के लिए उनकी दूरदर्शिता का लोहा मानती है। जुलाई में घाना, त्रिनिदाद-टोबैगो, नामीबिया, ब्राजील ने प्रधानमंत्री मोदी को सर्वोच्च नागरिक सम्मान देकर 140 करोड़ भारतवासियों का गौरव बढ़ाया है।''

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में ग्रामसभा-बनौली (कालिका धाम), सेवापुरी में आयोजित लोकार्पण/शिलान्यास समारोह को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने काशी आने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया।

आदित्यनाथ ने कहा कि यह काशी का सौभाग्य है कि प्रधानमंत्री संसद में इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा, ''पिछले 11 वर्षों में, काशी प्राचीनता और नवीनता के अनूठे संगम के रूप में उभरी है। यह आध्यात्मिकता और आधुनिकता का एक ऐसा मिश्रण जो लगातार वैश्विक ध्यान आकर्षित कर रहा है।''

मुख्यमंत्री ने बताया कि इन वर्षों में वाराणसी के लिए 51 हजार करोड़ की परियोजनाएं स्वीकृत हुईं, जिसमें से 34 हजार करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण प्रधानमंत्री मोदी के माध्यम से हुआ, जो समग्र विकास की नयी अवधारणा के साथ काशी को पहचान दिला रहे हैं।

बाढ़ राहत के लिए मुख्यमंत्री योगी ने किया 'टीम-11' का गठन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाढ़ की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए राहत एवं बचाव कार्यों के लिए अपने मंत्रियों की एक विशेष 'टीम-11' का गठन किया है। जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी भी शामिल हैं। जिन्हें प्रयागराज के साथ ही प्रभारी जनपद मिर्जापुर और बांदा की भी जिम्मेदारी मिली है।

- कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी को दी गई तीन जनपदों की जिम्मेदारी
- मंत्री नन्दी जल्द ही प्रयागराज, मिर्जापुर और बांदा के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का करेंगे निरीक्षण

मंत्री नन्दी बाढ़ प्रभावित जनपदों में राहत कार्यों की निगरानी करेंगे और देखेंगे कि कोई भी पीड़ित सहायता से वंचित न रह जाए। यह समय संवेदनशीलता, तत्परता और पारदर्शिता के साथ कार्य करने का है। राज्य सरकार हर नागरिक की सुरक्षा, भोजन, आवास और स्वास्थ्य की जिम्मेदारी पूरी प्रतिबद्धता से निभाएगी। मुख्यमंत्री ने सभी को राहत कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता न बरतने के निर्देश दिए हैं। मंत्री नन्दी जल्द ही मुख्यमंत्री द्वारा निर्धारित बाढ़ प्रभावित जिलों का दौरा कर, राहत शिविरों का निरीक्षण और प्रभावित परिवारों से सीधे संवाद स्थापित कर जमीनी स्थिति की समीक्षा करेंगे। जिलों के डीएम, एसपी, सीएमओ सहित समस्त वरिष्ठ अधिकारी फील्ड में रहें और 24x7 निगरानी व्यवस्था सक्रिय रखें, इसकी भी व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के नव नियुक्त कुलपति प्रोफेसर अजीत कुमार चतुर्वेदी काशी विश्वनाथ मंदिर में पत्नी सहित बाबा विश्वनाथ का अभिषेक करते हुए।

भारतीय वस्तुओं पर 25% अमेरिकी प्रतिशोधात्मक टैरिफ: IREF और चावल निर्यात क्षेत्र की रणनीतिक प्रतिक्रिया

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

नई दिल्ली । भारतीय राइस एक्सपोर्टर्स फेडरेशन (IREF) — जो भारत के चावल निर्यात पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़े 7,500 से अधिक हितधारकों का प्रतिनिधित्व करता है ने संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा 1 अगस्त 2025 से प्रभावी भारतीय वस्तुओं, जिनमें चावल भी शामिल है, पर 25% टैरिफ लगाने के निर्णय पर प्रतिक्रिया जारी की है।

IREF के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रेम गर्ग ने इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा:> ''यह टैरिफ एक अस्थायी बाधा है, कोई दीर्घकालिक अवरोध नहीं। रणनीतिक योजना, विविधीकरण और लचीलापन के साथ, भारतीय चावल निर्यातक अमेरिकी बाजार में अपनी उपस्थिति बनाए रख सकते हैं और उसे और भी बढ़ा सकते हैं।'' डॉ. गर्ग ने यह भी स्पष्ट किया कि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा बासमती चावल का बाजार नहीं है। वित्त वर्ष 2024–25 में भारत ने अमेरिका को लगभग 2.74 लाख टन बासमती चावल का निर्यात किया, जबकि वैश्विक बासमती चावल निर्यात का कुल आंकड़ा 52.4 लाख टन रहा।

पश्चिम एशिया भारतीय बासमती चावल का मुख्य बाजार बना हुआ है।हालांकि अमेरिका ने टैरिफ लगाया है, लेकिन भारत अभी भी मूल्य और गुणवत्ता के लिहाज़ से प्रतिस्पर्धी बना हुआ है। डॉ. गर्ग ने यह भी उल्लेख किया कि अमेरिका द्वारा भारतीय चावल पर लगाया गया 25% टैरिफ उन देशों की तुलना में कम है, जैसे कि चीन (34%), वियतनाम (46%), पाकिस्तान (29%) और थाईलैंड (36%) जिससे अमेरिकी बाजार में भारतीय चावल की प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति बरकरार है।

IREF के बारे में: भारतीय राइस एक्सपोर्टर्स फेडरेशन (IREF) भारत में चावल व्यापार की शीर्ष संस्था है। यह निर्यातकों, मिलर्स, कृषक समुदायों, लॉजिस्टिक्स और पैकेजिंग से जुड़े भागीदारों का प्रतिनिधित्व करती है। IREF, भारत सरकार, APEDA, व्यापार संगठनों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ नियमित संवाद करके भारत के चावल निर्यात क्षेत्र के विकास और वैश्विक नेतृत्व को बढ़ावा देने वाली नीतियों को सहयोग देती है। फेडरेशन का संचालन सिद्धांत है: ''एक राष्ट्र, एक व्यापार, एक नीति।

तेजस्वी यादव ने मसौदा मतदाता सूची में अपना नाम नहीं होने का दावा किया, उपमुख्यमंत्री ने किया खंडन

पटना, (भाषा) राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने शनिवार को दावा किया कि बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रकाशित 'मसौदा मतदाता सूची' में उनका नाम नहीं है।

हालांकि, उपमुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता सम्राट चौधरी के साथ ही पटना जिला प्रशासन ने इस दावे का खंडन करते हुए मसौदा मतदाता सूची का एक स्क्रीनशॉट साझा किया, जिसमें यादव का विवरण और तस्वीर देखी जा सकती है। प्रेस वार्ता के दौरान, पूर्व उपमुख्यमंत्री यादव ने अपने फोन को एक बड़ी स्क्रीन से जोड़ा और अपना ईपीआईसी नंबर खोजने की कोशिश की, जिससे परिणाम आया कि 'कोई रिकॉर्ड नहीं मिला।'

भारतीय वैश्य ग्लोबल फाउंडेशन द्वारा कन्या वैदिक विद्यालय इंटर कॉलेज में भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

गाजियाबाद। भारतीय वैश्य ग्लोबल फाउंडेशन के तत्वावधान में शनिवार को कन्या वैदिक विद्यालय इंटर कॉलेज, गाजियाबाद में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं सुनीता दयाल, महापौर, गाजियाबाद।

कार्यक्रम का संचालन संगठन के जिलाध्यक्ष देवेंद्र हितकारी ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में समाज को एकजुट करने, पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने और सामाजिक सहभागिता के महत्व पर बल दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति, वृक्ष संरक्षण एवं अन्य समसामयिक विषयों पर मनमोहक एवं सुव्यवस्थित सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से की गई, जिन्होंने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया।प्रदेश अध्यक्ष अनिल अग्रवाल सावरिया ने विद्यालय की गतिविधियों और फाउंडेशन की भूमिका पर प्रकाश डाला।

उन्होंने मुख्य अतिथि महापौर सुनीता दयाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम को गौरव प्रदान किया।राष्ट्रीय अध्यक्ष सीए डॉ. विनय मित्तल ने संगठन के उद्देश्यों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा- हम समाज की आवाज उठाते हैं, समाज के उत्थान के लिए कार्य करते हैं, और समुदाय के सशक्तिकरण हेतु निरंतर प्रयासरत हैं।'' उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को आयोजन स्थल उपलब्ध कराने हेतु धन्यवाद दिया और छात्र-छात्राओं की प्रस्तुति की सराहना की।

महापौर सुनीता दयाल ने विद्यालय के साथ अपनी छात्र जीवन की मधुर स्मृतियाँ साझा कीं तथा संगठन द्वारा आयोजित वृक्षारोपण अभियान की भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने कॉलेज परिसर के बाहर सफाई व्यवस्था में प्रशासनिक सहयोग का आश्वासन भी दिया।

विद्यालय प्रबंधन ने महापौर से कॉलेज पर लगने वाले कर में रियायत और बाहरी परिसर की सफाई व्यवस्था में नगर निगम के सहयोग का आग्रह किया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से अखिलेन्द्र गर्ग- राष्ट्रीय महामंत्री, अंजू मित्तल- राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, राजकिशोर गुप्ता-उपाध्यक्ष, राजीव गोयल-अध्यक्ष, उद्योग विंग और शरद गर्ग-प्रबंधक, कन्या वैदिक विद्यालय मौजूद रहे।

तिरंगे के जनक श्री पिंगली वेंकय्या जी की 147वीं जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

ऋषिकेश। आज भारतवर्ष पिंगली वेंकय्या जी की 147वीं जयंती मना रहा है। वह महान व्यक्तित्व जिन्होंने भारत के राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगे' की परिकल्पना कर देश को एक ऐसी पहचान दी, जो आज हमारी अस्मिता, आत्मसम्मान और अखंडता का प्रतीक है। उनका जीवन राष्ट्रसेवा, विज्ञान, और मातृभूमि के प्रति अद्वितीय समर्पण की प्रेरक गाथा है।परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि वेंकय्या जी एक सच्चे राष्ट्रभक्त थे।

- गंगा जी की आरती श्री पिंगली वेंकय्या जी को समर्पित
- हमारा तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, यह भारत माता की आत्मा का प्रतीक :स्वामी चिदानन्द सरस्वती

स्वदेशी आंदोलन से प्रेरित होकर उन्होंने न केवल विदेशी वस्त्रों का बहिष्कार किया, बल्कि कपास की कृषि में शोध कार्य भी प्रारंभ किया। उन्होंने अमेरिका से कंबोडियन कपास के बीज मंगवाकर भारतीय कपास के साथ क्रॉस-ब्रीडिंग की और एक नई हाइब्रिड कपास की किस्म विकसित की, जिसे वेंकय्या कपास के नाम से जाना गया।वेंकय्या जी का सबसे महान योगदान भारतीय राष्ट्रीय ध्वज की परिकल्पना और निर्माण है। स्वतंत्रता संग्राम के समय, एक राष्ट्रीय ध्वज की आवश्यकता महसूस की जा रही थी जो देशवासियों को एक सूत्र में बाँध सके।

22 जुलाई 1947 को संविधान सभा ने जिस ध्वज को भारत का राष्ट्रीय ध्वज घोषित किया, उसका मूल आधार पिंगली वेंकय्या जी का ही डिजाइन था।स्वामी जी ने कहा कि आज जो तिरंगा हम गर्व से फहराते हैं, वह न केवल हमारी संप्रभुता का प्रतीक है, बल्कि उसमें वेंकय्या जी के तप, परिश्रम और देशभक्ति की जीवंत भावना समाहित है।स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि हमारा तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, यह भारत माता की आत्मा का प्रतीक है। इसका प्रत्येक रंग और चिह्न हमारे जीवन मूल्यों और राष्ट्रीय आदर्शों का सजीव चित्रण है।

केसरिया रंग वीरता, त्याग और बलिदान की भावना को दर्शाता हैय सफेद रंग शांति, सत्य और समरसता का प्रतीक हैय हरा रंग जीवन, समृद्धि और उन्नति की प्रेरणा देता है और मध्य में स्थित अशोक चक्र 24 तीलियों वाला यह चक्र सतत कर्म और धर्म के पथ पर आगे बढ़ने का संदेश देता है।युवाओं के लिए तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि एक आह्वान है देश के लिए जीने, सीखने, संघर्ष करने और कुछ कर दिखाने का। यह हमें याद दिलाता है कि हम उस भूमि के वासी हैं, जहाँ भगत सिंह ने हँसते-हँसते फाँसी को गले लगाया, जहाँ नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा कहा।आज जब भी तिरंगा लहराता है, हर युवा का हृदय गर्व से भर उठता है। आइए, तिरंगे को केवल हाथों में नहीं, दिलों में उठाएँ और अपने कर्म, चरित्र और संकल्प से भारत को विश्वगुरु बनाएं।आज, जब हम हर घर तिरंगा जैसे अभियानों के माध्यम से तिरंगे को आमजन से जोड़ते हैं, तब यह आवश्यक है कि हम बच्चों और युवाओं को बताएं कि इस तिरंगे की प्रेरणा और परिकल्पना किस महापुरुष की देन है।

पिंगली वेंकय्या जी केवल झंडे के निर्माता नहीं, बल्कि भारत की आत्मा के चितेरे थे। उन्होंने हमें वह प्रतीक दिया जिसने देश को स्वतंत्रता की राह पर एकजुट किया और आज भी हम सबको एक सूत्र में बाँधता है।उनकी जयंती पर भारत उन्हें शत-शत नमन करता है। आइए, इस अवसर पर संकल्प लें कि हम तिरंगे के गौरव को न केवल अपने हाथों में बल्कि अपने हृदय में भी धारण करें, और वेंकय्या जी जैसे राष्ट्रसेवकों के जीवन से प्रेरणा लेते हुए देश की सेवा में तत्पर रहें।

जद(एस) के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को बलात्कार के मामले में आजीवन कारावास की सजा

बेंगलुरु, (भाषा) कर्नाटक में यहां की एक विशेष अदालत ने पूर्व सांसद एवं जनता दल (सेक्युलर) के निलंबित नेता प्रज्वल रेवन्ना को बलात्कार के एक मामले में शनिवार को उसके शेष जीवन के लिए कारावास की सजा सुनाई।

अदालत ने शुक्रवार को 34 वर्षीय रेवन्ना को उसके खिलाफ दर्ज यौन शोषण और बलात्कार के चार मामलों में से एक में दोषी ठहराया था।

सजा सुनाए जाने से पहले पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा के पोते रेवन्ना ने फूट-फूट कर रोते हुए अदालत से कम सजा की अपील की और कहा कि वह बीई मैकेनिकल स्नातक हैं और हमेशा योग्यता के आधार पर उत्तीर्ण हुए हैं तथा उन्होंने कोई गलत काम नहीं किया है।

सांसदों/विधायकों के लिए विशेष अदालत के न्यायाधीश संतोष गजानन भट ने आरोपी पर कुल 11.50 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया और कहा कि इस जुर्माने की राशि में से 11.25 लाख रुपये पीड़िता को दिये जाएंगे।

श्रावण मास में 1,25,000 की संख्या में पार्थिव शिव लिङ्गों का अभिषेक पूजन संपन्न

नेशनल एक्सप्रेस ब्यूरो

रत्नसानुशरासनं रजताद्रिश्रृङ्गनिकेतनं
शिञ्जिनीकृतपन्नगेश्वरमच्युतानलसायकम्।
क्षिप्रदग्धपुरत्रयं त्रिदशालयैरभिवन्दितं
चन्द्रशेखरमाश्रये मम किं करिष्यति वै यमः।।

इस विश्व के आध्यात्म मानवता और संस्कारों की राजधानी भारत, और भारत की राजधानी इंद्रप्रस्थ क्षेत्र (दिल्ली) में परम पूज्य गुरुदेव भगवान के सान्निध्य में प्रतिदिवस महारुद्रभिषेकम् पूजन श्रावण मास पर्यन्त आयोजित हो रहा है, इसी कड़ी में आज पुनः श्रावण मास में 1,25,000 की संख्या में पार्थिव शिव लिङ्गों का अभिषेक पूजन संपन्न हुआ।

श्रावण मास में भगवान् शिव की उपासना ध्यान और कृपा के लिए आनंदपीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर अनंत श्री विभूषित श्री श्री 1008 स्वामी श्री बालकानंद गिरि जी महाराज श्री ने श्री हरि धाम आश्रम के पवित्र प्रांगण में प्रतिदिवस शिवार्चन का कार्यक्रम सभी सनातन धर्मावलम्बियों के हितार्थ कल्याणार्थ और श्री शिव की कृपार्थ आयोजित किया हुआ है।

इस दिव्य अनुष्ठान के मुख्य यजमान श्री अरुण जी पंसारी एवं श्रीमती सुधा पंसारी जी के श्रद्धाभाव के साथ अनन्त श्री विभूषित श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर साध्वी गुरु दीदी माँ मंजू श्री जी, श्री राजीव जैन जी (सुमेर लॉगर ग्रुप), श्री अशोक गुप्ता जी (ज्ञानंदा स्कूल- CA. गुरुग्राम), श्री अंकित बंसल जी (रिच सोया) जी, रितिका बंसल जी, श्री अभिषेक जैन जी, श्री नकुल गुप्ता जी, आदरणीया किरण गुप्ता जी, निखार गुप्ता जी, शोभा जैन, संजीव जैन जी, अगस्त्य जी, अशमीरा बंसल जी, अदिना गुप्ता,आर्यमन, इनाया जैन, नैन्सी जैन, दिव्यांश जी, ललित गोयल जी (लक्ष्मी ट्रेडिंग), सुधीर सोनी जी, अखिल गर्ग जी के साथ समस्त संत वृदों व सुदूर के क्षेत्रों से श्रद्धालु भक्ति भावना से ओतप्रोत हो कर आ रहे हैं, और आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। आज शिवरात्रि के विशेष अर्चन पूजन कार्यक्रम में पधारे अनेक भक्तों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

स्वामी वी.पी.एल. मीडिया प्रा. लि. के लिए प्रकाशक व मुद्रक वेंकटेश गुप्ता द्वारा आर.डी प्रिंटर्स एवं पब्लिशर्स प्रा. लि. ए-41, सेक्टर 8, नोयडा, गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित व फ्लैट सं. 7, एस 561, ग्रेटर कैलाश पार्ट 2, नई दिल्ली 110048 से प्रकाशित। DELHIN/2015/65411, संपादक : विपिन कुमार गुप्ता।
संपादकीय कार्यालय- फ्लैट सं. 7, एस 561, ग्रेटर कैलाश पार्ट 2, नई दिल्ली 110048, ईमेल -news.vpl@gmail.com फोन नं.-011 49066569। प्रसार व विज्ञापन विभाग -ईमेल vplmedia@yahoo.com, समस्त विवाद के लिए न्याय क्षेत्र नई दिल्ली ही मान्य होगा।